CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 17°C
न्यूनतम : 09°C

मुजफ्फरनगर, सोमवार 2 फरवरी 2026 उत्तर प्रदेश संस्करण: वर्ष 27 अंक 17 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com माघ शुक्ल पक्ष 14 विक्रमी सम्वत् 2082 13 शाबान 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

आम बजट 2026-27: वित्त मंत्री ने नहीं किया आम आदमी के लिए कोई बड़ा ऐलान

ऑपरेशन सिंदूर के बाद रक्षा बजट 15 % बढ़ा

इनकम टैक्स में बदलाव नहीं, 17 कैंसर की दवाएं ड्यूटी फ्री, 3 आयुर्वेदिक एम्स व 7 हाई स्पीड रेल कॉरिडोर बनेंगे

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को बजट पेश कर दिया। वे संसद में 85 मिनट बोलीं, लेकिन आम आदमी के लिए कोई बड़ा ऐलान नहीं किया। हालांकि टैक्स फाइल करने में सहूलियत, रेलवे प्रोजेक्ट और 3 नए आयुर्वेदिक एम्स जैसी नई बातें कही हैं। बजट भाषण में कोई सीधा चुनावी ऐलान भी नहीं हुआ।

सीतारमण लोकसभा में तमिलनाडु की प्रसिद्ध कांजीवरम साड़ी पहनकर पहुंचीं जरूर, लेकिन इसी साल होने वाले पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुड्डुचेरी चुनाव पर सीधा असर डालने वाली घोषणाएं नहीं कीं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहले बजट में वित्त मंत्री ने जियो-पॉलिटिक्स और चुनौतियों की बात कही और देश का रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ से बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़ कर दिया। यानी कुल डिफेंस बजट में 15.2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। डिफेंस बजट की खास बात यह है कि हथियार खरीदी और सेना के आधुनिकीकरण पर पिछले साल के 1.80 लाख करोड़ के मुकाबले इस बार 2.19 लाख करोड़ खर्च किए जाएंगे। यह पूंजीगत खर्च में सीधे 22 फीसदी की बढ़ोतरी है।

आम बजट की सबसे बड़ी घोषणाएं- इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव नहीं। रिवाइज्ड रिटर्न फाइल करने के लिए 3 महीने का ज्यादा समय दिया। यानी अब 31 दिसम्बर के बदले 31 मार्च तक रिवाइज्ड रिटर्न फाइल कर सकते हैं। कैंसर की 17 दवाओं पर से आयात शुल्क हटाया। अभी 5 फीसदी शुल्क लगता था। हीमोफीलिया, सिकल सेल और मस्कुलर डिस्ट्राफी जैसी 7 दुर्लभ बीमारियों की दवाइयां भी ड्यूटी फ्री। हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा। इनमें मुंबई -पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलिगुड़ी।

आयुर्वेदिक एम्स खोले जाने की घोषणा

मेडिकल टूरिज्म को बढ़ाने के लिए 5 मेडिकल हब भी बनेंगे। - लाख से ज्यादा आबादी वाले टियर-2 और टियर-3 शहरों के विकास के लिए 12.2 लाख करोड़ खर्च करने का ऐलान।

इनकम टैक्स- स्लैब में बदलाव नहीं, रिटर्न फाइलिंग के लिए तीन महीने एक्स्ट्रा

इनकम टैक्स स्लैब में कोई

बदलाव नहीं। रिवाइज्ड रिटर्न फाइल करने के लिए 3 महीने का ज्यादा समय दिया। यानी अब 31 दिसम्बर के बदले 31 मार्च तक रिवाइज्ड रिटर्न फाइल कर सकते हैं। न्यू इनकम टैक्स एक्ट एक अप्रैल 2026 से लागू होगा। फार्म रीडिजाइन किए गए हैं, ताकि आम लोग उसे आसानी से भर सकें।

रक्षा बजट- 15 फीसदी बढ़ा, फोर्सेस के आधुनिकीकरण पर 22 फीसदी ज्यादा खर्च

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहले

बजट में निर्मला सीतारमण ने जियो -पॉलिटिक्स और चुनौतियों की बात कही और देश का रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ से बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़ कर दिया। यानी कुल डिफेंस बजट में 15.2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। डिफेंस बजट की खास बात यह है कि इसमें हथियार खरीदी और आधुनिकीकरण पर पिछले साल के 1.80 लाख करोड़ के मुकाबले इस साल 2.19 लाख करोड़ खर्च किए जाएंगे। यह पूंजीगत खर्च में सीधी 22 फीसदी की बढ़ोतरी है। विमान और एयरो इंजन डेवलपमेंट के लिए 64 हजार करोड़ और नौसेना बेड़े के लिए 25 हजार करोड़ रुपये दिए गए हैं। पेंशन के लिए 1.71 लाख करोड़ अलग रखे गए हैं।

स्वास्थ्य- कैंसर की दवाओं से कस्टम ड्यूटी हटेगी, इलाज सस्ता होगा

कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 17 दवाओं पर बेसिक कस्टम ड्यूटी हटा दी गई है। ये एडवांस कैंसर की इंपोर्ट होने वाली दवाएं हैं। अभी 5 फीसदी कस्टम ड्यूटी लगती थी। हीमोफिलिया, सिकल सेल और मस्कुलर डिस्ट्राफी जैसी 7 दुर्लभ बीमारियों की दवाइयां भी ड्यूटी फ्री कर दी गई हैं।

आयुर्वेद- भारत को ग्लोबल बायो फार्मा मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की तैयारी

बजट में 3 आयुर्वेदिक एम्स बनाने का ऐलान किया गया है। आयुर्वेदिक दवाइयों की टेस्टिंग के लिए नेशनल लैब्स बनाई जाएंगी। भारत को ग्लोबल लेवल पर बायोफार्मा प्रोडक्ट के उत्पादन का हब बनाया जाएगा। अगले पांच साल में एक लाख स्पेशलिस्ट हेल्थकेयर प्रोफेशनल तैयार होंगे। इसके लिए 10,000 करोड़ के निवेश करने की बात कही गई है।

गर्ल्स एजुकेशन- 789 जिलों में गर्ल्स हॉस्टल, हर जिले में एक हॉस्टल

देश में 789 जिले हैं। हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल बनाने का ऐलान किया गया है। गर्ल स्टूडेंट्स के लिए स्टीएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा को विशेष प्राथमिकता देने की बात कही गई है। -15 हजार सेकेंडरी स्कूलों और 500 कॉलेजों में कंटेंट क्रिएटर लैब्स बनाई जाएंगी। करीब 800 जिलों में लड़कियों के लिए हॉस्टल बनेंगे। हर जिले में एक हॉस्टल बनाया जाएगा।

महिलाएं- लखपति दीदी मॉडल पर रोजगार और आय बढ़ाने की स्कीम

लखपति दीदी की तर्ज पर महिला स्वयं सहायता समूह की उद्यमी महिलाओं के लिए शी-मार्ट बनाए जाएंगे। इन दुकानों को महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों के समुदाय ही चलाएंगे। यहां महिलाओं के बनाए खाद्य पदार्थ, हस्तशिल्प, कपड़े और स्थानीय उत्पाद सीधे बेचे जाएंगे। इससे बिचौलियों की भूमिका कम होगी और महिलाओं को अपने कारोबार पर मालिकाना हक मिलेगा।

रेल-जलमार्ग और ग्रीन ट्रांसपोर्ट सेक्टर: सात नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनेंगे

शहरों के बीच 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनाए जाएंगे। ये मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद- चेन्नई, हैदराबाद- बेंगलुरु, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली- वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी के बीच बनेंगे। अगले 5 साल में 20 नए राष्ट्रीय जलमार्ग बनेंगे। बनारस और पटना में जहाज मरम्मत सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

ग्रीन एनर्जी: बैटरी बनाने की मशीनों पर टैक्स छूट बढ़ी

सरकार ने लिथियम-आयन बैटरी बनाने वाली मशीनों पर टैक्स छूट का दायरा बढ़ा दिया है। अब बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के लिए इस्तेमाल होने वाले सामान पर भी ड्यूटी नहीं लगेगी। इससे इलेक्ट्रिक व्हीकल सस्ते होंगे। वहीं, सोलर ग्लास बनाने में इस्तेमाल होने वाले सोडियम एंटीमोनेट पर भी ड्यूटी हटा दी गई है, जिससे देश में सोलर पैनल बनाना सस्ता होगा। खनिज- रेयर अर्थ कॉरिडोर बनाया जाएगा- केरल, तमिलनाडु और ओडिशा में दुर्लभ खनिजों के लिए विशेष कॉरिडोर बनाए जाएंगे। इसमें आंध्र प्रदेश को भी जोड़ा जाएगा ताकि खनिज संपन्न राज्यों को फायदा मिले। रेयर अर्थ मटेरियल का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक गाड़ियों की मोटर बनाने में इस्तेमाल किया जाता है।

खेती और पशु-मछली पालन- आय और रोजगार के मौके बढ़ाने पर फोकस

नारियल प्रोत्साहन योजना से करीब 3 करोड़ लोगों को जोड़ा जाएगा। मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए 500 तालाबों और अमृत सरोवरों का -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी बोले: ये युवा शक्ति का बजट, राहुल ने कहा: युवाओं को कुछ नहीं मिला

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने आम बजट को युवाओं का बजट बताया है। कहा कि देश में रिफॉर्म एक्सप्रेस चल पड़ी है। ये स्किल, स्केल और सस्टेनेबिलिटी को मजबूत करने का प्रयास है। सबसे बड़ी पूंजी नागरिक, इसी में निवेश किया। उधर विपक्ष ने बजट को निराशाजनक बताया। राहुल गांधी ने कहा कि युवाओं के लिए रोजगार वाला बजट नहीं है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर गिर रहा है। निवेशक पूंजी निकाल रहे हैं। घरेलू बचत में भारी गिरावट आ रही है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि यह बेहद ही बिखरा बजट है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार ने आम जनता को कुछ नहीं दिया। मोदी ने कहा कि हम तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनकर ही संतुष्ट नहीं है। बल्कि जल्द से जल्द तीसरी अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं। ये बजट अपार अवसरों का राजमार्ग है। ये बजट वर्तमान के सपनों को साकार करता है। भारत जिस रिफॉर्म्स पर सवार है, बजट से उसे नई गति मिलेगी। सनराइज सेक्टर को जिस मजबूती के साथ महत्व दिया है वह अहम है। रेयर अर्थ कारिडोर, क्रिटिकल मिनिरल्स पर बल, टैक्सटाइल, हाईटेक टूल मैनुफैक्चरिंग जैसी चीजें भविष्य और वर्तमान की जरूरतों का ध्यान रखती हैं।

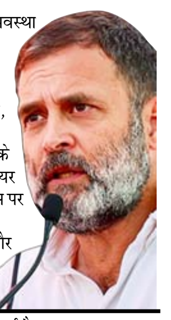

संक्षिप्त समाचार

कमर्शियल रसोई गैस सिलेंडर महंगा

नई दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में लगातार दूसरे महीने बढ़ोतरी की है, जबकि घरेलू सिलेंडर के दाम में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली में रविवार से 19 किलोग्राम वाला वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर 1,740.50 रुपये का हो गया है। यह मई 2025 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। जनवरी में इसकी कीमत 111 रुपये बढ़ाकर 1,691.50 रुपये की गई थी।

यूपी और हरियाणा में ओले गिरे, खड़ी फसलों को नुकसान

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने बताया कि फरवरी में रातें कम ठंडी और दिन ज्यादा गर्म हो सकते हैं। इसका कारण लॉ-नीना का कमजोर होना बताया जा रहा है। हालांकि उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय है। इससे अगले 2 दिन उत्तर-पश्चिम और हिमालई क्षेत्रों में बारिश- बर्फबारी होगी। रविवार को राजस्थान, एमपी, यूपी, हिमाचल और हरियाणा में बारिश, ओलावृष्टि और घना कोहरा रहा, जिससे फसलों को नुकसान हुआ। रविवार सुबह देश के 5 राज्यों यूपी, पंजाब, मेघालय, मध्य प्रदेश और हरियाणा के कुल 11 जिलों में तापमान 5 से 8 डिग्री के बीच रहा।

बजट में कृषि क्षेत्र को मिले 1,62,671 करोड़

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को संसद में वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश करते हुए कृषि तथा संबद्ध क्षेत्र के लिए 1,62,671 करोड़ का प्रस्ताव और किसानों की आमदनी में इजाफा करने के लिए कई उपायों की घोषणा की। यह धनराशि साल 2025-26 के संशोधित अनुमान 1,51,853 से सात प्रतिशत ज्यादा है।

श्रीमती सीतारमण ने तटीय क्षेत्रों में नारियल, चंदन, कोको और काजू जैसी महंगी फसलों में मदद देने की बात कही है। इन महंगी फसलों में इत्र बनाने में इस्तेमाल होने वाले अगर के पेड़ों और पहाड़ी इलाकों में बादाम, काजू

और खुबानी जैसे गिरीदार फलों की बागवानी में सहायता देने का भी ऐलान किया गया। बजट में कहा गया है कि पुराने, कम उपज वाले बागों में दोबारा जान डालने के लिए सरकार आगे आएगी। इनमें अखरोट, बादाम और पाइन नट्स के बागों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। चंदन के पेड़ों की खेती से किसानों की आमदनी बढ़ाने की बात भी बजट में कही गई है।

बजट में क्या सस्ता-क्या महंगा

ईवी की कीमत घटेंगी, शराब महंगी होगी, कैंसर की दवाओं के दाम घटेंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल बजट में कई बड़े ऐलान किए हैं। खासकर भारतीय अर्थव्यवस्था को अमेरिकी टैरिफ से बचाने के लिए सरकार ने कई नए प्रावधान किए हैं। इनमें निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कुछ आयात शुल्क घटाने की घोषणा की गई है, जिससे व्यापारियों को मुख्य तौर पर राहत मिलेगी। इसके अलावा घरेलू खपत बढ़ाने के लिए भी कई चीजों के शुल्क को घटाया गया है।

समुद्री खाद्य उत्पादों की प्रोसेसिंग के लिए शुल्क मुक्त आयात की सीमा बढ़ाई गई है। इसके जरिये मछलीपालन उद्योग से जुड़े लोगों को राहत मिलेगी। जूतों के ऊपरी हिस्सों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए इनके शुल्क

मुक्त आयात की अनुमति दी गई है। यानी विदेश भेजे जाने वाले जूतों की निर्माण लागत कम होगी। इससे देश में बिकने वाले जूते भी सस्ते होंगे। चमड़े और वस्त्र परिधानों के निर्यात में व्यापारियों की सहायता करने के लिए इनके कच्चे माल के आयात पर छूट की समयसीमा एक साल बढ़ाई गई है। भारत में इनकी कीमत जस-की-तस बनी रहेगी। लिथियम आयन सेल विनिर्माण में प्रयोग होने वाली वस्तुओं पर सीमा शुल्क में छूट दी जाएगी। इससे लिथियम आयन तकनीक से संचालित होने वाली बैटरी देश में सस्ती होंगी। इससे इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) के क्षेत्र को मदद मिलेगी और यह सस्ते हो सकते हैं। सोडियम एंटीमोनेट के आयात शुल्क पर मूल सीमा शुल्क में छूट। इसका इस्तेमाल टेलीविजन ट्यूब्स के फाइनिंग और ऑप्टिकल ग्लास में किया जाता है। साथ ही दमकल उपकरणों में इनका प्रयोग होता है। यानी टीवी-शीशे की बनी चीजें और दमकल उपकरण सस्ते हो सकते हैं। न्यूक्लियर परियोजनाओं के लिए जरूरी वस्तुओं के आयात पर छूट जारी रहेगी। अहम खनिजों की प्रोसेसिंग के लिए जरूरी वस्तुओं के आयात पर छूट मिलेगी।

दो दिन में चांदी 1.36 लाख और सोना 31 हजार सस्ता

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। गोल्ड और सिल्वर मार्केट में लगातार दूसरे दिन गिरावट है। 1 फरवरी को वायदा बाजार में चांदी करीब 25 हजार रुपये (9 फीसदी) गिर गई। 1 किलो चांदी का भाव 2.65 लाख रुपये पर आ गया। सोने में भी करीब 12 हजार रुपये (8 फीसदी) की गिरावट है। 10 ग्राम सोना 1.38 लाख रुपये पर आ गया है।

वायदा बाजार यानी मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने के दाम में दो दिन में 31 हजार रुपये की गिरावट हुई है। 29 जनवरी को ये 1.69 लाख रुपये पर पहुंच गया था, जो आज 1.38 लाख रुपये पर

ट्रेड कर रहा है। चांदी की कीमत में 1.36 लाख रुपये की गिरावट हुई है। 29 जनवरी को ये 4.01 लाख रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई थी, जो आज 2.65 लाख रुपये पर ट्रेड कर रही है। सोना और चांदी की कीमतों में एमसीएक्स पर आई इस गिरावट का सीधा असर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) पर भी पड़ा।

भारत ने पाकिस्तान के दावों को किया खारिज

शाह टाइम्स ब्यूरो

- बलूचिस्तान हिंसा पर इसे 'ध्यान भटकाने की रणनीति' बताया
- पाक अपने लोगों की मांगों पर ध्यान दे

नई दिल्ली। भारत ने बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को हुई हिंसा में अपनी किसी भी तरह की संलिप्तता के पाकिस्तान के आरोपों को खारिज करते हुए उन्हें 'निराधार' बताया और कहा कि ऐसा कहकर पाकिस्तान अपने आंतरिक मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाता है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान को 'बेतुके दावे' करने की बजाय अपने लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांगों और जरूरतों को पूरा करने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम पाकिस्तान द्वारा लगाए गए निराधार आरोपों को सिरे से खारिज करते हैं, जो उसकी अपनी आंतरिक विफलताओं से ध्यान भटकाने की उसकी सामान्य रणनीति के अलावा और कुछ नहीं है। हर बार जब कोई हिंसक घटना होती है, तो ऐसे दावों को दोहराने की बजाय पाकिस्तान को अपने लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करने पर ध्यान देना चाहिए। दमन, क्रूरता और मानवाधिकारों के उल्लंघन का उसका रिकॉर्ड जगजाहिर है। यह बयान पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी द्वारा हमलों में भारत पर शामिल होने का आरोप लगाने के बाद आया है। भारत ने पाकिस्तान के खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड और क्षेत्र में लंबे समय से चले आ रहे दमन को उजागर करके पलटवार किया। गौरतलब है कि शनिवार को पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में कम से कम 16 जगहों पर हमले हुए। क्वेटा, ग्वादर, कल्लात, खारान, मस्तुंग, पसनी, दलबांदिन, नोशकी, बुलाइदा, टंप, मच और आसपास के इलाकों में विस्फोट और सशस्त्र हमलों की सूचना मिली। बलूचिस्तान में हुई हिंसा की जिम्मेदारी शनिवार को बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने 'ऑपरेशन हेरोफ फेज दो' के हिस्से के रूप में ली।

टी-20 वर्ल्डकप में भारत के खिलाफ नहीं खेलेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने घोषणा की है कि उसकी क्रिकेट टीम टी-20 वर्ल्ड कप में 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले मैच का बहिष्कार करेगी। भारत और श्रीलंका में 7 फरवरी से आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप शुरू होने जा रहा है।

पाकिस्तान सरकार ने एक्स पर लिखा है कि इस्लामी गणराज्य पाकिस्तान की सरकार ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम को आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप

2026 में हिस्सा लेने की मंजूरी दे दी है, हालांकि, पाकिस्तान क्रिकेट टीम 15 फरवरी 2026 को भारत के खिलाफ निर्धारित मैच में मैदान पर नहीं उतरेगी।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने केंद्रीय बजट का स्वागत किया

बजट सर्वसमावेशी दृष्टि व आत्मनिर्भर भारत का सशक्त घोषणापत्र

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए इसे सर्वसमावेशी दृष्टि, दूरदर्शी सोच और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का मजबूत दस्तावेज बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट भारतीय आकांक्षाओं का प्रतिबिब है और समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की स्पष्ट प्रतिबद्धता दर्शाता है।

राज्यपाल ने कहा कि करीब 25 करोड़ लोगों का गरीबी से बाहर आना, राजकोषीय अनुशासन, नियंत्रित घाटा और संतुलित कर्ज-जीडीपी अनुपात इस बात का प्रमाण है कि भारत की विकास यात्रा सुदृढ़ आधार पर आगे बढ़ रही है। उनके अनुसार यह बजट किसान, युवा, महिला, श्रमिक, छात्र, उद्यमी और उद्योग सभी को समान संवेदनशीलता के साथ संबल प्रदान करता है। उन्होंने कृषि क्षेत्र में 'भारत विस्तार' जैसे एआई आधारित नवाचार, शिक्षा में छात्राओं के लिए हॉस्टल, खेलो इंडिया के माध्यम से कौशल एवं रोजगार, आयुष और एवीजीसी सेक्टर के विस्तार, एमएसएमई व मैन्युफैक्चरिंग को प्रोत्साहन तथा हरित उद्योगों के लिए कार्बन कैप्चर जैसे प्रावधानों को विकसित भारत की दिशा में ठोस कदम बताया। राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि इंफास्ट्रक्चर पर रिकॉर्ड निवेश, रेल व जलमार्गों का विस्तार, ग्रामीण स्वराज और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की पहल भारत को आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय रूप से सशक्त बनाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 सुधारों की गति, आत्मनिर्भरता की शक्ति और समृद्ध भारत के उज्जवल भविष्य का पाथेय सिद्ध होगा।

भाजपा का बजट सिर्फ पांच प्रतिशत लोगों के लिए: अखिलेश यादव

लखनऊ। केंद्रीय बजट पेश होने के बाद शेयर मार्केट में आई गिरावट को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि हमने पहले ही कहा था, सवाल यह नहीं है कि बाजार कब खुलेगा, सवाल यह है कि और कितना गिरेगा।

अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए अखिलेश यादव ने बयान जारी कर कहा कि जब भारतीय जनता पार्टी सरकार से जनता को कोई उम्मीद नहीं है, तो उसके बजट से भी क्या अपेक्षा की जा सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का हर बजट '1/20 का बजट' होता है, क्योंकि यह केवल 5 प्रतिशत लोगों के हित में तैयार किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह बजट अपने कमीशन और अपने लोगों को सेट करने का दस्तावेज है तथा इसे 'भाजपाई भ्रष्टाचार की अदृश्य खाता-बही' बताया। सपा अध्यक्ष का कहना है कि इस बजट में न आम जनता का जिक्र है और न ही उनकी फिक्र। महंगाई के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि बेतहाशा बढ़ती कीमतों के बावजूद आम लोगों को टैक्स में कोई राहत नहीं दी गई, जो सीधे तौर पर 'टैक्स-शोषण' है। वहीं दूसरी ओर अमीरों के कारोबार और घूमने-फिरने पर कई तरह की छूटें दी गईं, जबकि बेकारी और बेरोजगारी से जूझ रहे युवाओं व आम नागरिकों की उम्मीदों की थाली खाली रह गई। उन्होंने बजट को निराशाजनक और निंदनीय बताते हुए कहा कि यह आम आदमी की जरूरतों से पूरी तरह कटा हुआ है।

केंद्रीय बजट जमीन पर उतरता दिखे तभी होगा सार्थक: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि संसद में पेश किए गए बजट में योजनाओं, परियोजनाओं और वादों के नाम भले ही बड़े हों, लेकिन असली कसौटी यह है कि उनका लाभ जमीन स्तर पर आम लोगों तक कितना पहुंचता है। उन्होंने कहा कि सर्वसमाज के हित में केवल बातें करना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें सही नीयत के साथ अमल में लाना भी उतना ही जरूरी है। रविवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए मायावती ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार का बजट सत्ताधारी बहुजन समाज पार्टी के नजरिए से नहीं, बल्कि पूंजीवादी सोच से प्रभावित प्रतीत होता है, जिसमें बड़े उद्योगपतियों और धनाढ्य वर्ग को प्राथमिकता मिलती दिखती है, जबकि गरीब, दलित और बहुजन समाज की अपेक्षाएं पीछे छूट जाती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की नीति और नीयत का आकलन इस बात से होना चाहिए कि वास्तव में गरीबों और वंचितों के जीवन में कितना सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की बात तभी सार्थक होगी, जब सरकारी क्षेत्र को पर्याप्त महत्व देते हुए संविधान निर्माता डा. भीमराव आंबेडकर के कल्याणकारी संविधान की भावना के अनुरूप ठोस कदम उठाए जाएं। मायावती ने यह सवाल भी उठाया कि पिछले वर्ष के बजट में किए गए दावे और वादे कितने पूरे हुए तथा क्या लोगों के जीवन स्तर में वास्तविक सुधार देखने को मिला है।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला बजट: कपिल देव अग्रवाल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने केंद्रीय बजट को विकसित भारत की दिशा में निर्णायक कदम बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को सशक्त आधार देते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपना नौवां बजट प्रस्तुत किया है, जो 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' की भावना को मजबूती देता है।

मंत्री ने कहा कि यह बजट युवाओं, किसानों, श्रमिकों और उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाने की ठोस रूपरेखा प्रस्तुत करता है। एमएसएमई क्षेत्र को मजबूती देने के लिए 10 हजार करोड़ रुपये के प्रावधान से औद्योगिक क्षमता को नई गति मिलेगी। 5 लाख तक की आबादी वाले शहरों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की पहल से उत्तर प्रदेश के अनेक नगरों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह 'युवा शक्ति-संचालित बजट' है, जिसमें कौशल विकास, रोजगार और उद्यमिता को केंद्र में रखा गया है। शिक्षा से रोजगार तक की यात्रा को मजबूत करने हेतु उच्च-शक्ति स्थाई समिति के गठन का प्रस्ताव किया गया है।

स्वास्थ्य, पशुपालन, शिक्षा, पर्यटन, डिजाइन और खेल जैसे क्षेत्रों में पेशेवर मानव संसाधन के निर्माण पर विशेष बल दिया गया है। किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने, महिला नेतृत्व वाले उद्यमों, एआई आधारित पहलों और दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण के लिए भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सशक्त विजन है। उन्होंने वित्त मंत्री को इस जनहितकारी बजट के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह बजट भारत की प्रगति, समृद्धि और आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिखेगा।

बजट 2026-27 पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया जयराम ने बताया निराशाजनक

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्रीय बजट 2026-27 पर प्रतिक्रिया करते हुए इसे पूरी तरह निराशाजनक और फीका करार दिया है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने बजट पर प्रतिक्रिया करते हुए सोशल मीडिया पर रविवार को लिखा कि भले ही बजट दस्तावेजों का विस्तृत अध्ययन अभी किया जाना बाकी है, लेकिन बजट भाषण के 90 मिनट बाद ही यह साफ हो गया है कि बजट को लेकर जो माहौल और प्रचार बनाया गया था, उस पर यह पूरी तरह खरा नहीं उतरता। उन्होंने कहा कि यह बजट न तो नई दिशा दिखाता है और न ही किसी बड़े बदलाव का संकेत देता है। रमेश ने बजट भाषण को अस्पष्ट और गैर-पारदर्शी बताते हुए कहा कि इसमें प्रमुख कार्यक्रमों और योजनाओं के लिए बजटीय आवंटन की कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। उनके अनुसार सरकार ने वास्तविक मुद्दों से ध्यान हटाने की कोशिश की है और आम जनता को निराशा हाथ लगी है।

बजट 2026 पावर सेक्टर और कर्मचारियों के लिए निराशाजनक: शैलेन्द्र दुबे

लखनऊ। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026 को पावर सेक्टर और बिजली कर्मचारियों के लिए अत्यंत निराशाजनक बताया है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की विद्युत वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के बढ़ते वित्तीय घाटे को कम करने और उन्हें सुदृढ़ बनाने के लिए बजट में कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया। दुबे ने कहा कि ट्रांसमिशन सेक्टर में टैरिफ बेस्ड कॉम्पिटेटिव बिडिंग (टीबीसीबी) के नाम पर हो रहे निजीकरण को रोकने की अपेक्षा थी, क्योंकि यह विषय राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है, लेकिन बजट इस पर मौन रहा। साथ ही देश में सस्ती बिजली उत्पादन के लिए नए सार्वजनिक क्षेत्र के बिजली घरों की स्थापना पर भी कोई स्पष्ट नीति या दिशा नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि उत्पादन, ट्रांसमिशन और डिस्कॉम-तीनों क्षेत्रों को लेकर बजट में स्पष्ट दृष्टिकोण का अभाव है।

नया भारत-विकसित भारत का रोडमैप है केंद्रीय बजट: योगी

लखनऊ, वार्ता

केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे नए भारत और विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने वाला दूरदर्शी बजट बताया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बजट प्रस्तुत करने पर हार्दिक बधाई दी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 145 करोड़ देशवासियों की आशा और आकांक्षाओं का प्रतीक यह बजट है, जिसमें मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर, कैपिटल एक्सपेंडिचर में वृद्धि, रेल कॉरिडोर, आयुष और हेल्थ सेक्टर को सशक्त करने जैसे ठोस प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने बताया कि कामकाजी महिलाओं पर विशेष ध्यान, हर जनपद में छात्रावास निर्माण, विज्ञान-गणित-आंकड़ा विज्ञान और उभरती तकनीकों से जुड़े हॉस्टलों की पहल युवाओं के सपनों को नई उड़ान देगी। उन्होंने कहा कि व्यापक सुधारों के साथ अलग-अलग सेक्टरों में किए गए प्रावधान आम नागरिक का जीवन सरल बनाएंगे और अर्थव्यवस्था को तेज गति देंगे। युवाओं, महिलाओं, अन्नदाता किसानों, उद्यमियों और मध्यम वर्ग-सभी के लिए नए अवसर सृजित करने वाला यह बजट है। जीएसटी रिफंड की प्रक्रिया, आयकर रिटर्न को सरल बनाने की दिशा में उठाए गए कदम तथा अप्रैल से नए इनकम टैक्स एक्ट को लागू करने की घोषणा को उन्होंने स्वागतयोग्य बताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह बजट समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने का दस्तावेज है और तेजी से आगे बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने बजट में शामिल प्रावधानों का स्वागत

करते हुए विश्वास जताया कि यह विकसित भारत की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

लोककल्याण की प्रेरणा देती है संत रविदास की वाणी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को संत रविदास की 649वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने बाराबिरवा, कानपुर रोड स्थित संत रविदास मठ में संत रविदास की प्रतिमा एवं सभागार का लोकार्पण किया। संत रविदास की साधना और कर्मयोग समाज को जोड़ने तथा लोक कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध बनाते हैं। उनकी वाणी आज भी 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के निर्माण की प्रेरणा देती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संत रविदास के कथन 'मन चंगा तो कठौती में चंगा' का उल्लेख करते हुए कहा कि कर्म की शुद्धता ही जीवन की दिशा तय करती है। उन्होंने बताया कि संतों ने मध्यकाल में भी सामाजिक समरसता का मार्ग प्रशस्त किया, उसी नींव पर आज का भारत खड़ा है। संत रविदास की प्रेरणा से ही शासन की योजनाएं अंतिम पंक्ति तक पहुंच रही हैं। गरीबों के बैंक खाते, आवास, शौचालय, गैस कनेक्शन, राशन और स्वास्थ्य सुविधाएं इसी सोच का परिणाम हैं, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ-सबका विकास' विजन से गति मिली है।

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

सेंसेक्स 81537.70
निफ्टी 25048.65

रु. 150430
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार देश

चांदी रु. 291770
प्रति किलो

शेयर बाजार को रास नहीं आया आम बजट, सेंसेक्स 1,547 अंक तक लुढ़का

मुंबई, वार्ता

वित्त वर्ष 2026-27 का बजट निवेशकों को लुभाने में विफल रहा और घरेलू शेयर बाजारों में रविवार को विशेष सत्र के दौरान शुरुआती तेजी के बाद भारी गिरावट देखी गई।

बीएसई का सेंसेक्स 2,826 अंक के उतार-चढ़ाव के बाद अंत में 1,546.84 अंक (1.88 प्रतिशत) टूटकर चार महीने के निचले स्तर 80,722.94 अंक पर बंद हुआ। बाजार बजट से पहले तेजी में था और एक समय 456 अंक चढ़कर 82,726.65 अंक पर पहुंच गया, लेकिन वित्त मंत्री का बजट भाषण समाप्त होते होते बाजार अचानक तेजी से गिर गया। कुछ ही देर में यह 2,370 अंक गिरकर 79,899 अंक तक उतर गया था, जो बीच कारोबार में पांच महीने का निचला स्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 495.20 अंक यानी 1.96 प्रतिशत की गिरावट में 24,825.45 अंक पर बंद हुआ। यह

इसका भी चार महीने का निचला स्तर है। सूचकांक ऊपर 25,440.90 अंक और नीचे 24,571.75 अंक तक गया। चौतरफा बिकवाली के बीच मझौली और छोटी कंपनियों को भी नुकसान उठाना पड़ा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 2.06 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.73 प्रतिशत गिर गया। एनएसई में आईटी सूचकांक की 0.57 प्रतिशत की तेजी को छोड़कर अन्य सभी सेक्टर गिरावट में रहे। सार्वजनिक बैंकों का सूचकांक 5.57 प्रतिशत, धातु का 4.05 प्रतिशत, तेल एवं गैस का 2.86 प्रतिशत, एफएमसीजी का 2.29 प्रतिशत, रियलिटी का 2.22 प्रतिशत, ऑटो का 2.09 प्रतिशत और निजी बैंकों का 1.22 प्रतिशत की गिरावट में बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में भारतीय स्टेट बैंक और अडानी पोर्ट्स के शेयर साढ़े पांच प्रतिशत से ज्यादा टूट गए। बीईएल में भी सवा पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट रही। आईटीसी, टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट और एलएंडटी के शेयर तीन से चार प्रतिशत के बीच टूटे। बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, मारुति सुजुकी, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड और महिंद्रा एंड महिंद्रा में दो से तीन प्रतिशत की गिरावट रही। इटरनल, आईसीआईसीआईआई बैंक, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, ट्रेंट और भारती एयरटेल के शेयर एक से दो प्रतिशत फिसल गए। एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनीलिवर में भी करीब एक फीसदी की गिरावट देखी गई। टीसीएस का शेयर करीब दो प्रतिशत और इंफोसिस का एक प्रतिशत से अधिक चढ़ा।

भारत के विकास का अगला चरण पूंजी-समर्थित, एमएसएमई प्रेरित

नई दिल्ली, वार्ता

केंद्रीय बजट राजकोषीय अनुशासन पर आधारित है : सिंह

पीबी फिनटेक के जॉइंट ग्रुप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सरबवीर सिंह ने रविवार को कहा कि केंद्रीय बजट राजकोषीय अनुशासन पर आधारित है और यह स्पष्ट संकेत देता है कि भारत के विकास का अगला चरण पूंजी-समर्थित तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई)-प्रेरित होगा।

उन्होंने कहा कि बजट में मजबूत संरचनात्मक सुधारों के साथ-साथ जन-केंद्रित दृष्टिकोण भी स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। सिंह के अनुसार सार्वजनिक पूंजीगत व्यय को वित्त वर्ष 2026-27 में 12.2 लाख करोड़ रुपये तक ले जाने का निरंतर प्रयास बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए मजबूत तथा पूर्वानुमेय मांग की पाइपलाइन तैयार करेगा। वहीं 10,000 करोड़ रुपये के एमएसएमई ग्रोथ फंड की घोषणा से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को आवश्यक फंडिंग और तरलता सहायता मिलेगी, जिससे विस्तार और रोजगार सृजन को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि विदेशी निवासियों के लिए निवेश सीमा को बढ़ाकर 24 प्रतिशत किए जाने से भारतीय पूंजी बाजारों में निवेशकों की भागीदारी बढ़ेगी और दीर्घकालिक पूंजी प्रवाह को मजबूती मिलेगी। 'विकसित भारत' के लक्ष्य के तहत बैंकिंग क्षेत्र पर प्रस्तावित उच्च स्तरीय समिति को उन्होंने अधिक निवेश-आधारित और वैश्विक रूप से एकीकृत अर्थव्यवस्था की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया। सिंह ने मोटर दुर्घटना मुआवजे को कर-मुक्त करने के फैसले को बीमा व्यवस्था को अधिक मानवीय और उपभोक्ता-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम करार दिया। उन्होंने कहा कि सरल किए गए कर-फाइलिंग मानदंड अनुपालन को आसान बनाएंगे और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को और सुदृढ़ करेंगे। साथ ही स्वयं सहायता आधारित उद्यमियों पर विशेष फोकस से महिला-नेतृत्व वाले व्यवसायों और जमीनी स्तर की उद्यमिता को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना
खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

प्रथम पृष्ठ के शेष...

ऑपरेशन सिंदूर

विकास किया जाएगा। पशुपालन के क्षेत्र में नए व्यवसायों को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि ज्यादा लोगों के लिए नौकरी और रोजगार के अवसर बनें। राज्यों के साथ मिलकर भारतीय चंदन उद्योग तंत्र को फिर से स्थापित किया जाएगा। काजू-कोको को 2030 तक दुनिया में पहचान दिलाने का टारगेट है।

हैंडलूम: नेशनल फाइबर स्कीम, खादी को प्रोत्साहन

नेशनल हैंडलूम पॉलिसी से कारीगरों को प्रोत्साहन और मदद देने की तैयारी है। मेगा टेक्सटाइल पार्क बनाए जाएंगे। मैन मेड फाइबर का उत्पादन बढ़ेगा। एडवांस्ड फाइबर के लिए टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन का सिस्टम तैयार किया जाएगा। महात्मा गांधी ग्राम स्वराज मिशन के तहत खादी को प्रोत्साहित करने के लिए प्रोडक्शन, ट्रेनिंग और मार्केटिंग पर जोर होगा। वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट को बढ़ावा दिया जाएगा।

पर्यटन: 20 टूरिस्ट प्लेस पर 10 हजार गाइड्स ट्रेंड किए जाएंगे

20 प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों पर 10, हजार गाइड्स को ट्रेंनिंग दी जाएगी। इसके लिए पायलट योजना शुरू की जाएगी। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू- कश्मीर में पर्यावरणीय रूप से ऐसे रास्ते बनाए जाएंगे जो ट्रेकिंग और हाइकिंग के लिए आसान हों। विदेश में पढ़ाई-इलाज- 2026-27 में विदेश पैसा भेजने (एलआरएस) पर लगने वाले टीसीएस (टैक्स कलेक्टेड एड सोर्स) को कम करने का ऐलान किया है। अब विदेश में पढ़ाई या इलाज के लिए साल में 10 लाख रुपये से ज्यादा भेजे तो टीसीएस 5 फीसदी से घटाकर 2 फीसदी कर दिया गया है। सरकार की कमाई, कर्ज और घाटे का पूरा हिसाब- सरकार ने लक्ष्य रखा है कि 2030-31 तक देश का कुल कर्ज, जीडीपी के 50 फीसदी (1) के बराबर लाया जाए। 2025-26 में यह कर्ज 56.1 फीसदी था, जो अब 2026-27 में घटकर 55.6 फीसदी रहने का अनुमान है। यह कर्ज कम होगा तो सरकार को ब्याज कम देना पड़ेगा, जिससे वो पैसा स्कूल, अस्पताल और सड़कों पर खर्च हो सकेगा।

राजकोषीय घाटा जीडीपी के 4.5 फीसदी से नीचे आया

राजकोषीय घाटा मतलब सरकार की कमाई और खर्च के बीच का अंतर। सरकार ने कहा है कि वह घाटे को जीडीपी के 4.5 फीसदी से नीचे ले आई है। 2025-26 में यह घाटा 4.4 फीसदी रहा, और अगले साल (2026-27) के लिए इसे और घटाकर 4.3 फीसदी करने का लक्ष्य है। सरकार की कुल कमाई 34 लाख करोड़ रही। इसमें से 26.7 लाख करोड़ टैक्स से आए। वहीं कुल खर्च 49.6 लाख करोड़ रहा। पूंजीगत खर्च यानी लगभग 11 लाख करोड़ नए ब्रिज, हाईवे और इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने में खर्च हुआ। सरकार ने 36.5 लाख करोड़ कुल कमाई का अनुमान है। जिसमें टैक्स से 28.7 लाख करोड़ आएंगे। वहीं लगभग 53.5 लाख करोड़ कुल खर्च रहने का अनुमान है। खर्च कमाई से ज्यादा है, इसलिए सरकार बाजार से 11.7 लाख करोड़ का उधार लेगी। बाकी पैसा छोटी बचत योजनाओं से आएगा।

सारनाथ व हस्तिनापुर को 'एक्सपीरिएंशियल कल्चरल डेस्टिनेशन' के रूप में किया जाएगा विकसित

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि देश के 15 प्रमुख पुरातात्विक स्थलों को 'एक्सपीरिएंशियल कल्चरल डेस्टिनेशन' के रूप में विकसित करने की योजना में सारनाथ और हस्तिनापुर को शामिल किया जाना केंद्र सरकार की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह निर्णय 'विकसित भारत' के विजन में उत्तर प्रदेश की केंद्रीय भूमिका को और सुदृढ़ करेगा।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि बजट में उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को विशेष प्राथमिकता दी गई है, जिससे प्रदेश की पहचान देश के प्रमुख सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पर्यटन गंतव्य के

रूप में और मजबूत होगी। उन्होंने इसे प्रदेश के पर्यटन विकास के लिए मील का पत्थर बताया।

जयवीर सिंह ने कहा कि भगवान बुद्ध के प्रथम उपदेश स्थल सारनाथ का विकास इस तरह किया जाएगा कि उसकी पवित्रता और ऐतिहासिक गरिमा बनी रहे। यहां विश्वस्तरीय विजिटर सुविधाएं, क्यूरेटेड वॉकवे, इंटरप्रिटेशन सेंटर और तकनीक आधारित स्टोरीटेलिंग की व्यवस्था की जाएगी। इससे पर्यटक सारनाथ के आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्व को और गहराई से समझ सकेंगे तथा बौद्ध पर्यटन को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि हस्तिनापुर, जो महाभारत काल का प्रमुख नगर रहा है, को एक समग्र हेरिटेज डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। कौरव वंश की राजधानी रहे इस ऐतिहासिक स्थल का पुरातात्विक और सांस्कृतिक महत्व अत्यंत विशाल है। वैज्ञानिक संरक्षण, बेहतर पर्यटक सुविधाओं और संरचित व्याख्या व्यवस्था के माध्यम से पर्यटक महाभारत से जुड़े गौरवशाली इतिहास से भावनात्मक रूप से जुड़ सकेंगे। बजट के व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे से जुड़े प्रावधान प्रदेश में पर्यटन को नई गति देंगे। धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों को जोड़ने वाली बेहतर रेल और सड़क व्यवस्था से सुगम पर्यटन सर्किट विकसित होंगे।

फार्म-7 भेज कर विपक्षी मतदाताओं के नाम कटवाने की साजिश रच रही भाजपा : सपा

फर्जी हस्ताक्षर करवाकर नाम हटवाए जा रहे हैं: यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एसआईआर प्रक्रिया के तहत गांवों में पहले से छपे फार्म-7 भेजे जाने को लेकर बड़ा आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि इन फार्मों के जरिए फर्जी आपत्तियां दर्ज कर विपक्षी मतदाताओं के नाम कटवाने की साजशि रची जा रही है। रविवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि कई मामलों में शिकायतकर्ता का कोई अता-पता नहीं है और फर्जी हस्ताक्षर करवाकर नाम हटवाए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में खासतौर से पीडीए समाज और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। कई मतदाताओं को तो यह भी जानकारी नहीं है कि उनके सभी दस्तावेज सही होने के बावजूद उनके नाम पर आपत्ति लगा दी गई है। सपा अध्यक्ष ने माननीय न्यायालय, निर्वाचन आयोग और समस्त पत्रकारों से इस 'महाघोटाले' का संज्ञान लेने की अपील की है। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय व स्थानीय मीडिया, यूट्यूबर और लोकल न्यूज कर्मियों से लोकतंत्र के हित में इस कथित साजशि का पर्दाफाश करने का आग्रह किया। अखिलेश यादव ने कहा कि पार्टी ऐसे मामलों को देश-प्रदेश के सामने लाएगी और ईमानदार पत्रकारिता करने वालों का समर्थन करेगी।

बेकाबू पिकअप ने ली कार सवार युवक की जान

हरियाणा के जनपद सोनीपत के रूप में हुई मृतक की पहचान

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। देर रात सड़क हादसे में हरियाणा निवासी युवक की जान चली गई। वहलना चौक के पास तेज रफ्तार और लापरवाही से चल रही एक पिकअप ने कार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे कार सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

शनिवार की देर रात हरियाणा के जनपद सोनीपत के ग्राम जाजल टोकी निवासी रतन पुत्र धर्मपाल सिंह ने थाना खालापार में दी गई तहरीर में बताया कि 31 जनवरी 2026 की देर रात उनका पुत्र कृष्णवीर कार संख्या एचआर 69ई 9428 में सवार होकर वहलना चौक से शामली बाइपास रोड की ओर जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रही एक पिकअप वाहन ने तेज गति और लापरवाही से कार में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कृष्णवीर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही थाना खालापार पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल रहा।

पुलिस ने पिता की तहरीर के आधार पर अज्ञात पिकअप चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी चालक की तलाश में जुटी हुई है।

बिजलीघर पर कर्मचारी ने खुद को गोली मारी

सुसाइड नोट में लिखा फर्जी प्रमाणपत्र की शिकायत से था आहत

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। बिजलीघर पर तैनात एक कर्मचारी ने गोली मारकर आत्महत्याकर ली। आरोप हैकि कर्मचारी अनूसुचित जाति के फर्जी प्रमाण पत्र पर नौकरी कर रहा था शिकायत के नाम पर एक व्यक्ति द्वारा ब्लैकमेल किए जाने के कारण वह तनाव में था छोडे गए सुसाइड नोट में मृतक ने फर्जी प्रमाण पत्र पर नौकरी करने की बात स्वीकार की है।

तितावी थाना क्षेत्र के गांव मुकंदपुर स्थित बिजलीघर पर नसीरपुर निवासी शुभम पुत्र अनिल ने शनिवार की देर रात ड्यूटीके दौरान खुदको गोली मारकर आत्म हत्या कर ली। सूचना मिलते ही सूचना मिलते ही मौके पर लोगों का जमावडा लग गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने छानबीन शुरू की तो सामने आया कि बुढाना के एक व्यक्ति द्वारा अनूसुचित जाति के फर्जी प्रमाण पत्र पर नौकरी किए जाने की शिकायत की थी और मृतक को ब्लैक कर रहा था।

संत शिरोमणि रविदास की शोभायात्रा में झूमें श्रद्धालु

टाउनहाल में मंत्री कपिल देव व अनिल ने किया शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। संत शिरोमणि रविदास का जन्म उत्सव जनपद भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रसिद्ध बैण्ड व डीजे के साथ निकाली गई झाकियां आकर्षण का केन्द्र रही। शोभायात्रा में संत रविद. ास जी के अनुयायी भजन करते हुए उनके बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लेकर झूमते गाते हुए चल रहे थे।

रविवार को टाउन हाल से कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार व राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर शोभायात्रा का शुभरांभ कराया। यहां समाज के लोगों ने मंत्री अनिल कुमार व कपिल देव को पटका पहनाकर सम्मानित किया। कपिल देव व अनिल कुमार ने कहा कि संत रविदास महाराज ने जात-पात छुआ-छुत का विरोध कर ईश्वर के प्रति प्रेम व मानवता का जो संदेश दिया उसी रास्ते को हमे अपनाना चाहिए। शोभायात्रा टाउनहाल से शुरू होकर झांसी की रानी, शिवचौक, नावल्टी चौक, बकरा मार्किट चूंगी नम्बर, आबकारी रोड, भगत सिंह रोड, शिव चौक पर पहुंची संत शिरोमणि महसभा के अध्यक्ष राजकुमार सिद्धार्थ, महासचिव द्वीप चंद्र माटू, संरक्षक रजनीश गौतम, मीडिया प्रभारी विजय कैमरीक, उपाध्यक्ष नीरज कुमार, अश्वनी, रामनिवास, मास्टर सोमदत्त, सतीश, जितेन्द्र धीरयान, कीरण पाल, संजय जानिया, डॉक्टर मुकेश गौतम, कुलदीप कुमार, अमित गौतम, सुन्दर लाल, भुषण लाल, सुमित, रोहित, अंकित सागर, सुभाष देवभारती, भोरण लाल, बाबू सिंह, मुकेश, हर्ष कुमार, मोहित कुमार आदि का सहयोग रहा। इसी के साथ शहर के खादर वाला, कैशव पुरी, कृष्णापुरी, सिविल लाइन, गंगाराम पुरा से भी संत रविदास की शोभायात्रा निकाली गई।

डीजे की आवाज को लेकर दो पक्षों में हुआ विवाद

चरथावल। थाना चरथावल क्षेत्र के गांव घिससूखेड़ा में रविदास जयंती के दौरान दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना से क्षेत्र मे हड़कम्प मच गयास घटनास्थल पर आनन फानन मे पुलिस पहुंची बताते चले की रविदास जयंती के दौरान गांव मे यात्रा निकल रही थी यात्रा मे डीजे बज रहा था आरोप है की गांव के ही रहने वाले व्यक्तियों ने डीजे की आवाज को लेकर कुछ कह दिया जिसके बाद दोनों पक्षो मे कहासुनी हो गयी और कहासुनी के बाद यात्रा मे मौजूद कुछ युवकों ने दूसरे पक्ष के साथ मारपीट कर दी मारपीट मे दूसरे पक्ष को गंभीर चोट लग गयी मारपीट के शिकार पीड़ितों ने थाने पहुंचकर कार्यवाही की गुहार लगाते हुए आरोपियों पर कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है देर रात्रि तक थाने मे भारी भीड़ मौजूद थी और कुछ लोग फैसला कराने के लिए भी प्रयासरत थे।

संजीव की हत्या में महिला मित्र सहित साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के सरवट में विधवा गर्लफ्रेंड से मिलने आए युवक की हत्या कर शव नाले में फेंक दिया। बोरे में बंद शव मिलने के बाद पुलिस ने युवक के साथ आए उसके साथी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं, उसकी महिला मित्र किराए के मकान को छोड़कर फरार हो गई। पुलिस महिला की तलाश कर रही है। मामले में पुलिस ने महिला व उसके अज्ञात साथियों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। हत्या के खुलासे के लिए चार टीमों का गठन किया गया है।

पुरकाजी थाना क्षेत्र के गांव हरिनगर निवासी जीवन उर्फ संजीव अपने गांव के दोस्त दीपक के साथ शनिवार शाम को अपनी महिला मित्र सोनिया निवासी हरसौली से मिलने आया था।

सोनिया के पति की एक साल पहले मौत हो गयी थी। सोनिया ने तीन दिन पूर्व सरवट में मकान किराए पर लिया था। शनिवार को दीपक मकान के बाहर खड़ा हो गया, जबकि जीवन उर्फ संजीव सोनिया के साथ किराए के मकान में चला गया। काफी देर तक जीवन उर्फ संजीव के वापस न लौटने पर उसका साथी दीपक महिला के मकान पर पहुंचा तो महिला ने बताया कि जीवन काफी देर पहले चला गया था। तलाश करने के पश्चात दीपक गांव लौट गया।

रविवार को जीवन उर्फ संजीव का शव सरवट में एक नाले में बोरे में बंद पड़ा मिला।

उसके कान पर चोट के निशान थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शिनाख्त के बाद परिजनों से बातचीत की। उसके बाद पुलिस ने दीपक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसने पुलिस को बताया कि जीवन सोनिया से मिलने के लिए आया था। सीओ मंडी राजू कुमार साव का कहना कि जीवन उर्फ संजीव की हत्या कर शव को बोरे में बंद कर नाले में फेंका गया था। वहीं आरोपी महिला किराए का मकान खाली कर फरार हो गयी है। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर महिला व उसके अज्ञात साथियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मुजफ्फरनगर: रविदास शोभायात्रा का शुभारंभ करते मंत्री अनिल कुमार व कपिल देव।

मुजफ्फरनगर: रथ यात्रा पर सवार संत रविदास की झांकी।

वित्तमंत्री के बजट से कहीं खुशी तो कहीं गम

केन्द्र सरकार के वित्तीय बजट पर अलग-अलग प्रतिक्रिया से गर्माई राजनीति

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। केन्द्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने ग्यारह बडी योजनाओं की घोषणा करते हुए वित्तवर्ष 2026-27 का बजट पेश किया। जिसे विपक्षी दलों ने निराशा. जनक करार दिया तो वहीं सत्ता पक्ष के लोगों ने सरकार के इस बजट को आम लोगों को दोहरी राहत देने वाला बताते हुए कहा कि केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने यह नौ वां बजट पेश किया है जो आम लोगों को बड़ी राहत देने वाला है।

देश की कृषि और किसान बजट रामभरोसे:धमेन्द्र

भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के प्रवक्ता धर्मेन्द्र मलिक ने कहा कि वित्तमंत्री निर्मला सीतामरण द्वारा आम बजट पेश करते समय भारत के किसान और कृषि क्षेत्र को पूरी तरह से भूलाकर राम भरोसे छोड दिया है यह उपेक्षा, निराशाजनक से आगे बढ़कर अंन देखी करना वाला बजट साबित होगा। उन्होने कहा कि किसान की आय उत्पादन बढ़ाने से नहीं बल्कि फसलों के उचित मूल्य मिलने से बढ़ती है।

आर्थिक सर्वेक्षण में कृषि के लिए जो चिंताएं थी उनके समाधान का कोई रास्ता नहीं है। पिछले वर्षो में की है घोषणाओं का कोई लेखा जोखा बजट में नहीं बताया है। कृषि में कोई बड़े बदलाव का संकेत नहीं है भारत की कृषि अब राम भरोसे है। सरकार ने इसे पूरी तरह राम के भरोसे रख दिया है अब किसानों को सरकार से नहीं राम जी से ही उम्मीद है। हम प्रभु से उम्मीद करते है कि किसानों का कल्याण करेंगे।

आईआईए की ओर से प्रतिक्रिया

विकासोन्मुख बजट आर्थिक विकास और निवेश को प्राथमिकता, एमएमएमई के लिए राहत, टैक्स सरलीकरण और क्रेडिट सपोर्ट स्वागतयोग्य, ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस जीएसटी और टैक्स नियमों में स्पष्टता से उद्योगों को सुविधा, कैपिटल एक्सपेंडिचर में बढ़ोतरी इंफास्ट्रक्चर व मैन्युफैक्चरिंग को मजबूती, जीएसटी रिफंड प्रक्रिया आसान, निर्यातकों और एमएसएमई को तेज रिफंड का लाभ, क्रेडिट फ्लो पर फोकस, छोटे उद्योगों की कार्यशील पूंजी सशक्त, रोजगार और स्किल डेवलपमेंट, युवाओं के लिए नए अवसर, मेक इन इंडिया को बल, घरेलू उत्पादन और आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा, उद्योगों का विश्वास बढ़ाने वाला बजट, स्थिर और दीर्घकालिक दृष्टिकोण।

विकसित भारत बनाने के लिए भविष्य का बजट:विपुल

आईआईए के पूर्व चैयरमैन विपुल भटनागर ने कहा कि आज का बजट मेरी नजर में लघु उद्योग के लिए कुछ राहत वाला है। बजट में लघु उद्योग के लिए 10000 करोड़ के ग्रोथ फंड का प्रोविजन किया गया है व इनकम टैक्स के नए नियमों में भी सरलीकरण की बात है जो स्वागत योग्य है।

क्रेडिट गारंटी स्कीम के विस्तार से उद्योग में लोन की उपलब्धता आसान होगी। स्टार्टअप में स्किल डेवलपमेंट में रोजगार के अवसर बनेंगे। हालांकि छोटे उद्योग को त्वरित कोई टैक्स रहता या छूट नहीं मिली है परंतु जिस प्रकार इंफ्रास्ट्रक्चर,रेलवे व टेक्नोलॉजी के लिए बजट एलोकेशन किये गए है उसे विकास भी होगा रोजगार सृजन भी होगा सभी वर्ग को फायदा भी होगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश को एम्स मिलना व कई बड़ी योजनाओं के मिलने से नए रोजगार के अवसर इस क्षेत्र में होंगे। इनकम टैक्स स्लैब में बढ़ोतरी न होना हालांकि हमेशा निराशाजनक होता है परंतु नए नियमों में सरलीकरण बहुत स्वागत योग्य है। टेक्नोलॉजी को बढ़ाने के लिए बजट में जिस प्रकार से प्रोवि. जन किए हैं उसे भविष्य के भारत की मजबूत नींव रखी गई है। कुल मिलाकर यह एक विकसित भारत बनाने के लिए भविष्य का बजट है।

बजट वास्तव में दिशाहीन व निराशाजनक:पकंज

चरथाावल विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक पंकज मलिक ने कहा कि संसद में भाजपा सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया बजट, जिसे 'विकसित भारत' का बजट कहा जा रहा है, वास्तव में दिशाहीन, अपर्याप्त और घोर निराशाजनक है। यह बजट आमजन की वास्तविक आशाओं और उम्मीदों के बिल्कुल विपरीत है।

उन्होंने कहा कि भारत एक किसान और कृषि प्रधान देश है, इसके बावजूद बजट में किसानों, मजदूरों, श्रमिकों, पिछड़ों, वंचितों और महिलाओं के लिए कोई ठोस योजना नहीं दी गई है। ऐसा प्रतीत होता है कि किसान, मजदूर, युवा, पिछड़े, दलित और महिलाओं के हितों की अनदेखी कर यह बजट तैयार किया गया है। पंकज मलिक ने कहा कि जब बेरोजगारी और महंगाई चरम पर है, तब जनता सरकार से राहत की उम्मीद कर रही थी, लेकिन इस बजट से समाज का प्रत्येक वर्ग स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह बजट जनता की समस्याओं को नजरअंदाज कर कुछ चुनिंदा कॉर्पोरेट घरानों को लाभ पहुंचाने वाला है।

बजट में की गई किसानों की अनदेखी:संजीव तोमर

भारतीय किसान यूनियन तोमर के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर ने केंद्र सरकार के बजट को निराशाजनक बताया है। उन्होने कहा कि इस बजट में सरकार का पूरा ध्यान उद्योगपतियों को लाभ पहुँचाने पर रहा, जबकि देश के अन्नदाता को एक बार फिर हाशिए पर धकेल दिया गया है। फसलों और डैच पर चुप्पी चौधरी संजीव तोमर ने मुजफ्फरनगर में जारी एक बयान में कहा कि बजट भाषण में किसानों की फसलों के लाभकारी मूल्य को लेकर कोई ठोस चर्चा नहीं हुई। उन्होंने सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा, किसान लंबे समय से एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) गारंटी कानून की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने इस पर चुप्पी साधे रखी है। बिना कानूनी गारंटी के किसानों का शोषण जारी रहेगा। किसानों की बढ़ती लागत पर चिंता व्यक्त करते हुए भाकियू तोमर के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मांग की है कि: खेती में इस्तेमाल होने वाले खाद और बीज पर किसानों को कम से कम 50 प्रतिशत की छूट मिलनी चाहिए। बढ़ती महंगाई के अनुपात में ख्रषि उपकरणों और कीटनाशकों के दाम कम किए जाएं। ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई और बिजली की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष पैकेज दिया जाए ष्सरकार केवल कॉर्पोरेट घरानों को बढ़ावा दे रही है। यदि खाद-बीज सस्ता नहीं हुआ और फसलों के दाम तय नहीं हुए, तो किसान सड़कों पर उतरने को मजबूर होगा।

साधारण बजट:मित्तल

व्यापारी नेता और गुड खांडासारी एण्ड ग्रेन मर्चेट एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय मित्तल ने आज प्रस्तुत बजट को साधारण बताया है और कहा है कि बजट में व्यापारियों के लिए कुछ खास नहीं है। व्यापारियों की इच्छाओं को इस बजट में पर्याप्त सम्मान नहीं दिया गया। व्यापार संगठनो ने जो भी मांगे उठाई थी उन्हे नजर अंदाज किया गया। बड़े उद्यमी भले ही इस बजट को लेकर अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हो, लेकिन व्यापारियों के बीच बजट को लेकर कोई उत्साह नहीं है। उन्होने कहा कि आने वाले वर्षो में जो भी बजट लाए जाए उससे पहले व्यापार संगठनों की राए भी ली जानी चाहिए तभी सच्चे अर्थो में बजट हर वर्ग के लिए खुशी लाने वाला होगा। उन्होने इसे एक तरफा करार दिया।

बजट किसानों को निराश करने वाला:राकेश टिकैत

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने आम बजट पर अपनी गहरी निराशा व्यक्त की है। उनका कहना है कि किसानों को इस बजट से बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन उनकी अपेक्षाएं पूरी नहीं हुईं। टिकैत ने विशेष रूप से पहाड़ी राज्यों की कुछ फसलों के उल्लेख पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि अखरोट और चंदन जैसी विशिष्ट फसलों के किसानों को इससे कितना लाभ मिलेगा।टिकैत ने इस बात पर भी चिंता जताई कि किसानों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गारंटी कानून की प्रमुख मांग को बजट में शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने

कहा कि किसान सम्मान निधि को बढ़ाकर 12,000 रुपये किए जाने की उम्मीद थी, जो इस बजट में दिखाई नहीं दी। यह किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता होती, जिसकी कमी उन्हें खलेगी।भाकियू नेता ने बजट के प्रभावी होने पर संदेह व्यक्त करते हुए कहा कि भले ही दिल्ली के कागजों में यह बजट अच्छा लगे, लेकिन जमीनी हकीकत में इसका कितना असर होगा, यह देखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और उनके वास्तविक लाभों पर प्रश्नचिन्ह लगाया। **शिक्षा नीति पर भी उठाए सवाल** टिकैत ने बजट में निजी स्कूलों को बढ़ावा देने की बात पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि इससे सरकारी स्कूलों के बंद होने का खतरा बढ़ सकता है, जिसका सीधा और नकारात्मक प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों पर पड़ेगा। यह मुद्दा ग्रामीण शिक्षा प्रणाली की मजबूती को लेकर नई चिंताएं पैदा करता है।

सरकार ने सभी वर्गों के हितों का ध्यान रखा:अनिल

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के आम बजट को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला दूरदर्शी, संतु. लित और जनहितैषी बजट बताया है।

उन्होंने कहा कि इस बजट में किसान, गरीब, महिला, युवा, मध्यम वर्ग, एमएसएमई एवं उद्यमियों सहित समाज के सभी वर्गों के हितों का समुचित ध्यान रखा गया है। बजट के प्रावधान देश की आर्थिक मजबूती को नई दिशा देने वाले हैं। अनिल कुमार ने कहा कि इन्फास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सृजन के साथ-साथ डिजिटल और हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने वाले कदम आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को

और सशक्त करेंगे। उन्होंने ब्विास व्यक्त किया कि यह बजट उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा और भारत को आर्थिक रूप से और अधिक मजबूत बनाएगा।

रविदास जयंती पर हुआ गर्म हलवे का वितरण

बुढ़ाना। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा बुढाना के मंडल अध्यक्ष शिवम निमेष एडवोकेट ने रविवार के दिन बुढ़ाना कस्बे के होली चौक पर संत रविदास जी की जयंती के शुभ अवसर पर गरमा गरम हलवे का वितरण किया। इससे पूर्व शिवम निमेष एडवोकेट ने संत रविदास जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए पूजा अर्चना की और उनके पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरानघ यहां पर मुख्य रूप से अमित कुमार, राहुल कुमार, धारा सिंह, प्रवीण कुमार, सोनू कुमार, दीपक कुमार, रवि कुमार, अनिल कुमार और रोहित कुमार सहित अन्य युवकों की उपस्थिति देखने को मिली। इस दौरान प्रसाद के रूप में हलवा खाने वाले श्रदालुओ की काफी लंबी लाईन यहां पर लगी देखी गयी। सभी ने सर्दी में गरमा गरम हलवे का आनंद लिया।

परिचर्चा: बजट 2026 में किसानों और मजदूरों की उम्मीदों पर फिरा पानी

शाह टाइम्स सवांददाता, खतौली। केंद्र सरकार द्वारा संसद में पेश किए गए बजट 2026 को लेकर देशभर में बहस तेज हो गई है। खासतौर पर किसान और मजदूर संगठनों में बजट को लेकर गहरी नाराजगी देखने को मिल रही है। इसी क्रम में भारतीय किसान यूनियन और तासीर हसन ने बजट पर करारा प्रहार करते हुए इसे जनविरोधी और चुनावी छलावा करार दिया है।

परिचर्चा के दौरान भाकियू के एनसीआर जोनल महामंत्री सचिन चौधरी ने कहा कि बजट 2026 देश की जमीनी हकीकत से पूरी तरह कटा हुआ है। उन्होंने सवाल उठाया कि आर्थिक मंदी, बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहे देश के लिए यह बजट आखिर किस तरह राहत देने वाला है? सचिन चौधरी का कहना था कि जनता को इस बजट से बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन सरकार उन पर खरा उतरने में पूरी तरह विफल रही। परिचर्चा में बेरोजगारी और युवाओं के भविष्य का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। भाकियू नेता ने कहा कि युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने की बात तो की गई, लेकिन ठोस योजनाओं और जमीन पर असर डालने वाले प्रावधान नदारद हैं। इसी तरह महंगाई नियंत्रण को लेकर भी बजट में केवल

औपचारिक घोषणाएं ही दिखाई दीं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर चर्चा करते हुए सचिन चौधरी ने कहा कि गांवों में मजदूरी भुगतान का संकट लगातार गहराता जा रहा है। मनरेगा जैसी योजनाओं के लिए बजट बढ़ाने की बजाय सरकार ने आंखें मूंद ली हैं, जिससे ग्रामीण इलाकों में हालात और खराब होंगे। किसानों को फसल की लागत के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य, कर्ज माफी और बेहतर सिंचाई सुविधाओं की जो उम्मीद थी, वह भी बजट में पूरी नहीं हुई।

तासीर हसन ने चर्चा के दौरान किसानों की आत्महत्या जैसे गंभीर मुद्दे पर सरकार की चुप्पी पर भी सवाल उठाए गए। भाकियू नेता ने आरोप लगाया कि यह बजट खेत-खलिहान और मेहनतकश वर्ग के लिए नहीं, बल्कि कॉरपोरेट घरानों को लाभ पहुंचाने वाला बजट साबित हुआ है।

अंत में किसान नेताओं ने चेता. वनी देते हुए कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों से देश में आर्थिक असंतुलन बढ़ रहा है और हालात आर्थिक आपातकाल जैसे बनते जा रहे हैं। यदि सरकार ने समय रहते किसानों, मजदूरों और युवाओं की समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया, तो इसके गंभीर परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों की आवाज को मजबूती से उठाएगी और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन का रास्ता भी अपनाया जाएगा।

देश को निराशा की ओर धकेलने वाला बजट: त्यागी

बुढ़ाना। आज केंद्र सरकार द्वारा संसद में पेश किए गए आम बजट को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व जिला बार संघ मुजफ्फरनगर के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद त्यागी ने किसान, मजदूर व मध्यम वर्ग के साथ सीधा अन्याय बताते हुए कहा कि ये बजट देश की वास्तविक जरूरतों व आम जनता की उम्मीदों से पूरी तरह कटा हुआ है। किसानों, मजदूरों व छोटे व्यापारियों के लिए कुछ भी ठोस नहीं है। सरकार ने एक बार फिर किसान की आय, मजदूर की मजदूरी व मध्यम वर्ग की बढ़ती महंगाई की चिंता को नजर अंदाज किया है। बजट में न तो किसानों को उनकी लागत के अनुरुप राहत दी गई है और न ही मजदूर वर्ग के लिए रोजगार व सामाजिक सुरक्षा को लेकर कोई ठोस रोड मैप सामने आया है। मध्यम वर्ग जो लगातार महंगाई व टैक्स के बोझ से जूझ रहा है उसे भी इस बजट से कोई राहत नहीं मिली। ये बजट केवल आंकड़ों व घोषणाओं तक सीमित है जबकि जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। देश का आम आदमी बेहतर शिक्षा, सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं, रोजगार व स्थिर भविष्य की उम्मीद लेकर

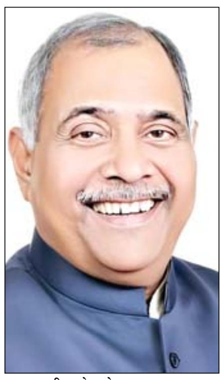

बजट की ओर देख रहा था मगर सरकार इन अपेक्षाओं पर पूरी तरह विफल साबित हुई है। ये बजट जनभावनाओं व जन आकांक्षाओं के अनुरुप नहीं है बल्कि कुछ चुनिंदा वर्गों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। भाजपा की केंद्र सरकार ने आम जनता की आवाज को अनसुना कर देश को निराशा की ओर धकेलने वाला बजट पेश किया है।

राष्ट्रीय लोकदल को मिला नया जिलाध्यक्ष: संजय राठी के मनोनयन पर खतौली में दिखा उत्साह

शाह टाइम्स सवांददाता खतौली। राष्ट्रीय लोकदल द्वारा युवाओं में लोकप्रिय, ऊर्जावान एवं कर्मठ नेता संजय राठी को मुज़फ्फरनगर का जिलाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर जनपदभर में हर्ष का माहौल है। पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। संजय राठी के जिलाध्यक्ष बनने की खुशी में रेलवे रोड, खतौली स्थित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ नेता चौधरी देवेंद्र उर्फ ढोलू ने अपने सहयोगियों के साथ लड्डू बांटकर खुशी का इजहार किया और शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया।

उन्होंने कहा कि संजय राठी लंबे समय से संगठन के लिए निष्ठा व समर्पण भाव से कार्य करते आ रहे हैं और उनके नेतृत्व में पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगी। कार्यक्रम में मौजूद नेताओं व कार्यकर्ताओं ने कहा कि संजय राठी की नियुक्ति से विशेष रूप से युवाओं में उत्साह बढ़ा है और आने वाले समय में

पार्टी जनपद में जनहित के मुद्दों को और मजबूती से उठाएगी। सभी ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन गांव-गांव तक मजबूत होगा और किसान, मजदूर तथा युवाओं की आवाज को और प्रभावी रूप से उठाया जाएगा।

इस अवसर पर किशन लाल साइकिल वाले, कपिल भाटी, सिरा. जुद्दीन, दीनू, अरुण कुमार, सोनव. ीर, अभी सैनी, निशांत, सुरेश कुमार सहित पिछड़ा समाज पार्टी के राजू सैनी 'भागीरथवशी' भी उपस्थित रहे। सभी ने संजय राठी को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

नमन मिस्टर फेयरवेल व अवनी बनी मिस फेयरवेल

जीपीएस पब्लिक स्कूल में हुआ शानदार आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता मोरना। जेपीएस पब्लिक स्कूल में रविवार को फेयरवेल पार्टी का आयोजन। जिसमें कक्षा 11 के विद्यार्थियों द्वारा कक्षा 12 के छात्रों को रंगारंग कार्यक्रम के बीच भावभीनी विदाई दी गई। जिसमें मिस्टर फेयरवेल नमन सहरावत व मिस फेयरवेल अवनी काकरान को चुना गया।

शुभारंभ कालेज की प्रबंधक मोहिनी शर्मा व प्रधानाचार्य राजन गौड ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। जिसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ रोचक व मनोरंजन खेलों का भी आयोजन हुआ। विद्यार्थियों ने प्रतिभाग कर जमकर लुत्फ उठाया। निर्णायक मंडल के आधार पर मिस्टर फेयरवेल नमन सहरावत, मिस फेयरवेल अवनी काकरान को चुना गया जबकि अवनी रायल को

बेस्ट डांसर तथा विराट को बेस्ट ओवरआल परफार्मर चुना गया। विद्यालय डायरेक्टर केके शर्मा व सार्थक शर्मा ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना दी।

जीडी गोयनका में 12वीं के विद्यार्थियों को भावभीनी विदाई

शाह टाइम्स संवाददाता मुजफ्फरनगर। जी. डी. गोयनका पब्लिक स्कूल, मुज़फ्फरनगर में कक्षा 12 के छात्र-छात्राओं के लिए विदाई समारोह गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। बोर्ड परीक्षाओं में विद्यार्थियों की सफलता की मंगलकामना के साथ विद्यालय परिसर में यज्ञ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक श्रीमान सचिन गोयल एवं प्रधानाचार्या डॉ. स्वाति शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

इस अवसर पर जूनियर छात्राओं ने सीनियर छात्र-छात्राओं को तिलक लगाकर उपहार भेंट किए। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नृत्य तथा शिक्षकों एवं छात्रों के प्रेरणादायी गीत समारोह के मुख्य आकर्षण रहे। समारोह के अंतर्गत विभिन्न श्रेणियों में विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मिस फेयरवेल अध्या अरोड़ा, मिस्टर फेयरवेल शुभव सिंह, मिस फैशन आइकन कृतिका, मिस्टर फैशन आइकन अक्षय त्यागी, मिस फोटोजेनिक नव्या जैन, मिस्टर फोटोजेनिक क्षितिज, मोस्ट लव्ड सीनियर (बॉय) आदित्य कुच्छल, मोस्ट लव्ड सीनियर (गर्ल) कव्वी जैन तथा मिस्टर एवं मिस ब्यूटीफुल स्माइल सिद्धार्थ एवं अनुश्री को सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रबंधिका मीना गोयल ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए अनुशासन, परिश्रम एवं राष्ट्र के विकास में योगदान को जीवन का उद्देश्य बनाने का संदेश दिया। वहीं विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. स्वाति शर्मा ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास एवं लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पण के साथ निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। समारोह के समापन अवसर पर विद्यालय की उपप्रधानाचार्या अंजली आनंद ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले प्रबंधन, शिक्षकगण, विद्यार्थियों एवं समस्त स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया तथा विद्यार्थियों से विद्यालय की मर्यादा, संस्कार एवं मूल्यों को जीवन भर बनाए रखने का आह्वान किया। समारोह भावनात्मक, प्रेरणादायी एवं स्मरणीय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

घेर में जा रही महिला के साथ की गई छेड़छाड़

बुढ़ाना। अपने घर से किसी काम के लिए घेर में जा रही एक महिला के साथ एक युवक द्वारा छेड़छाड़ करने की बात सामने आई है। अब इस मामले में बुढ़ाना पुलिस ने आरोपी और उसके पिता सहित चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार बुढ़ाना ब्लाक क्षेत्र की सफीपुर पट्टी के एक मौहल्ले की एक महिला अपने घर से किसी काम के लिए कुछ ही दूरी पर स्थित अपने घेर में जा रही थी। जहां रास्ते में अनस नाम के युवक ने महिला को अकेली देखकर छेडछाड की। जब महिला ने घेर में जाकर अपने ससुर को यह बात बताई तो ससुर ने अनस को भला बुरा कहा तो अनस ने ससुर के साथ गाली गलौच व हाथापाई तक की। अनस ने ससुर को यह भी धमकी दी कि यदि उसने पुलिस से शिकायत की तो वह उसे छोडेगा नही। कुछ देर बाद अनस और उसका पिता शमशाद दो अज्ञात लोगों के साथ उनको रास्ते में मिला तो चारों ने ससुर को रास्ते में रोक लिया और गंदी गालियां देकर बोले कि हम तुझे और तेरे परिवार को भी देख लेंगे। तू हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता। पीड़ित ससुर ने बुढ़ाना पुलिस को एक तहरीर देते हुए चारों आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की गुहार लगाई है। उधर बुढ़ाना पुलिस ने चारों आरो. पियों के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए फरार सब आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है।

अलीपुर अटेरना, बसी खुर्द, चंधेडी में पड़े ओले

मुजफ्फरनगर/बुढ़ाना। मुजफ्फरनगर सहित बुढ़ाना देहात क्षेत्र में भी शनिवार की रात एक बजे अचानक से मौसम ने करवट बदली। झमाझम बारिश शुरु हो गयी और ओले भी पड़े। चने के आकार के ओले गिरे। अचानक से हुई बारिश व ओलावृष्टि के कारण किसानों की भी चिंता बढ गई। खेतों में गेंहू और सरसों आदि फसलें खड़ी हुई हैं ऐसे में तेज बारिश व ओलों ने किसानों की मुसीबत बढ़ा दी। अर्ध रात्रि में करीब 1 बजे मौसम ने अचानक करवट लेते हुए किसानों की चिंता बढ़ाई। बुढ़ाना कस्बे व क्षेत्र में अर्धरात्रि में तेज हवा के साथ वर्षा शुरू हुई। जो 30 से 40 मिनट तक रही। कस्बा बुढ़ाना, गांव बसी खुर्द, गांव चंधेडी, गांव अलीपुर अटेरना में मोटे ओले गिरे। जिससे क्षेत्र के किसानों में परेशानी देखी गयी। कई मिनटों तक लगातार ओलावृष्टि होने से घरों के आंगन व सड़कों पर सफेद ओले कई घंटों तक जमीन पर पड़े रहे। लोगों ने मोटे ओलों के फोटो लेकर व शिव वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर खूब वारयल किए। ओलावृष्टि का अधिक असर गेहूं की फसल पर पड़ा है। खेतों में खड़ी फसल आड़ी पड़ गई। ऐसे में इस प्राकृतिक आपदा से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका बन गयी है। यदि मौसम साफ नही हुआ तो नुकसान और भी बढ़ सकता है। वर्षा और ओलावृष्टि के साथ चली तेज हवाओं के कारण बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई। कई जगह बिजली गुल रही। बुढ़ाना क्षेत्र के कुछ स्थानों पर पेड़ों की टहनियां व विद्युत तारों के टूटने की भी खबर है।

सभासद गुलफाम खान ने बनवाई सैंकड़ों वोट

बुढ़ाना। भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा विशेष प्रगाढ़ पुन निरीक्षण 2026 के तहत विशेष अभियान दिवस मे नगर पंचायत बुढ़ाना के वार्ड नंबर दस से सभासद गुलफाम खान ने वार्ड नंबर दस और वार्ड नंबर 12 में सैंकड़ों नई वोटें बनवाई। बताया जाता है कि बीते वर्ष नवम्बर माह से लेकर अब तक सभासद गुलफाम खान एसआईआर अभियान में वोट प्रहरी बनकर काम कर रहे हैं। जहां पर उन्होंने हजारों लोगों के एसआईआर फॉर्म भरने का काम किया तो वही अब वे अपने वार्ड नंबर दस और वार्ड नंबर 12 के ऐसे सैंकड़ों लोगों की वोट बनवा रहे हैं जो युवक और युवतियां अठारह वर्ष की हो चुकी हैं और काफी लोगो के फॉर्म नंबर आठ भी भर चुके हैं। जिनके नाम या पते सही नहीं हैं। सभासद गुलफाम खान ने इस संबंध में मीडिया को जानकारी देते हुए बतलाया कि आने वाले किसी भी चुनाव में किसी भी व्यक्ति को कोई भी परेशानी ना हो इसलिए वह इस काम में दिन रात लगे हुए हैं और इस काम में अपने वार्ड नंबर दस के बीएलओ आबाद कुरैशी एवं विनय कुमार का पूरा सहयोग कर रहे हैं। गौरतलब है कि सभासद गुलफाम अपने वार्ड में होने वाले विकास कार्यों में भी पूरा ध्यान दे रहे हैं।

शुकतीर्थ में माघी पूर्णिमा पर हजारों ने लगाई गंगा में डूबकी

मोरना। तीर्थ नगरी शुकतीर्थ में माघी पूर्णिमा पर दूर दराज क्षेत्रों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने पतित पावनी गंगाजी में डुबकी लगाई। इस दौरान नगरी में मेले जैसा माहौल रहा। हनुमद्धाम नक्षत्र वाटिका में दर्शन करने को श्रद्धालुओं की सबसे ज्यादा भीड़ रही। नगरी के गंगा घाट पर रविवार की सुबह ही माघी पूर्णिमा के स्नान करने को लेकर श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के बाद शुकदेव मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रसाद चढ़ाया। श्रद्धालुओं ने प्राचीन अक्षय वट वृक्ष की परिक्रमा कर धागा बांध कर परिवार की खुशहाली के लिए मनौती मांगी। कारगिल बलिदानी स्मारक व ब्रह्मलीन स्वामी कल्याण देव महाराज की समाधि पर भी श्रद्धालुओं ने पुष्प अर्पित कर शत शत नमन किया। श्रद्धालुओं ने हनुमद्धाम, गणेश धाम, शिव धाम, दुर्गा धाम, मां पीतांबरा धाम, श्री गंगा मंदिर, दंडी आश्रम, अखंड धाम, मानव निर्माण योग आश्रम, महाशक्ति सिद्ध पीठ आदि मंदिरों में पूजा अर्चना कर श्रद्धा पूर्वक प्रसाद चढ़ाया। इसके अलावा खिचड़ी वाले बाबा का आश्रम, उदासीन निर्वाण आश्रम, रविदास आश्रम आदि में कार्यक्रम किए गए।

पूर्व विधायक ने अल्ट्रासाउंड सेंटर का किया उद्घाटन

जानसठ। तहसील जानसठ ढांसरी गेट के पास पूर्व विधायक ने रॉयल अल्ट्रासाउंड सेंटर की ओपनिंग की जिसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व विधायक ठाकुर संगीत सोम, चेयरमैन जानसठ डॉ आबिद हुसैन, सभासद मोहम्मद अहसान, बाबर अंसारी, धर्मेश सैनी, सुशील कुमार ने फीता काटकर उद्घाटन किया। पूर्व विधायक ठाकुर संगीत सोम ने कहा कि अल्ट्रासाउंड सेंटर खुलने से क्षेत्र के लोगों को काफी सहूलियत होगी, चेयरमैन डॉ आबिद हुसैन ने कहा कि अब जानसठ व आस-पास के गांवों के नागरिकों को अल्ट्रासाउंड जांच के लिए शहर का रुख नहीं करना पड़ेगा। समय पर जांच होने से रोगों की समय रहते पहचान और इलाज संभव होगा, डॉ. मौ. सलीम ने कहा कि अल्ट्रासाउंड सेंटर खोलने का मुख्य उद्देश्य जनता की सेवा करना है केंद्र पर नवीन तकनीकी युक्त मशीनों एवं डिग्री धारक चिकित्सकों द्वारा अल्ट्रासाउंड उचित फीस पर किया जायेगा। अल्ट्रासाउंड सेंटर प्रोपराइटर डॉ. मौ.सलीम ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने बताया की आने वाले प्रत्येक मरीज को सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।नियमानुसार अल्ट्रासाऊंड फीस पर छूट प्रदान की जाएगी। इस दौरान मुख्य रूप से पूर्व विधायक ठाकुर संगीत सोम, चेयरमैन डॉ. आबिद हुसैन, सभासद मोहम्मद अहसान, बाबर अंसारी, सुशील कुमार, धर्मेश सैनी, मौलाना अब्दुर्रहमान, डॉ. ज्योति बालियान, डॉ. मौ.सलीम, डॉ. सदाकत अली, एहसान टेलर्स, एड. मौ.आरिफ, मौ.असलम,आशू कुरैशी, सिकन्दर जैदी सहित क्षेत्र के डॉक्टर, आशा, एनएम मौजूद रहे।

ब्रह्मकुमारीज ने धूमधाम से मनाया 90वॉ शिवरात्रि महोत्सव

मुजफ्फरनगर। आज सहारनपुर जनपद के देवबंद विधानसभा के ननौता ब्लॉक स्थित मुश्कीपुर बड़गांव में ब्रह्मकुमारीज ने नव दशकोत्सव 90 वी त्रिमूर्ति शिवरात्रि महोत्सव का बड़ी ही धूमधाम से आयोजन किया स कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुभाष चौहान मुख्य अतिथि रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता बिजनौर से आई बहन सुदेशा ब्रह्म कुमारी ने की एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजपाल सिंह पुंडीर जिला पंचायत सदस्य डॉ विपिन त्यागी हिंदूवादी नेता अखिल भारतीय हिंदू शक्ति दल के राष्ट्रीय महासचिव अरुण प्रताप सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

सभी अतिथियों का तिलक एवं बैज लगाकर सम्मान किया गया। सुभाष चौहान ने ब्रह्मकुमारी द्वारा जनकल्याण के चलाए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की उन्होंने बताया कि आज ब्रह्म कुमारी पूरे संसार में कार्य कर रहे हैं पूरे संसार में इनके एक सौ दस देश में आठ हज़ार से अधिक संस्थाएं हैं एवं दस लाख से अधिक ब्रह्मकुमारी कार्यकर्ता मौजूद हैं स सभी कार्यकर्ता पूरे संसार में जन कल्याण का कार्य कर रहे हैं।

इस अवसर पर आज के कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही बहन सुदेश में उपस्थित सभी लोगों से अपनी सनातन संस्कृति को बढ़ावा देने का आवाहन कर उन्होंने कहा की हमारी सनातन संस्कृति बची रहेगी तो देश सुरक्षित रहेगा।

उन्होंने कहा कि हमें अपनी युवा पीढ़ी को अपने भगवानों के बारे में अपने रिश्तों के बारे में एवं संस्कृति के बारे में अवश्य अवगत कराते रहना चाहिए उन्होंने युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहने के लिए भी आवाहन किया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी किसान मोर्चे के पदाधिकारी एवं क्षेत्र के अन्य गण मान्य व्यक्ति सैकड़ो की संख्या में मौजूद रहे।

प्रगतिशील किसान ने किया एजेंसी का उद्घाटन

बुढ़ाना। युवा प्रगतिशील किसान और भारतीय किसान यूनियन के न्याय पंचायत अध्यक्ष तैमूर अली राणा मंदवाडा ने रविवार के दिन कस्बा बुढ़ाना के खतौली मोड़ से पहले ही गुडविन हास्पिटल के सामने मुजफ्फरनगर रोड पर स्थित अमन इलैक्ट्रिक स्कूटर एजेंसी का अपने कर कमलों के द्वारा सैंकड़ों गणमान्य लोगों की गरिमामयी मौजूदगी में लाल रंग का फीता कैंची से काटकर उद्घाटन किया।

इस दौरान यहां पर मुख्य रूप से जुल्फिकार ठेकेदार, इस्तकार ठेकेदार, मुजम्मिल ठेकेदार, उस्मान ठेकेदार, जियाउल राणा, सद्दाम राणा, आसिफ मास्टर और शादाब अहमद सहित अन्य कई गणमान्य लोगों की भी मौजूदगी रही। यहां पर सभी को मिष्ठान का भी वितरण किया गया।

बारिश से गिरा गरीब का आशियाना

चरथावल। क्षेत्र के ग्राम लुहारी खुर्द में रात में हुई बारिश के चलते गरीब का मकान भर भरा कर गिरा मकान गिरने से गरीब को गहरा झटका लगा और गनीमत रही की कोई जंनहानि नहीं हुई

बताते चले चरथावल थाना क्षेत्र के ग्राम लुहारी खुर्द में उसे समय अफरा तफरी मच गई जब रात के समय भारी बारिश और ओलावृष्टि के कारण गरीब मुकेश पुत्र इंद्रजीत निवासी लुहारी का मकान भर भरा कर गिर गया।

मकान गिरने से मुकेश और उसके परिवार ने भाग कर बचाई जान मगर कच्ची छत और दीवारें गिरने से मकान के अंदर रखा हजारों का सामान मिटी में मिल गया अब मुकेश और उसका परिवार खुले में रहने को हुआ मजबूर है और मुकेश ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाते हुए अपना मकान बनाने की मांग की है जिससे की उसके परिवार को छत नसीब हो सके।

नाम परिवर्तन सूचना

मेरे पुराने पासपोर्ट सं. R-3103642 में त्रुटिवश मेरे पिता का नाम MOHAMMAD YASIN व माता का नाम JAMEELA BEGUM दर्ज हो गया है, जबकि पिता का सही नाम YASEEN व माता का सही नाम JAMEELA है। भविष्य में भी इन्हे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए।

MOHAMMAD MAZBUL S/O YASEEN
R/O-62 BAJHERI
MUZAFFARNAGAR

नाम परिवर्तन सूचना

मेरे पुराने पासपोर्ट सं. P-6306680 में त्रुटिवश मेरे पिता का नाम MOHAMMAD YASIN व माता का नाम JAMILA दर्ज हो गया है, जबकि पिता का सही नाम YASEEN व माता का सही नाम JAMEELA है। भविष्य में भी इन्हे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए।

MOHAMMAD SABUL S/O YASEEN
R/O-62 BAJHERI
MUZAFFARNAGAR

नाम परिवर्तन सूचना

मेरे पुराने पासपोर्ट सं. AK060418 में त्रुटिवश मेरे पिता का नाम MOHAMMAD YASEEN व माता का नाम MUSAMMAT JAMEELA दर्ज हो गया है, जबकि पिता का सही नाम YASEEN व माता का सही नाम JAMEELA है। भविष्य में भी इन्हे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए।

MOHAMMAD AABUL S/O YASEEN
R/O-62 BAJHERI
MUZAFFARNAGAR

युवक को मारपीट कर किया घायल, मुकदमा दर्ज

जौली गांव में बस स्टैण्ड पर मारपीटाई से मची अफरा तफरी

शाह टाइम्स संवाददाता भोपा। जौली गांव मे शनिवार की देर शाम बस स्टेण्ड पर युवक के साथ मारपीट का मामला प्रकाश मे आया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव जौली निवासी सलमान ने पुलिस से शिकायत कर बताया की रविवार की रात 11 बजे वह गांव मे एक व्यक्ति के घर गया था।

वहां गांव के ही आधा दर्जन युवक मौजूद थे जो अकारण ही उससे रंजिश रखते हैं।

आरोपियों ने दबंगई दिखाते हुए गाली गलौज करनी शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ लाठी डंडो व बेल्ट से वार कर मारपीट की जिसमे पीड़ित सलमान घायल हो गया।

पीड़ित की तहरीर के आधार पुलिस ने आसिफ, शबी अब्बास, क़लबे अब्बास, हुसैन अब्बास व अली के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

विराट हिंदू सम्मेलन में गरजे विक्रम सैनी

शाह टाइम्स संवाददाता खतौली। नगर में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन के दौरान भाजपा के चर्चित पूर्व विधायक विक्रम सिंह सैनी ने मंच से विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने यूजीसी सहित कई राष्ट्रीय मुद्दों पर अपनी बात रखते हुए भीम आर्मी प्रमुख एवं आज़ाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आज़ाद को सीधे निशाने पर लिया। विक्रम सैनी ने कहा कि चंद्रशेखर को बार-बार सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करने के बजाय बांग्लादेश की सीमा पर जाकर वहां दलित हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। उन्होंने मंच से कहा, हअगर चंद्रशेखर बांग्लादेश सीमा तक पैदल चलने को तैयार हैं, तो हम भी उनके साथ चलने को तैयार हैं। वहां रोज़ दलित हिंदुओं का उत्पीड़न और कत्लेआम हो रहा है, लेकिन इस पर तथाकथित नेता चुप हैं।ह पूर्व विधायक ने कहा कि बांग्लादेश में पीड़ित दलित हिंदू भारत की ही सांस्कृतिक धारा से जुड़े हुए हैं और उन्हें हिंदू समाज का हिस्सा माना जाना चाहिए। उन्होंने इसे भारत से जुड़े अंत. रराष्ट्रीय सरोकार का विषय बताते हुए नेताओं से इस मुद्दे को वैश्विक मंच पर उठाने की मांग की। विक्रम सैनी ने आंदोलनों की राजनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि बार-बार सड़कों पर उतरना देश को कमजोर करता है। आज जरूरत देश को मजबूत करने की है। भारत तभी आगे बढ़ेगा जब सभी वर्ग एकजुट होकर राष्ट्रहित में सोचेंगे, उन्होंने कहा। जातिवाद पर कड़ा प्रहार करते हुए सैनी ने कहा कि समाज की आपसी विभाजन की प्रवृत्ति के कारण ही देश को लगभग 800 वर्षों तक गुलामी झेलनी पड़ी। उन्होंने कहा कि जातियों में बंटे रहने का लाभ पहले मुगलों और फिर अंग्रेजों ने उठाया। हअगर उस समय समाज एकजुट होता, तो गुलामी का दौर

इतना लंबा नहीं चलता, उन्होंने जोड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि मुसलमानों के पूर्वज भी हिंदू समाज से ही निकले हैं और अब समय आ गया है कि जाति और मजहब की सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्र निर्माण के बारे में सोचा जाए। उन्होंने देश की एकता और अखंडता को सर्वोपरि बताते हुए सभी वर्गों से राष्ट्रहित में योगदान देने का आह्वान किया। सम्मेलन के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी और समाजसेवी मौजूद रहे। विक्रम सैनी के तीखे बयानों पर सभागार तालियों और जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं ने भी हिंदू समाज की एकता, सामाजिक समरसता और राष्ट्रहित के विषयों पर अपने विचार रखे।

खतौली में होगा आर्यिका पूर्णमति माताजी का भव्य मंगल प्रवेश

जैन समाज ने शुरू की तैयारियां

शाह टाइम्स सवांददाता खतौली। जैन धर्म की महान परंपरा को आगे बढ़ाने वाली, आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी मुनिराज की परम प्रभावक शिष्या, उच्च कोटि की लेखिका, स्वर कोकिला एवं कवियित्री आर्यिका श्री 105 पूर्णमति माताजी का ससंघ भव्य मंगल प्रवेश शीघ्र ही खतौली की पावन धरा पर होने जा रहा है। इस शुभ अवसर को लेकर सकल जैन समाज में विशेष उत्साह एवं श्रद्धा का वातावरण है।

आर्यिका माताजी का विहार हस्तिनापुर से रविवार, 1 फरवरी को प्रातः 11:30 बजे बड़े मंदिर से खतौली के लिए प्रारंभ हुआ। विहार के दौरान माताजी सत्संग में बेसुंबा पहुंचीं, जहां उन्होंने जैन मंदिर के दर्शन किए। इसके उपरांत माताजी का एससीएस अकैडमी में रात्रि विश्राम रहेगा। सकल जैन समाज द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 2 फरवरी की सुबह माताजी ससंघ गांव तिसंग के लिए प्रस्थान करेंगी, जबकि खतौली में उनका अनुमा. नित मंगल प्रवेश 3 फरवरी को प्रस्तावित है।

प्रवेश से संबंधित विस्तृत कार्यक्रम एवं समय की सूचना शीघ्र ही सभी धर्मप्रेमी बंधुओं को प्रेषित की जाएगी। इस मंगल अवसर के आयोजन की जिम्मेदारी सकल जैन समाज (रजि.) खतौली द्वारा निभाई जा रही है। समाज के पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं ने अधिक से अधिक संख्या में धर्मप्रेमी बंधुओं से इस ऐतिहासिक एवं पुण्य अवसर में सहभागिता करने की अपील की है। जानकारी देने वालों में सकल जैन समाज से अध्यक्ष सुशील कुमार जैन, सुनील जैन गैस वाले, महामंत्री संजय जैन, कोषाध्यक्ष अरुण कुमार जैन, सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य माताजी के ससंघ विहार में सहभागिता कर रहे हैं।

सकौती हाईवे पर मातमः हरिओम टंडन समेत दो की सड़क हादसे में मौत

पदयात्रा के दौरान अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, पत्नी व मासूम बच्चा गंभीर घायल

शाह टाइम्स सवांददाता

खतौली। रविवार को सकौती हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे ने पूरे खतौली क्षेत्र को शोक में डुबो दिया। इस दर्दनाक दुर्घटना में खतौली की पुरानी सब्जी मंडी, शिवपुरी निवासी वरिष्ठ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) स्वयंसेवक एवं भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता हरिओम टंडन की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि एक अन्य महिला ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में हरिओम टंडन की पत्नी और उनका मासूम बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हरिओम टंडन अपनी पत्नी, बच्चे और पड़ोस में रहने वाली सरला पत्नी राजेंद्र शर्मा के साथ सकौती स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल नंगली साहब मंदिर में आयोजित शोभायात्रा में सम्मिलित होने के लिए पदयात्रा कर रहे थे। जैसे ही उनका समूह सकौती हाईवे पर पहुंचा, पीछे से आ रहे एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने चारों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हरिओम टंडन ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि सरला, टंडन की पत्नी और बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर सकौती पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायलों को दौराला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने सरला को मृत घोषित कर दिया, जबकि हरिओम टंडन की पत्नी और बच्चे का उपचार जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही भाजपा और आरएसएस से जुड़े कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई। संगठन से जुड़े लोगों ने हरिओम टंडन के निधन को संघ और समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया। इसी क्रम में खतौली में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन के दौरान मंच से दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और दो मिनट का मौन रखकर आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।उधर पुलिस ने अज्ञात वाहन की तलाश तेज कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए सकौती हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

उन्नीस साल बाद जन्मे जुड़वा बच्चों का नामकरण, टिकैत ने दिया आशीर्वाद

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहपुर। क्षेत्र के गांव किनौनी में एक्सपर्ट एकेडमी शाहपुर के प्रबंधक प्रवीन्द कुमार के आह्वान पर प्रोफेसर डॉ गौरव बालियान के निमंत्रण पर उनके यहां 19 वर्ष पश्चात जन्मे जुड़वा बच्चों का नामकरण करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत ने बालक का नाम रघुराज बालियान व बालिका का नाम राधा रखा और उनको आशीर्वाद प्रदान किया। आज पूरे परिवार व रिश्तेदारों में हर्षोल्लास का माहौल था। डॉ., गौरव बालियान की पत्नी नीतू सिंह, पिता डॉ. सुरेश पाल सिंह, माता डॉ सुभद्रा सिंह, बहन डॉ. गरिमा चौधरी, मास्टर प्रमोद कुमार जी, चौधरी यशपाल सिंह, चौधरी देवेंद्र, चौधरी पवन सिंह बालियान व समस्त ग्रामवासियों, रिश्तेदारों व प्रियजनों ने अपना आशीर्वाद दोनों नवजात बच्चों को देकर गौरव के गरिमा स्वरूप अभिनंदन का आदर सत्कार स्वीकार किया।

रोटरी क्लब खतौली की सराहनीय पहल

खतौली। रविवार को रोटरी क्लब खतौली की ओर से जी.टी. रोड स्थित जीत नर्सिंग होम में एक भव्य निरूशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने विभिन्न रोगों की जांच कर मरीजों को आवश्यक परामर्श प्रदान किया। शिविर के दौरान वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एम.के. त्यागी ने करीब 200 मरीजों का नि:शुल्क परीक्षण किया। सभी मरीजों की ईसीजी जांच भी पूरी तरह मुफ्त की गई।

महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. शिफाली अग्रवाल ने लगभग 75 महिलाओं की जांच करते हुए उनके रक्त परीक्षण भी नि:शुल्क कराए। रेडियोलॉजिस्ट डॉ. नवजोत त्यागी (एमडी रेडियो) द्वारा 50 से अधिक मरीजों के एक्स-रे किए गए तथा आवश्यकता अनुसार सीटी स्कैन व एमआरआई की सलाह दी गई। वहीं डॉ. आयुषी त्यागी ने फिजियोथेरेपी से जुड़ा परामर्श देकर मरीजों को लाभान्वित किया। शिवम पैथोलॉजी लैब ने 200 मरीजों के रक्त परीक्षण भी निरूशुल्क किए गए, कार्यक्रम की सफलता में राजू, मोहित, आकाश, अंकित, प्रिया, वर्षा, सागर एवं शम्भू ऋषिपाल का विशेष योगदान रहा।

संक्षिप्त समाचार

स्वामी आनंद वेश ने आर्य समाज के प्रचार-प्रसार में जीवन लगाया

मोरना। मुजफ्फरनगर तीर्थ नगरी शुकतीर्थ स्थित गुरुकुल आश्रम में रविवार को ब्रहमलीन स्वामी आनंद वेश महाराज की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें दूर दराज से आए संतों व उनके अनुयायियों ने उनको नमन किया। इस दौरान भंडारे का भी आयोजन किया गया। जिसमें प्रसाद वितरण किया गया।

सभा में सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के राष्ट्रीय प्रधान स्वामी आर्यवेश महाराज ने कहा कि स्वामी आंनद वेश ने शुकतीर्थ धाम में ऋषि दयानन्द के सिद्धांतों और समाज सुधार कार्यो को स्थापित किया। गुरुकुल झज्जर से निकलने के बाद उन्होंने वेस्ट यूपी में आर्य समाज के प्रचार-प्रसार में जीवन लगाया। सभा में स्वामी प्रणवानंद महाराज ने कहा कि स्वामी आनंद वेश महाराज ने जहां जीवन भर योग एवं आर्य समाज का प्रचार प्रसार किया है वही, नगरी में गुरुकुल की स्थापना कर संस्कृत के विद्वान बनाए है। जिसमें निरंतर देश भर के बच्चें संस्कृत की शिक्षा ग्रहण करते रहेगे। सभा में स्वामी चंद्रदेव महाराज ने कहा कि स्वामी आनंद वेश महाराज के द्वारा अनेक पुस्तकें लिखी गई है जिनके संदेश को जन जन तक पहुंचाना चाहिए। सभा को हनुमतधाम के महामंडलेश्वर स्वामी केशवानंद महाराज,स्वामी गीतानंद महाराज, उत्तराखंड किसान यूनियन के अध्यक्ष विजय कुमार, स्वामी आदित्यवेश महाराज, पूर्व चेयरमैन मदन पाल, कुंवर देवराज पंवार, जिला सहकारी बैक के पूर्व डायरेक्टर प्रकाशवीर सिंह, वेदवीर सिंह, आचार्य इंद्रपाल आर्य, प्रेमशंकर मिश्रा ने संबोधित कर उनके कार्यो की प्रशंसा की। सभा में सोमवीर सिंह आर्य, श्रद्धानंद, सतीश, ओमदत्त आर्य, सतवीर, सहदेव राठी, तेजपाल मौजूद रहे।

पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज में वार्षिक समारोह

भोपा। क्षेत्र के गांव सिकंदरपुर मे स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज मे वार्षिक उत्सव 'अंकुरण' एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति छात्र छात्राओं द्वारा दी गयी।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राजेंद्र सैनी गांधी पॉलिटेक्निक, एवं प्रधानाचार्या शिवानी द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम मे छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। विशेष रूप से छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक में मोबाइल फोन के दुष्प्रभावों को उजागर करते हुए एक सार्थक सामाजिक संदेश दिया गया।समाज शास्त्र छात्रा शहनाज़ ने विद्यालय की वार्षिक गति. विधि एवं प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

मुख्य अतिथि राजेंद्र सैनी एवं प्रधानाचार्या शिवानी ने गत वर्ष बोर्ड परीक्षाओं, वार्षिक गृह परीक्षाओं, इको क्लब, विज्ञान एवं गणित क्लब, खेल तथा सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल एवं पुरस्कार प्रदान किए। मुख्य अतिथि राजेंद्र सैनी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए रुचि एवं योग्यता के अनुसार विषय चयन के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रधानाचार्या शिवानी ने अनुशासन, कला एवं संस्कृति के महत्व को रेखांकित कर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में कु.संजू , सतेंद्र कुमार सहायक अध्यापक, गुल मोहम्मद व्यावसायिक शिक्षक, ने आगामी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। संचालन प्रतिमा सिंह ने सफलतापूर्वक निभाया। इस अवसर पर राहुल पाल, विजय कुमार, हिमांशु सहित , राज सिंह, अभिषेक कुमार, लता, कृष आदि उपस्थित रहे।

नील गाय ने यात्रियों से भरी ई-रिक्शा में टक्कर मारी

शाह टाइम्स संवाददाता

बुढ़ाना। अचानक से खेतों से निकली एक नील गाय ने सवारियों को उनके गंतव्य तक लेकर जा रही एक ई रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे ई रिक्शा पलट गयी और चालक और ई-रिक्शा में सवार सभी सवारियां घायल हो गयी। मिली जानकारी के अनुसार बीती शनिवार की रात पप्पू निवासी गांव बिटावदा अपनी ई-रिक्शा में सवारियां लेकर बुढ़ाना कस्बे से अपने गांव बिटावदा जा रहा था। जब वह बायवाला पुलिस चौकी के समीप बड़ौत मार्ग पर आया तो अचानक से खेतों से निकली एक नील गाय ने ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मारकर पलट दिया और दूसरी तरफ खेतों की और चली गयी। उधर नील गाय की टक्कर से ई-रिक्शा पलट गई। ई-रिक्शा में सवार आधा दर्जन यात्री और चालक पप्पू घायल हो गया। आते जाते लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची बुढ़ाना पुलिस ने सभी घायलों को हस्पताल पहुंचाया और उनके परिजनों को फोन कर घटना की जानकारी दी। घायल पप्पू की हालत गंभीर होने पर ई-रिक्शा चालक पप्पू को यहां के चिकित्सकों ने मुजफ्फरनगर जिले के लिए रैफर कर दिया। वहीं दूसरी और ई-रिक्शा का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

विराट हिंदू सम्मेलन में एकता और समरसता का दिया संदेश

शाह टाइम्स सवांददाता

खतौली। नगर के आर्यन बैंकट हॉल में रविवार को सकल हिंदू समाज के तत्वावधान में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बनकर उभरा। सम्मेलन में संत-महात्माओं, समाजसेवियों, बुद्धिजीवियों और विभिन्न वर्गों के नागरिकों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज को एक सूत्र में बांधते हुए राष्ट्रहित के लिए संगठित होने का संदेश देना था।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर मैत्रेयी गिरी जी महाराज ने कहा कि हिंदू समाज की मजबूती उसकी एकजुटता में निहित है। उन्होंने सामाजिक भेदभाव को त्यागकर सनातन संस्कृति की रक्षा हेतु सामूहिक

प्रयासों पर जोर दिया। संतों एवं अन्य वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए कहा कि जब समाज का हर वर्ग साथ चलता है, तभी राष्ट्र प्रगति के पथ पर अग्रसर होता है। सम्मेलन के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े कार्यकर्ताओं द्वारा समाज के वरिष्ठ नागरिकों और समर्पित समाजसेवियों को पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने उनके योगदान को अनुकरणीय बताते हुए युवाओं से सेवा, संस्कार और समर्पण के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सम्मेलन को विशेष बना दिया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीतों और झांसी की रानी पर आधारित नाटिका ने उपस्थित जनसमूह को भावनात्मक रूप से जोड़ दिया। कार्यक्रम का समापन हिंदू समाज एक हो के गगनभेदी नारों और सामाजिक एकता, सांस्कृतिक चेतना तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष वैभव जैन, मंच संच. ालक चंद्रमोहन शर्मा, पूर्व विधायक विक्रम सैनी, जिला कार्यवाहक आरएसएस संजय लाखन, मंडल अध्यक्ष प्रवीण ठकराल, डॉ. संगीता चौधरी, संजीव शर्मा, विकास मोतला, अभय जैन, पंकज भटनागर, अमित त्यागी, सीताराम भगत, प्रभात अग्रवाल, राजपाल सिंह पुंडीर, निर्मल जैन, संजीव मिश्रा, देवदत्त पंडित, दीनदयाल शर्मा, संजय गोस्वामी, चंद्रपाल राजपूत, विमल देवी, प्रदीप शर्मा, सरमिष्टा शर्मा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया रविदास जन्मोत्सव

शाहपुर। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के 649वें जन्मोत्सव के अवसर पर नगर में श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस मौके पर आयोजित भक्तिमय जागरण और भव्य शोभायात्र में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। पूरे नगर का माहौल भक्तिरस से सराबोर रहा। जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित जागरण का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ प्रमुख समाजसेवी एवं भाजपा नेता अरविंद पाल ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम में समाजवादी शिक्षक सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष डक्क सत्येंद्र पाल ने दीप प्रज्वलित किया। वहीं पूर्व जिला अध्यक्ष श्यामलाल बच्ची सैनी ने गुरु रविदास जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा अर्पित की। इसके पश्चात नगर में भव्य शोभायात्र निकाली गई, जिसका उद्घाटन पूर्व चेयरमैन प्रमेश सैनी ने फीता काटकर किया। शोभायात्र के दौरान भाजपा नेता उमेश मित्तल द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया, जबकि विजय सैनी, कपिल सैनी, मुकेश सैनी और सोनू नामदेव ने माल्यार्पण किया। बैंड-बाजों की मधुर धुनों और गुरु रविदास के जीवन दर्शन पर आधारित आकर्षक झांकियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर शोभायात्र का स्वागत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति का विशेष योगदान रहा। समिति के अध्यक्ष मास्टर चतुर्वेदी जी रहे। कार्यक्रम में सभासद पति रेनू कुमार, परविंदर कुमार, डक्क सचिन कुड़िया, सुधीर कटारिया, कर्मवीर सिंह, अभिषेक सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बुढ़ानाः बुढ़ाना में रविदास जन्मोत्सव पर डॉक्टर सोनू कश्यप को किया गया सम्मानित।

निर्विका फाउंडेशन ने स्थापना दिवस पर जगाई शिक्षा की अलख

शाह टाइम्स संवाददाता

बुढ़ाना। नगर पंचायत बुढ़ाना के सभागार में रविवार को एनजीओ निर्विका फाउंडेशन के स्थापना दिवस पर शिक्षा सहयोग कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें नगर पंचायत बुढ़ाना की अध्यक्षा उमा त्यागी व बुढ़ाना महिला थाना प्रभारी सुमन शर्मा अतिथि रही। संस्था निर्विका फाउंडेशन बुढ़ाना ने प्रथम स्थापना दिवस कार्यक्रम में कक्षा 9 की मेधावी छात्रा कशिश की पढ़ाई का दायित्व उठाने की घोषणा की। संस्था छात्रा की स्कूल फीस के साथ अन्य आवश्यक शैक्षणिक खर्चो का भी वहन करेगी। यहां संसाधन विहीन छात्राओं में गुंजन, छात्रा दिवांशी, छात्र उजैफ, छात्र फैजान, छात्रा सलोनी और छात्रा अनन्या आदि छात्र छात्राओं को स्कूल बैग, जूते, स्टेशनरी और इलेक्ट्रोनिक राइटिंग पैड आदि शैक्षणिक सामग्री

वितरित की गई। नगर पंचायत बुढ़ाना की अध्यक्षा उमा त्यागी ने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समाज में शिक्षा के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए इस प्रकार की पहल आवश्यक है। संस्था की उपाध्यक्षा ऊषा राठी ने बताया कि संस्था का प्रयास हर उस बच्चे की मदद करना है जो आगे बढ़ने की इच्छा और क्षमता रखता है। शिक्षा को सम्मान और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ाने का यह प्रयास निरंतर जारी रहेगा। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका पूनम शर्मा ने किया। यहां पर मुख्य रूप से संस्था अध्यक्ष दीपक राठी, समाजसेविका संतोष देवी, अंकुर त्यागी व अरुण कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

देहात क्षेत्रों में संत शिरोमणि रविदास जन्मोत्सव पर दिखा अपार उत्साह

शाह टाइम्स संवाददाता

छपार। क्षेत्र में संत शिरोमणि रविदास जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। एक दर्जन गांवों में शोभायात्रा निकाली गई ओर भंडारे का आयोजन किया गया। बसेडा में शोभायात्रा का शुभारंभ केबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने फीता काट कर किया उन्होंने कहां कि गुरु रविदास केवल एक नहीं वे सामाजिक क्रांति के अग्रदूत थे।

क्षेत्र के छपार, रामपुर,रेंई, कुतु. बपुर, महरायपुर, रेत्ता नगला आदि एक दर्जन गांवों में रविदास जयंती पर शोभायात्रा निकाली गई। छपार व बसेडा में शोभायात्रा का शुभारंभ केबिनेट मंत्री ने फीता काट कर किया। बसेडा में गत वर्षो की भांति पांच दिवसीय मेले का आयोजन किया गया।उक्त मौके पर उन्होंने कहा कि गुरु रविदास ने निर्भीक होकर कहा था कि मनुष्य की पहचान उसके जन्म से नहीं , कर्म से होती है। उनकी जयंती देश में ही नहीं विदेशों में मनाई जा रही है।

मंत्री ने कहा कि यदि मन पवित्र है, विचार शुद्ध ओर आचरण सही है तो वही सच्ची भक्ति व सच्चा धर्म है।सभी को समान अधिकार, सम्मान ओर समान अवसर प्राप्त हो। बसेडा में सोनू अध्यक्ष रविदास मंदिर कमेटी,धर्मबीर सिंह पूर्व प्रधान, विकास देशवाल, रमन देशवाल, प्रवीण, संजय गर्ग, आशुतोष, बिट्टू, रिक्की सचिन आदि लोग मौजूद रहे।

बुढ़ाना। रविवार के दिन बुढ़ाना विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में आयोजित किए गये संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की भव्य जयंती कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कश्यप समाज बुढ़ाना खाप के चौधरी डाक्टर सोनू कश्यप सम्मिलित हुए। बुढ़ाना क्षेत्र में जगह जगह संत शिरा. मणि गुरु रविदास जी की जयंती मनाई गई। इस अवसर में गांव अलीपुर अटेरना में आयोजित हुए एक भव्य जयंती का डाक्टर सोनू कश्यप ने अपने कर कमलों द्वारा फीता काटकर उद्घाटन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन 15वीं शताब्दी के संत, कवि व समाज सुधारक गुरु रविदास के जन्म दिवस को चिह्नित करते हैं। गुरु रविदास एक आध्यात्मिक नेता थे। जिन्होंने समानता, एकता और ईश्वर के प्रति भक्ति का भी संदेश फैलाया। उनका जन्मदिवस एक विशेष अवसर के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने समाज में व्याप्त अंधविश्वासों, जाति प्रथा और भेदभाव के खिलाफ भी आवाज उठाई। गुरु रविदास ने सामाजिक समरसता की स्थापना के लिए कार्य किया और सभी को एकता, प्रेम तथा सेवा का संदेश दिया।

इस अवसर पर यहां डाक्टर सोनू कश्यप के साथ नंदन कश्यप, श्याम कश्यप, डाक्टर शेखर ठाकुर, मनमो. हन कश्यप, मास्टर मोहन लाल कश्यप, देवेंद्र शर्मा और रवि राणा सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। इस दौरान ढोल नगाड़ों की भी पूरी गूंज रही।

बुढ़ाना। भीम आर्मी मुजफ्फरनगर के जिला संगठन मंत्री और आजाद समाज पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता हाजी नसीम अंसारी ने रविवार के दिन बुढ़ाना ब्लाक क्षेत्र के गांव सफीपुर, मदीनपुर खिजरपुर, शाहडब्बर, सुल्तानपुर, भसाना, अलीपुर अटेरना के अलावा कपूरगढ, रायपुर अटेरना और हबीबपुर सीकरी सहित अन्य कई गांवों में अपने सैंकड़ों समर्थकों के साथ पहुंचकर रविदास जयंती पर आयोजित लगभग एक दर्जन कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रुप में भाग लिया और संत रविद. ास के जीवन से जुड़ी झांकियों का फीता काटकर उद्घाटन किया। उनका सभी जगहों पर पगड़ी पहनाकर फूल मालाओं से ढोल नगाड़ों की थाप पर भव्य स्वागत किया गया। हाजी नसीम अंसारी ने सब स्थानों पर अपनी और कार्यक्रम आयोजकों को धनराशि भी दी और कहा कि वे दलित समाज के लिए रात दिन खड़े हैं। हम किसी भी दलित का उत्पीडन नहीं होने देंगे और हमें आज ये भी सीख लेनी चाहिए कि हम सभी संत के बताए रास्ते पर चलें। सभी जगहों पर हलवा पूरी के प्रसाद का भी वितरण हुआ। यहां संजीव जौला, संतलाल सागर, अनुज जाटव, राकेश जाटव, संदीप भसाना, वाजिद भसाना, कमल, अनुराग बावरा अटेरना, कुर्बान भसाना आदि भीम आर्मी कार्यकर्ता मौजूद रहे। हाजी नसीम अंसारी ने सबका धन्यवाद किया।

बुढ़ाना। रविवार के दिन बुढ़ाना ब्लाक क्षेत्र के परासौली गांव में शिरोमणि रविदास महाराज की जयंती के अवसर पर भव्य भंडारा व माता भगवती के जागरण के बाद सुंदर झांकियो का आयोजन किया गया। जिसमें समाजसेवी बाबू अंसारी, आसिफ राणा व हाशिम अंसारी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर झांकियों का उद्घाटन किया। गांव परासोली में संत शिरा. मणि गुरु रविदास का 649वां जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

यहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों और भंडारे का आयोजन भी किया गया। जन्मोत्सव के दौरान बच्चों ने झांकी के माध्यम से समाज में फैली कुरी. तियों, संत रविदास के योगदान और उनके धार्मिक जीवन पर आधारित सांस्ख्रतिक प्रस्तुतियां दीं।

संत शिरोमणि गुरु रविदास संगीत मंडली ने भजनों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया।

समिति के कार्यकर्ताओं ने रविदास जी के जीवन व कार्यो को नाटक के जरिए दर्शाया। संत रविदास के दोहे जीवन, भक्ति और समानता का संदेश देते हैं। उनके प्रसिद्ध दोहे हमें अहंकार त्यागकर, सच्चाई व ईश्वर के प्रति निष्ठा रखने की प्रेरणा देते हैं। यहां कार्यक्रम के मुख्य आयोजक राकेश कुमार, प्रदीप, प्रवीण, सोमपाल, सन्नी कुमार, रामभूल, प्रीतम सिंह, दीपक कुमार और राहुल कुमार आदि ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

बुढ़ाना। संत गुरु रविदास जयंती निकलने से पूर्व ही स्थानीय पुलिस प्रशासन ने रविवार की सुबह बुढ़ाना कस्बे और आसपास के गांवों के मुख्य मार्गो पर फ्लैग मार्च निकाला। बुढ़ाना पुलिस ने आगामी त्योहारों के मद्देनजर लोगों से शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की।

फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत भी की। उन्होंने लोगों से किसी भी अफवाह पर ध्यान ना देने और शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करने का आग्रह किया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

फ्लैग मार्च मे एसडीएम बुढ़ाना अपूर्वा यादव, बुढ़ाना तहसीलदार महेंद्र सिंह यादव, बुढ़ाना सर्किल के सीओ गजेंद्र पाल सिंह, कोतवाली बुढ़ाना के प्रभारी निरीक्षक सुभाष बाबू अत्री, क्राइम इंस्पेक्टर कर्मवीर सिंह, एसएसआई ललित कुमार शर्मा, कस्बा इंचार्ज संदीप कुमार, गढ़ी सखावतपुर पुलिस चौकी इंचार्ज ललित कसाना, परासौली पुलिस चौकी प्रभारी गुलाब तिवारी, बायवाला पुलिस चौकी प्रभारी रणवीर सिंह, सब इंस्पेक्टर छविकांत चौहान आदि पुलिसकर्मी मौजूद रहे। बताया जाता है कि गांवों में संत रविद. ास जयंती के कार्यक्रमों में दरोगाओं, हेड कांस्टेबलों की ड्यूटी लगाई गई।

भाजपा नेता ने संत रविदास को किया नमन

शाह टाइम्स संवाददाता

मोरना। संत शिरोमणि रविदास महाराज की जयंती मोरना भोपा ककरौली क्षेत्र मे धूमधाम से मनाई गयी इस दौरान अनेक गांव मे शोभायात्रा का आयोजन किया गया। जिसमे भक्ति का रंग देखने को मिला। मोरना, योगेन्द्र नगर, बाखरनगर , रहमतपुर और माजरा में पावन पूजार्चना के साथ क्षेत्रीय मंत्री भाजपा अमित राठी के द्वारा भव्य शोभायात्रा का शुभारंभ किया गया।

गांव सीकरी में पुनीत चौधरी ने अमित राठी के प्रतिनिधि के रूप में पहुंचकर संत रविदास की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद लिया।वहीं सिकंदरपुर में संत रविदास की मूर्ति स्थापना के पुनीत कार्य में भाग लिया।

अमित राठी ने कहा कि भगवान रविदास महाराज सरल भाव के महान संत थे जिन्होंने अपने आशीर्वाद से आमजन का कल्याण किया। युगो से वह अपने भक्तों पर कृपा बनाए हुए हैं। उनकी शिक्षाएं सदैव समाज का मार्गदर्शन करती रहेंगी।

भण्डारा कर शोभायात्रा पर की पुष्पवर्षा

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। संयुक्त हिंदू महासंघ द्वारा आज संत शिरोमणि रविदास जयंती के अवसर पर शिव चौक पर भंडारे का आयोजन किया गया वह हिंदू नेताओं के द्वारा शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा की गई आज संयुक्त हिंदू महासंघ प्रदेश अध्यक्ष बागेश्वर अग्रवाल जिला अध्यक्ष अखिलेश जाटव पुरी प्रदेश महासचिव वीरेंद्र त्यागी के नेतृत्व में शिव चौक पर भव्य भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें खिचड़ी में हलवे का प्रसाद वितरण किया गया भंडारे का शुभारंभ संयुक्त हिंदू मोर्चा अध्यक्ष मनोज सैनी शिवसेना प्रदेश महासचिव डॉक्टर योगेंद्र शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

वह जय रविदास जय राम जय भीम के जोरदार नारे लगाए गए इस अवसर पर संयुक्त मोर्चा अध्यक्ष मनोज सैनी व संयुक्त हिंदू महासंघ प्रदेश अध्यक्ष बाग्श्वे अग्रवाल ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास जी जैसे संत आज तक अन्य कोई नहीं हुए वह सही मायनों में संतों के शिरोमणि थे उनकी आस्था और पवित्रता को देखते हुए गंगा माता को भी अपना रास्ता बदलकर उनकी कठोती। में आना पड़ा था इसलिए मन चंगा तो कठोती में गंगा का उदाहरण प्रसिद्ध है इन्होंने कहा कि संत शिरोमणि रविद. ास जी की जयंती के अवसर पर हम सभी संकल्प लेते हैं समाज से इसी प्रकार छुआछूत की बुराई को दूर करते हुए हिंदू धर्म में सामाजिक समरसता बनाते रहेंगे इस अवसर पर शिवसेना जिला अध्यक्ष लोकेश सैनी अध्यक्ष शंकी शर्मा ने कहा कि आज समाज घोर जातिवाद के जहर से पीड़ित है हम सभी को संत शिरोमणि रविदास जी के आदर्शो पर चलते हुए हिंदू समाज से जातिगत भेदभाव को दूर करना होगा संयुक्त हिंदू महासंघ के जिला अध्यक्ष अखिलेश जाटव पुरी के नेतृत्व में यह संगठन हिंदू समाज की सभी बिरादरियों को साथ में लेकर सामाजिक समरसता का कार्य कर रहे हैं जिसके लिए यह बधाई के पात्र हैं इस अवसर पर मुख्य रूप से राजेश कश्यप शिवसेना नेता हरीश पालीवाल मंडल अध्यक्ष संयुक्त हिंदू महासंघ रेनू चौधरी सुनीता मलिक शालिनी शर्मा संजय गोयल मंडल उपाध्यक्ष शिवसेना सचिन जोगी आशीष शर्मा युवा नगर अध्यक्ष शिवसेना सुरेंद्र मित्तल अनुकूल जोशी जिला सचिव शिवसेना ठाकुर विशाल ठाकुर रोहित त्यागी हेमंत शर्मा हर्ष त्यागी आदि शामिल थे।

शाह टाइम्स

स्वामी 'शाह पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड' के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, सूजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादकः
एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'

मुख्यालयः
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. 71843/99
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

भारतीयों को सनातन परंपरा पर होना चाहिए गर्व

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। शहर के कैराना रोड स्थित एक बारातघर में रविवार को महाराणा प्रताप, सरदार पटेल एवं शिवाजी बस्ती, शामली के संयुक्त तत्वावधान में हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में हिन्दू समाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती के चित्र के समक्ष सामूहिक पुष्पार्चन के साथ हुआ।

सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में कर्नल तेजिन्द्र पाल त्यागी, विशिष्ट अतिथि के रूप में वेदपाल सह प्रान्त सम्पर्क प्रमुख, आरएसएस तथा मुख्य अतिथि के रूप में ओमवीर शास्त्री मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन आकाश गुप्ता एवं रमेश चन्द्रा द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि ओमवीर शास्त्री ने कहा कि प्रत्एक भारतीय को अपनी सनातन परंपराओं पर गर्व करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सत्य की विजय के लिए संघर्ष आवश्यक है और समाज को आत्मबल से सशक्त होना होगा। मुख्य वक्ता कर्नल तेजिन्द्र पाल त्यागी ने कहा कि संकट के समय में सामाजिक संगठनों ने सेवा कार्य किए हैं और वर्तमान समय में भी समाज को सजग रहने की आवश्यकता है।

उन्होंने जातिगत भेदभाव समाप्त कर एकजुट होकर संस्कृति संरक्षण की बात कही। विशिष्ट अतिथि वेदपाल ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना समाज में व्याप्त विभाजन को समाप्त कर समरसता बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में विद्या भारती के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कारों से युक्त शिक्षा के माध्यम से समाज को सशक्त किया जा रहा है। अमित बंसल ने कहा कि संगठन द्वारा देशभर में हिन्दू सम्मेलनों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है, उसी क्रम में शामली में यह सम्मेलन संपन्न हुआ।

इस अवसर पर रामअवतार तायल, संजीव कुमार, निखिल ऐरन, अंकित गुप्ता, राहुल तायल, पंकज गुप्ता, अमित मित्तल, कपिल काम्बोज, सतीश तायल, रितेश जैन, मधुसूदन गौड मौजूद रहे।

अवैध तमंचे व चोरी की रकम के साथ वांछित गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

झिंझाना। स्थानीय पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा, एक कारतूस तथा चोरी के 20 हजार रूपए बरामद किए हैं।

पुलिस अधीक्षक शामली के निर्देश पर चल रहे चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस टीम ने ग्राम सींगरा के पास जंगल से आरोपी सन्नी शर्मा पुत्र ब्रह्मपाल शर्मा को गिरफ्तार किया। आरोपी मूल रूप से ग्राम गाजीवाला जनपद हरिद्वार उत्तराखंड का निवासी है और हाल में वह ग्राम खोकसा थाना झिंझाना क्षेत्र में अपनी ससुराल में रह रहा था। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने एक साथी के साथ मिलकर 22 दिसंबर 2025 को कस्बा बड़ौत में बैंक से लौट रही एक महिला के बैग से 50 हजार रूपए चोरी किए थे। इस संबंध में थाना बड़ौत में पहले से ही मुकदमा पंजीकृत है। चोरी की गई रकम में से 20 हजार रूपए आरोपी ने एक खंडहर में छिपा रखे थे, जिन्हें पुलिस ने बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अवैध हथियार रखने सहित अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

क्षेत्र में भारी ओलावृष्टि से जनजीवन अस्त-व्यस्त

शाह टाइम्स संवाददाता

झिंझाना। क्षेत्र में रविवार सुबह अचानक आई ओलावृष्टि ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया जिसमें किसानों भरी नुकसान हुआ है। मौसम में आए इस बदलाव से खड़ी फसलों गेहूं, सरसों और आलू को काफी नुकसान हुआ है। रविवार की सुबह तेज हवाओं के साथ अचानक ओलावृष्टि शुरू हो गई, जो लगभग आधे घंटे तक जारी रही।

इससे अचानक ठंड भी बढ़ गई, जिससे लोगों के दैनिक कार्य प्रभावित हुए। यह ओलावृष्टि किसानों के लिए एक बड़ी मुसीबत बनकर आई है। खेतों में लहलहा रही गेहूं, सरसों और आलू की फसल को ओलों की मार से काफी नुकसान हुआ है। किसानों के मुताबिक, ओलों की चपेट में आकर फसलें जमीन पर बिछ गई हैं, जिससे इस साल पैदावार पर बुरा असर पड़ने की आशंका है। उन्हें आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। इस संकट की स्थिति में किसानों ने प्रशासन से तत्काल कदम उठाने की गुहार लगाई है। उनकी मांग है कि प्रशासन तुरंत फसल नुकसान का सर्वेक्षण कराए और प्रभावित किसानों को पर्याप्त आर्थिक सहायता मुहैया कराए, ताकि वे इस आपदा से उबर सकें। क्षेत्र में आई ओलावृष्टि ने स्थानीय लोगों और किसानों की चिंता बढ़ा दी है। जहां आम लोगों का दिनचर्या प्रभावित हुआ है, वहीं किसान अपनी लहलहाती फसलों की बर्बादी देख मन ही मन टूट गए हैं। अब सभी की निगाहें प्रशासन की ओर हैं, कि वह किसानों के नुकसान का आकलन करके उन्हें राहत पहुंचाने के लिए क्या कदम उठाता है।

थाना भवन में आधी रात को बरसे ओले, बिजली की कड़कड़ाहट के साथ तेज हुई बारिश

शाह टाइम्स संवाददाता

थानाभवन। बीती रात करीब 1 बजे अचानक मौसम ने करवट बदल ली। तेज बारिश के साथ लगभग दो मिनट तक जोरदार ओलावृष्टि होती रही।

आसमान में लगातार बिजली चमकती रही और कड़कड़ाहट के साथ ओलों के गिरने की तेज आवाज सुनकर लोग भयभीत होकर नींद से जाग गए। घबराए लोग अपने घरों के दरवाजों पर आकर सड़कों का नजारा देखने लगे। कुछ ही देर में सड़कों और मकानों की छतों पर ओलो की सफेद चादर सी बिछ गई। तेज बारिश और ओलावृष्टि के बीच सड़कों पर रहने वाले कुत्ते और गो वंश जान बचाने के लिए इधर-उधर ठिकाना तलाशते नजर आए। कोई दुकानों के छज्जों के नीचे छुपता दिखा तो कोई भागकर पुराने टूटे घरों की ओर शरण लेता नजर आया।अचानक बदले मौसम से ठंड में इजाफा कर दिया, वहीं किसानों में फसलों को नुकसान की आशंका को लेकर चिंता बढ़ गई है। सुबह मौसम सामान्य होने पर लोगों ने राहत की सांस ली, लेकिन आधी रात की इस प्राकृतिक घटना की चर्चा पूरे क्षेत्र में बनी रही।

नि:शुल्क दंत जांच शिविर का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। लायंस क्लब शामली सिनेर्जी द्वारा फरवरी माह को सिनेर्जी डेंटल मंथ के रूप में मनाते हुए प्रथम रविवार को निशुल्क दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर प्रात: 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक चला, जिसमें कुल 42 मरीजों की निशुल्क दंत जांच की गई। शिविर के दौरान मरीजों को दांतों की साफ-सफाई, मसूड़ों की देखभाल एवं दंत रोगों से बचाव संबंधी परामर्श दिया गया। क्लब अध्यक्ष डॉ। अजय वर्मा के नेतृत्व में आयोजित शिविर में सचिव रुचिर सांगल, कोषाध्यक्ष निशांत गर्ग सहित अन्य सदस्यों का सहयोग रहा।

2 फरवरी को होगी रैली

शामली। कर्नल अजय कुमार सिंह, अ.प्रा. जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी शामली द्वारा अवगत कराया गया आगामी 2 फरवरी 2026 दिन सोमवार समय सुबह 10:00 बजे जनपद शामली में पूर्व सैनिक रैली का आयोजन पश्चिम यूपी सब एरिया मेरठ द्वारा आयोजित किया जा रहा है।भूतपूर्व सैनिक रैली का आयोजन दिल्ली रोड स्थित सिटी ग्रीन में होगा। रैली में भूतपूर्व सैनिक, सैनिक जीवनसाथी, वीरगति प्राप्त सैनिक के परिजन, वीर नारियां एवं 1962,1965 और 1971 के युद्ध में अपना योगदान दें।

हादसे में मजदूर की मौत, पिता ने कानूनी कार्रवाई से किया इनकार, पी एम के बाद शव गांव ले गए

शाह टाइम्स संवाददाता

झिंझाना। क्षेत्र के गांव रंगना में शनिवार को एक हादसे में मजदूर की मौत हो गई थी। घटना तब हुई जब जल निगम द्वारा बनाई जा रही पानी की टंकी पर सरिया लगाते समय धर्मेंद्र पुत्र नन्हा निवासी गांव नौसाना थाना दिनावर जनपद बदायूं की 11 हजार वोल्ट की हाई-टेंशन लाइन से सरिया टच हो गया था।

सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया। देर रात मृतक के पिता नन्हा राम और भाई शैलेंद्र घटनास्थल पर पहुंचे। परिजनों ने पुलिस से किसी भी कानूनी कार्रवाई या पोस्टमॉर्टम कराने से साफ इनकार कर दिया और शव को तत्काल गांव ले जाने की मांग की। परिजनों के अनुरोध पर पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर शव को पीएम के लिए भेज दिया। रविवार को पोस्टमॉर्टम के बाद,शव परिजनों को शव सौंप दिया गया और वे इसे अपने साथ गांव ले गए। टंकी निर्माण का ठेका संभाल रहे ठेकेदार अंकुर उपाध्याय ने इस हादसे के लिए विद्युत विभाग को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने बताया, हमने पहले भी जल निगम के माध्यम से विद्युत विभाग को कई पत्र लिखकर इस हाई-टेंशन लाइन को हटाने का अनुरोध किया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। आज फिर से पत्र भेजा जाएगा। जब तक यह लाइन नहीं हटती, टंकी का निर्माण कार्य बंद रहेगा।

एक नजर

सिक्योरिटी गार्ड के रोजगार शिविर आज से

शामली। मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद शामली में समस्त ब्लाकों में बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएं जाएंगे। 2 से 3 फरवरी को खण्ड विकास कार्यालय, थानाभवन, 4 से 5 फरवरी को खण्ड विकास कार्यालय, कांधला, 6 से 7 फरवरी को खण्ड विकास कार्यालय, कैराना, 9 से 10 फरवरी को खण्ड विकास कार्यालय, ऊन एवं 16 से 17 फरवरी को खण्ड विकास कार्यालय, शामली में रोजगार मेलें आयोजित किए जाएंगे। उपरोक्त रोजगार मेलों में राहुल दीक्षित, कमांडेन्ट, एस आई एस, दिल्ली द्वारा भर्ती की जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी ने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को सुरक्षा गार्ड की भर्ती हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। सिक्योरिटी गार्ड हेतु न्यूनतम योग्यता हाईस्कूल, आयु 19 से 40 वर्ष, ऊंचाई 167।5 सेमी एवं 56 से 90 किलो वजन के अभ्यर्थी पात्र हैं। अभ्यर्थी किसी भी जिले व ब्लॉक का विकास कार्यालय में प्रतिभाग कर सकते हैं। और भारत सरकार द्वारा ELI सुविधा के तहत 1 साल में 15 हजार रूपए दो किस्तों में कैंडिडेट के सीधे अकाउंट में आएंगे। शिविर में चयनित अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण उपरांत स्थाई रोजगार प्राप्त होगा। जिला सेवायोजन अधिकारी अजय कुमार ने बताया कि विभागीय वेबसाइट rojgaarsangam.up.gov.in पर पंजीयन आवश्यक है। सभी खण्ड विकास कार्यालय में प्रात: 10:00 बजे से अपराह्न 4 बजे तक पंजीकरण किया जाएगा। अत: सभी युवा शैक्षणिक योग्यता द्धहाईस्कूल पास या फेल और इंटरमीडिएट प्रमाणपत्र के साथ रोजगार मेलें में प्रतिभाग करें।

यातायात पुलिस ने चलाया अभियान

शामली। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं आमजन के अमूल्य जीवन की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए जनपद शामली में No Helmet No Fuel नीति के अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा सख्त प्रवर्तनात्मक कार्रवाई। पुलिस अधीक्षक शामली एनपी सिंह के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक शामली सुमित शुक्ला के मार्गदर्शन में आज 1.2.2026 को यातायात पुलिस शामली द्वारा जनपद में सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाने, आमजन के अमूल्य जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित, अनुशासित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से No Helmet No Fuel नीति के अंतर्गत एक व्यापक, सघन, सुनियोजित एवं सख्त सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं प्रवर्तनात्मक अभियान संचालित किया गया। इसी क्रम में यातायात निरीक्षक श्रीमती निधि चौधरी के नेतृत्व में उनकी टीम द्वारा जनपद के प्रमुख एवं अत्यधिक व्यस्त चौराहों कृ बनत चौराहा, धीमानपुरा फाटक, विजय चौक, बस अड्डा, बलवा चौक, अग्रसेन चौक, शिव चौक, टिकैत तिराहा सहित अन्य मुख्य स्थानों पर विशेष चेकिंग एवं जागरूकता अभियान चलाया गया । इस अभियान का मुख्य उद्देश्य दोपहिया वाहन चालकों में हेलमेट के अनिवार्य प्रयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना, यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करना तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जनसामान्य की जिम्मेदारी को सुदृढ़ करना रहा । अभियान के दौरान दोपहिया वाहन चालकों, पेट्रोल पंप संचालकों, वाहन स्वामियों एवं आम नागरिकों को हेलमेट के अनिवार्य प्रयोग, यातायात नियमों के कड़ाई से पालन, सुरक्षित ड्राइविंग व्यवहार तथा सड़क सुरक्षा के महत्व के संबंध में विस्तार से जागरूक किया गया। पेट्रोल पंप संचालकों को भी स्पष्ट निर्देश दिए गए कि बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चालकों को ईंधन न दिया जाए। यातायात पुलिस द्वारा दोपहिया वाहन चालकों को स्पष्ट रूप से अवगत कराया गया कि हेलमेट न पहनने की स्थिति में ईंधन उपलब्ध नहीं कराया जाएगा, क्योंकि हेलमेट का प्रयोग न करना सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु एवं गंभीर चोट का एक प्रमुख कारण है। इस दौरान यह संदेश प्रभावी रूप से दिया गया कि हेलमेट केवल चालान से बचने का साधन नहीं, बल्कि सड़क दुर्घटना की स्थिति में जीवन रक्षा का सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच है, जिसका प्रयोग प्रत्एक परिस्थिति में अनिवार्य है। अभियान के दौरान यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्त प्रवर्तनात्मक कार्रवाई करते हुए कुल 303 वाहनों के चालान किए गए, जिनमें से 261 चालान बिना हेलमेट वाहन चलाने के पाए गए। पुलिस अधीक्षक शामली एन.पी. सिंह द्वारा आमजन से अपील की गई कि वे सड़क सुरक्षा को अपनी व्यक्तिगत एवं सामाजिक जिम्मेदारी समझें, दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट का प्रयोग करें, यातायात नियमों का पूर्ण पालन करें तथा स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार एवं अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सखध्त एवं निरंतर वैधानिक कार्रवाई जारी रखी जाएगी। जनपद शामली में हछव भ्मसउमज, छव थ्नमसह सहित अन्य सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं प्रवर्तनात्मक अभियान आगामी दिनों में भी निरंतर, सघन एवं प्रभावी रूप से संचालित किए जाते रहेंगे।

ट्रक से सरिया चोरी करने की घटना में वांछित दो अभियुक्त गिरफ्तार

शामली। नितिन विकल पुत्र उमेश विकल निवासी ग्राम भूड़ बराल थाना परतापुर जनपद मेरठ द्वारा थाना बाबरी पर उपस्थित आए और बताया कि वह अमर सत्या इम्प्रेज कम्पनी में ठेकेदार के पद पर नियुक्त है उक्त कम्पनी का दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे पर ग्राम हिरनवाडा के पास रेस्ट एरिया के कन्स्ट्रक्सन का कार्य चल रहा है । वादी द्वारा बताया गया कि ट्रक ड्राईवर द्वारा ट्रक में कंकरीट के पत्थर रखकर कांटे पर पूरा वजन दिखाकर रास्ते में 290 किलोग्राम सरिया बेच दिए गए है । वादी ने ड्राईवर द्वारा ट्रक से सरिया चोरी करने के सम्बन्ध थाना बाबरी पर तहरीर दी जिसके आधार पर थाना बाबरी पर मु0अ0सं0 08/2026 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया है। पुलिस अधीक्षक शामली द्वारा उक्त घटना के अनावरण व अभियुक्तगण की गिरफ्तारी हेतु थानाध्यक्ष बाबरी को निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में वांछित अभियुक्त 1।रिजवान पुत्र इरफान निवासी ग्राम लालपुर सोलाना थाना धौलाना जनपद हापुड़ (चालक) 2. मुरसलीन पुत्र सफाकत निवासी ग्राम लालपुर सोलाना थाना धौलाना जनपद हापुड़ (सह-चालक) को चोरी किए गए सरिया के साथ गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है । गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना बाबरी पर वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है।

संत रविदास जयंती पर धूमधाम से निकाली रैली

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। जिलेभर में संत शिरामणि गुरु रविदास की 649वीं जयंती पर्व धूमधाम से मनाया गया। शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में संत रविदास मंदिरों में हवन-पूजन भंडारों का आयोजन किया। इस मौके पर विचार गोष्ठियों के माध्यम से संत रविदास के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला गया। उनके जीवन आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया। कई स्थानों से शोभायात्राऐं भी निकाली गई।

रविवार को शहर के टंकी रोड स्थित संत रविदास मंदिर में गुरू रविदास समाज कल्याण समिति के तत्वावधान में 649वीं जयंती पर्व धूमधाम से मनाया गया। सुबह हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। इसके मुख्य यज्ञमान मंदिर समिति के अध्यक्ष सतेंद्र धीरयान, कंवरपाल जयंत व राजेश कुमार रहे। यज्ञ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आहुति प्रदान की। यज्ञ के बाद विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक तेजेन्द्र निर्वाल, नगर पालिका चेयरमैन अरविन्द संगल व सभासद संदीप कुमार रहे। उन्होने कहा कि संत रविदास समाज सुधारक, महान कवि एवं दार्शनिक के रूप में विख्यात है। उनके विचार सम्पूर्ण मानव जगत का कल्याण करने वाले है। उन्होंने ऊंच-नीच की भावना तथा ईश्वर भक्ति के नाम पर किए जाने वाले विवाद को सारहीन तथा निरर्थक बताया और सबको परस्पर मिलजुल कर प्रेमपूर्वक रहने का उपदेश दिया। उन्होने सभी से आपसी भाईचारा कायम करने की अपील की। इस अवसर पर राजबहादुर, सभासद संदीप कुमार, नरेन्द्र कुमार ठेकेदार, देवेन्द्र कुमार, सतपाल, डा। राजेश कुमार, बीरपाल, गजेन्द्र निर्वालख, श्रवण कुमार आदि मौजूद रहे। इसके अलावा गांव खेडीकरमू स्थित रविदास मंदिर में संत रविदास जयंजी धूमधाम के साथ मनाई गई। सवेरे हवन यज्ञ हुआ। जिसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। बाद में मंदिर समिति द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें समाज सुधार के लिए अनेकों झांकिया दिखाई गई। शोभायात्रा का अनेकों स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर लोकेन्द्र कुमार, सचिन कुमार, रोबिन, प्रेम प्रधान, तुषार, अनुज, संदीप कुमार, महात्मा चंद्र दास, गोली, डा। कृष्णपाल आदि मौजूद रहे। शहर के मौहल्ला पंसारियान में भी गुरू रविदास जयंती मनाई गई। कई स्थानों पर हवन पूजन के बाद प्रसाद भी वितरित किया गया। बनत से निकाली गई शोभायात्रा में निकाली गई।

शामली। क्षेत्र के गांव भैंसवाल में संत शिरोमणि रविदास की जयंती श्रद्धा और उल्लास के साथ भव्य रूप से मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी, परियोजना निदेशक डीआरडीए प्रेम चन्द एवं एसडीएम अर्चना शर्मा ने पहुंचकर हवन-पूजन में भाग लिया।

इस अवसर पर विधिवत पूजन के पश्चात प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान गांव में झांकी भी निकाली गई। जिसका शुभारंभ सीडीओ ने फीता काटकर किया। जिला पंचायत राज अधिकारी संदीप अग्रवाल, ग्राम सचिव सचिन चौधरी, ग्राम प्रधान प्रहलाद सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे। वक्ताओं ने संत रविदास के जीवन और उनके सामाजिक समरसता के संदेशों पर प्रकाश डालते हुए उनके विचारों को अपनाने का आह्वान किया।

शामली। संत रविदास की जयंती के अवसर पर समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भैंसवाल रोड स्थित पार्टी कार्यालय पर एकत्र होकर संत रविदास के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके विचारों को स्मरण किया। प्रो। सुधीर पंवार ने कहा कि संत रविदास निर्गुण भक्ति परंपरा के प्रमुख संत थे, जिन्होंने धार्मिक आडंबरों का विरोध करते हुए मन चंगा तो कठौती में गंगा का संदेश दिया। अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सलेक चंद ने कहा कि मोची जाति में जन्म लेने के बावजूद संत रविदास की भक्ति और विचारों ने समाज के हर वर्ग को प्रभावित किया। मौके पर भूपेन्द्र सैनी, बिट्टू ताना, देवेंद्र वालिया, सतबीर गोहरनी, राकेश कुमार, मास्टर सतीश चंद, अभिषेक शर्मा, नरेंद्र प्रधान मस्तगढ़, धर्मवीर प्रधान अहमदपुर, भूपेंद्र, योगेंद्र चौधरी, अनिल कुमार उपस्थित रहे।

सालाना जलसे में भाईचारे का संदेश

शाह टाइम्स संवाददाता

अंबेहटा। नगर के निकटवर्ती गांव टिडौली में मदरसा कन्जुल उलूम में आज 44वें सालाना जलसे का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रमुख उलेमा और विद्वानों ने हिस्सा लिया और शिक्षा, अमन तथा भाईचारे के महत्व पर जोर दिया। साथ ही, नशे से दूर रहने का संदेश भी दिया गया। जलसे में दूर-दराज से हजारों लोग शामिल हुए, जिससे मदरसे का परिसर उत्साह से भरा रहा।

जलसे को संबोधित करने वाले प्रमुख वक्ताओं में मुफ्ती सलमान मंसूर, हजरत मौलाना आमिर, हजरत मौलाना सय्यद हबीबुल्लाह मदनी, हजरत मौलाना मोहम्मद आकिब, हजरत मौलाना जाहिद इब्राहिम, मौलाना अनीसुर्रहमान कैराना, हजरत मौलाना मुफ्ती (दारुल उलूम देवबंद), सलमान मंसूरपुरी और हजरत मौलाना मुफ्ती जावेद शामिल थे। इन विद्वानों ने अपने संबोधनों में तालीम (शिक्षा) की अहमियत पर प्रकाश डाला और समाज में अमन व भाईचारे को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज की तरक्की का आधार है और धार्मिक संस्थान इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। साथ ही, नवयुवकों को नशे से दूर रहने की नसीहत दी।

कार्यक्रम के दौरान उन छात्रों की दस्तारबंदी (टोपी पहनाने की रस्म) की गई, जिन्होंने अपनी तालीम पूरी की। यह रस्म मदरसे की परंपरा का हिस्सा है, जो छात्रों के सफल समापन का प्रतीक है। आयोजकों ने बताया कि जलसे का उद्देश्य न केवल धार्मिक शिक्षा को बढ़ावा देना है, बल्कि समाज में सद्भावना फैलाना भी है। मदरसा कन्जुल उलूम के प्रबंधकों ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी मेहमानों का आभार व्यक्त किया

नि:शुल्क नेत्र जांच

रामपुर मनिहारान। ग्राम नई नगली माजरी में डॉ श्रॉफ चौरिटी आई हॉस्पिटल द्वारा निशुल्क नेत्र जाँच शिविर का अयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों की आँखों की जाँच की गई और आँखों की देखभाल के बारे में बताया गया।

शिविर का उद्घाटन डॉ रवि कुमार व धर्मेंद्र तोमर ने किया। शि. विर में 98 ग्रामीणों की जाँच की गई।ऑपरेशन के लिए 15 पेशेंट को चिन्हित किया गया। डॉ रवि कुमार ने कहा आंखें कुदरत का अनमोल उपहार हैं।इनकी हिफाजत करनी चाहिए हैं।आंखों के बिना हर इंसान अधूरा है। नेत्र चिकित्सकों द्वारा ग्रामीणों को आँखों की देखभाल और बीमारियों से बचाव के बारे में जानक. ारी देते हुए कहा कि लगातार ज्यादा देर तक टीवी या मोबाईल नहीं देखना चाहिए। तेज रोशनी से बचना चाहिए। आँखों में कोई समस्या होने पर बिना चिकित्सक की सलाह के कोई दवाई न डालें। डॉ श्रॉफ चैरिटी आई हॉस्पिटल से सचिन कुमार, विकास कुमार, संजीव कुमार, नवीन कुमार, केपी सिंह उपस्थित रहे।

दस्तार ए फजीलत कार्यक्रम का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

बेहट। मदरसा अब्दुल्लाह इब्ने मसूद में दस्तार-ए-फजीलत व तकमील-ए-कुरआन की एक रूहानी तकरीब का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी तादाद में तलबा, तालिबात, असातिजा, सरपरस्त और क्षेत्र के मोअज्जिज अफराद ने शिर. कत की।

इस मौके पर 28 तलबा व तालि. बात ने नाजरा कुरआन-ए-करीम मुकम्मल किया, जबकि 2 बच्चों ने हिफ्ज-ए-कुरआन की दौलत हासिल कर कुरआन शरीफ याद करने की सआदत पाई। बच्चों की दस्तारबंदी की गई और उन्हें इनामात से नवाजा गया। तकरीब की सदारत कघरी जाहिद हसन ने फरमाई और सरपरस्ती मौलाना अब्दुल रशीद साहब ने अंजाम दी। जलसे की निजात मौलाना मुजम्मिल रहीमी ने फरमाई मेहमान-ए-खुसूसी में हजरत मौलाना सैयद हबीबुल्लाह मदनी साहब, मुफ्ती मुहम्मद वसील साहब, और मौलाना सादिक साहब नक्शबंदी डॉ. सलमान अय्यूबी, उस्मान वारिस और मौलाना साबिर मौजूद रहे। मदरसे के मोहत. मिम कारी इनाम की निगरानी में प्रोग्राम कामयाबी के साथ मुकम्मल हुआ। मौलाना हबीबुल्लाह ने आपसी प्यार, मोहब्बत और भाईचारे का पैगाम दिया तथा नफरतों को खत्म करने और समाज में अमन कायम रखने की नसीहत फरमाई।

आखरि में दुआ के साथ कार्यक्रम का इखतिताम हुआ। यह तकरीब मदरसे की दीनी व तालीमी खिदमात का बेहतरीन नमूना साबित हुई।

संत रविदास की शिक्षा ग्रहण करने का आह्वान

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। संत शिरोमणि गुरू रविदास जयंती के 649 वें जन्मोत्सव पर उनकी शिक्षाओं को जीवन में अंगीकार करने का आहवान किया गया।

बाबा साहब डा.भीमराव अंबेडकर सामाजिक चिंतन मंडल सैक्टर 99 टाउनशिप द्वारा गुरू महाराज के सिद्धांतों से परिचय कराने के साथ ही समाज को उनकी शिक्षाओं पर चलने का आहवान किया गया। इस दौरान सर्वसमाज के लिये भंडारे का आयोजन भी किया गया। जिसमें सभी कालोनी के लोगों ने पूर्ण सहयोग दिया। कार्यक्रम में बी.के.भास्कर, योगेंद्र सिंह, बबीत कुमार, अजय बर्मन, कालूराम, पंकज कुमार, नेत्रपाल चंचल, महावीर, सुशीला विश्वकर्मा, बृजमो. हन कौशिक, राजसिंह, डा.ऋषिपाल सिंह आदि ने भरपूर योगदान दिया। इस दौरान मनोज कुमार, ओमकुमार एडवोकेट, विनोद, शेरसिंह, मुल्कीराज आदि मौजूद रहे।

सभी बुखार के रोगियों की जांच जरूर करें: डा. प्रवीण

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में मलेरिया, डेंगू एवं चिकनगुनिया की जांच, उपचार एवं प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

जीपीओ रोड स्थित एक होटल के सभागार में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सहारनपुर मंडल डॉ. रामानंद एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार ने दीप प्रज्वलन करके किया। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए सीएमओ डॉ. प्रवीण कुमार ने जनपद की भौगोलिक स्थिति चार राज्यों से घिरी होने के कारण आवागमन निरंतर बना रहता है। इसे ध्यान में रखते हुए मलेरिया उन्मूलन के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विशेष रणनीति तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि सरकारी चिकित्सकों के साथ-साथ निजी चिकित्सकों का सहयोग भी मलेरिया उन्मूलन में अत्यंत आवश्यक है। डॉ. कुमार ने कहा कि सभी बुखार के रोगियों की मलेरिया जांच अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि डेंगू रोगियों की मृत्यु का कारण केवल प्लेटलेट की कमी नहीं होती, बल्कि समुचित देखभाल और समय पर उपचार अत्यंत आवश्यक है। मास्टर ट्रेनर कार्यशाला के अंतर्गत एसोसिएट प्रोफेसर एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुपमा शर्मा द्वारा नवीन औषधि चिकित्सा एवं केस मैनेजमेंट प्रोटोकॉल पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती शिवाका गौड़ ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा मलेरिया उन्मूलन एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों के नियंत्रण में पूर्ण सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि बुखार के सभी मामलों की शीघ्र जांच आवश्यक है और पॉजिटिव पाए जाने पर रोगी की आयु एवं परजीवी के प्रकार के अनुसार तत्काल रैडिकल उपचार दिया जाना चाहिए। अपर निदेशक डॉ. रामानंद ने निजी चिकित्सकों को भारत सरकार द्वारा जारी नवीन दिशानिर्देशों पर प्रशिक्षण देने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यशाला में प्रतिभागियों को मलेरिया के लक्षणों तेज बुखार, ठंड लगना, कमजोरी, शरीर दर्द, उल्टी, दस्त तथा पेशाब में खूनकृके बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यशाला में जनपद के सरकारी व निजी क्षेत्र के चिकित्सक, विशेषज्ञ, फिजिशियन, मेडिकल ऑफिसर तथा निजी नर्सिंग होम व अस्पतालों के संचालकों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में आईएमए अध्यक्ष डॉ. प्रवीण शर्मा, सचिव डॉ. नीरज, सिटी हेल्थ ऑफिसर डॉ. प्रवीण शाह, डॉ. रविकांत निरंकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कपिल देव, डॉ. सूर्य प्रकाश तथा उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजेन्द्र मलिक उपस्थित रहे।

केन्द्रीय बजट को आईआईए ने मजबूत बताया

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए इसे विकासोन्मुखी, भविष्यदृष्टि वाला और एमएसएमई केंद्रित बजट बताया है।

केंद्रीय बजट प्रस्तुति को आईआईए सहारनपुर कार्यालय के साथ-साथ आईआईए राष्ट्रीय कार्यालय दिल्ली, केंद्रीय कार्यालय लखनऊ एवं देशभर के सभी चैप्टर मुख्यालयों में आईआईए पदाधिकारियों और सदस्यों ने ध्यानपूर्वक सुना। आईआईए चैप्टर चेयरमैन गौरव चोपड़ा ने कहा कि बजट में सात प्रमुख क्षेत्रों में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए ठोस पहलों की घोषणा की गई है। उन्होंने बताया कि भारत को वैश्विक फार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने, अगले पांच वर्षों में बायोफार्मा सेक्टर के लिए 100 बिलियन रुपये, सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को प्रोत्साहन हेतु 400 बिलियन रुपये, सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, कार्बन उत्सर्जन में कमी के लिए 200 बिलियन रुपये तथा छोटे व्यवसायों के लिए 100 बिलियन रुपये के ग्रोथ फंड जैसी घोषणाएं भारतीय अर्थव्यवस्था और एमएसएमई क्षेत्र को मजबूती प्रदान करेंगी। आईआईए के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रमोद सडाना ने हाई-प्रिसिजन कंपोनेंट्स के लिए हाई-टेक टूल रूम, चैपियन एमएसएमई को बढ़ावा देने और रेयर अर्थ मैग्नेट पर नए सिरे से फोकस करने की घोषणा को सराहनीय बताया। पूर्व चैप्टर चेयरमैन अशोक गांधी ने कंपोनेंट्स पर कस्टम ड्यूटी में कमी को ईयू के साथ हुए एफटीए के अनुरूप बताया। को-कंव. ीनर अवजीत सिंह छाबड़ा ने समग्र रूप से बजट 2026-27 को नॉन-पॉपुलिस्ट, ग्रोथ ओरिएंटेड और मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को मजबूत करने वाला बजट बताया है।

एक वांछित पकड़ा

बेहट। पुलिस ने एक वांछित को गिरफ्तार किया है।

कोतवाली बेहट प्रभारी निरीक्षक सतपाल सिंह भाटी ने बताया कि गत वर्ष 23 जून को क्षेत्र के गांव पठानपुरा निवासी रईस पुत्र निसार अहमद ने थाना चिलकाना के कस्बा सुल्तानपुर निवासी एक व्यक्ति पर फर्जी तरीके से दस्तावेज तैयार कर नौकरी दिलाने के नाम पर 14 लाख रु की नगदी धोका धडी करने की तहरीर दी थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए उस की तलाश में लग गई थी आज मुखबिर ने सूचना दी कि धोका धडी से रकम हड़पने वाला आरोपी घर पर ठहरा हुआ है। सूचना मिलते ही उन्होंने अतिरिक्त निरीक्षक संजीव कुमार शर्मा हैड कास्टेबल गोविंद सिंह कास्टेबल बिट्टू कुमार ने संदीप कुमार निवासी मोहल्ला काजीमल कस्बा सुल्तानपुर थाना चिलकाना को गिरफ्तार किया है।

संत गुरु रविदास की वाणी का बखान

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। सीनियर सिटीजन वेलफेयर सोसाइटी द्वारा परम संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज का 649वां जन्मोत्सव मोहल्ला तकिया स्थित एक सभागार में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

वरिष्ठ नागरिकों ने श्री गुरु रविदास जी महाराज की वाणी का बखान किया तथा उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा मिठाई बांट कर एक दूसरे का मुंह मीठा कराया। इस अवसर पर संस्थापक के. एल. अरोड़ा ने कहा कि परम संत शिरोमणि श्री गुरु रविद. ास जी महाराज जी ने मानव उत्थान के लिए ऐसे समय में जन्म लिया जब जातियों को लेकर समाज बटा हुआ था, ऐसे में उन्होंने समाज को मूर्ति पूजा, आडंबरों से दूर कर सर्व समाज को एकता तथा समानता का पाठ पढ़ाया।

अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, जी.एल. जसूजा, के. डी. गौतम, मूलचन्द आनंद, प्रेमनाथ छोकरा, विजय कुमार अरोड़ा ने कहा कि रविदास जी महाराज ने नाम जप और कर्म को जी श्रेष्ठ मानते हुए समस्त शिक्षाएं दी हैं। आरव केव जैन ने श्री गुरु रविदास जी महाराज की आरती नाम तेरो आरती से सभी को भाव विभोर किया। हरजीत सिंह, राजपाल सिंह, संदीप गोयल ने भी अपने अपने विचार प्रकट किए।

जिलेभर में शोभायात्राएं निकाल हर्षोल्लास से मनाई संत शिरोमणि रविदास जयंती

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। जिलेभर में आज संत शिरोमणि गुरू रविदास जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गयी। कई स्थानों पर शोभायात्राएं भी निकाली गयी।

आज अंबाला रोड स्थित सपा जिला कार्यालय पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज एवं संत शिरोमणि नरहरी महाराज की जयंती पर होने भावपूर्ण नमन किया और उनके आदर्शों सिद्धांतों को जीवन में अपने का संकल्प लेते हुए उन्हें पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष चौधरी अब्दुल वाहिद ने कहा कि संत गुरु रविदास महाराज एवं संत नरहरी महाराज समाज के ऐसे महापुरुष है जो हमारे मार्गदर्शक रहे हैं।

पूर्व मंत्री विनोद तेजियान वरिष्ठ सपा नेता राजकुमार प्रधान, प्रदेश कार्यकारिणी विशेष आमंत्रित सदस्य रतन यादव एवं कार्यालय प्रभारी फैसल सलमानी ने कहा कि संतो के विचार ही जीवन में एक ने अध्याय की शुरुआत करते हैं इसलिए हमें सदैव संतों की वाणी और उनके आदर्श सिद्धांत अपने चाहिए।

इस मौके पर सुरेश गुर्जर चौधरी अब्दुल गफूर राजकुमार घटडा काशिफ अल्वी अवनीश गौतम अमन रजत गौतम शाहिद मंसूरी दक्ष यादव सतीश गौतम विनोद कुमार सनी कुमारवेदपाल पटनी आदि मौजूद रहे।

चिलकाना। सुल्तानपुर नगर सहित क्षेत्र के कई गांवों में श्री गुरु रविदास जयंती शोभायात्रा का पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। शोभायात्रा में बजते ढोल नगाड़े, बैंड बाजे व धार्मिक झांकियां सभी को अपनी और आकर्षित कर रही थी।

रविवार को क्षेत्र के ग्राम प्रसागढ़ सलीरा, रावणपुर खुर्द, भोजपुर तगा, बड़गांव, रघुनाथपुर, दासा माजरा, तेलीपुरा, मंडौरा, दुमझेडी, हरडा खेड़ी, बहादरा, नारायणपुर गुर्जर तथा सलीरी आदि गांवों में श्री गुरु रविदास जयंती का पर्व परंपरागत तरीके से मनाया गया। जहां कुछ जगहों पर शोभायात्रा निकाली गई वहीं कुछ गांवों में भंडारे का आयोजन कर प्रसाद वितरित किया गया। सुल्तानपुर नगर में निकाली गई शोभायात्रा में धार्मिक धुन पर बजते ढोल नगाड़े, बैंड बाजे व धार्मिक झांकियां सभी को अपनी ओर आकर्षित कर रही थी। शोभायात्रा नगर के मोहल्ला कोठीवाला से आरम्भ हुई जो कि चिलकाना से होते हुए बस स्टैंड पर पहुंची। जहां से मोहल्ला हामिद हसन को होकर वापस सुलतानपुर रविदास मंदिर पर जाकर सम्पन्न हुई।

रामपुर मनिहारान। संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती धूमधाम से मनाई गई।वक्ताओं ने गुरु महाराज की शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया।

संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के 649 वें प्रकाश पर्व पर मौहल्ला इकराम स्थित संत शिरोमणि गुरु रविदास मंदिर में आयोजित विचार गोष्ठी में संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास राज्यमंत्री जसवंत सैनी,ब्लॉक प्रमुख प्रति. निधि विजयपाल सिंह,चेयरपर्सन प्रतिनिधि कुलदीप बालियान ने कहा कि गुरु रविदास महाराज ने बुराइयों से बचने ऊंच नीच को समाप्त करने और सबका भला सोचने करने जैसी शिक्षा दी है।हम सभी को गुरु जी की शिक्षाओं और आदर्शों को अपने जीवन में उतारना चाहिए।अन्य वक्ताओं ने कहा कि हमें गुरुजी के आदर्शों का अपनाना होगा तभी जीवन सफल होगा। विचार गोष्ठी का बाद भव्य शोभायात्रा निकाली गई।जगह जगह शोभायात्रा का स्वागत किया गया।शोभायात्रा के साथ बज रही धुनों से वातावरण धर्ममय हो गया।

इस दौरान कृष्णचंद सैनी, चेयरपर्सन रेनू बालियान, पूर्व विधायक रविंद्र मोल्हू, पूर्व चेयरपर्सन प्रदीप चौधरी, डॉ रोहित राज गौतम, समिति अध्यक्ष नरेंद्र राहाने, युवराज सिंह, रवि प्रकाश, विकास, रविंद्र राहाने, आदित्य सिंह, शुभम कुमार, रोहित बर्मन, राहुल पिंडु, रविंद्र चौधरी, दिगम्बर सिंह, जबर सिंह, रामकुमार, प्रदीप बालियान, राहुल, नफीस सैफी, नदीम अहमद, अमित सैनी, नितिन कुमार, संदीप सैनी आदि समस्त सभासदों सहित भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

एसडीएम डॉ पूर्वा शर्मा, सीओ रुचि गुप्ता की देखरेख में कोतवाली प्रभारी इंस्पेक्टर राधेश्याम यादव पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

बेहट। गांव सलेमपुर गदा में संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई इस अवसर पर सुन्दर सुन्दर शोभायात्रा भी निक. ाली गई। कार्यक्रम का उदघाटन नगर पंचायत अध्यक्ष अब्दुर रहमान जिला पंचायत सदस्य चौधरी रामू तथा ग्राम प्रधान शोएब एडवोकेट ने संयुक्त रूप से किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सदस्य एवं वरिष्ठ युवा भाजपा नेता रामू चौधरी ,चेयरमैन बेहट अब्दुर रहमान उर्फ शालू भैया ने ने कहा कि हमें सदैव संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के जीवन से प्रेरणा लेकर एवं उनके आदर्शों पर चलने की सीख लेनी चाहिए। एवं समाज में फैली कुरीतियों को दूर करना चाहिए वह आध्यात्म की तरफ बढ़ना चाहिए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व ब्लाक प्रमुख एवं जिला पंचायत सदस्य हंसराज गौतम ने कहा कि शिरोमणि गुरु रविदास के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला।

शोभा यात्रा में मुख्य रूप से पूर्व जिला पंचायत सदस्य बाबू रमेश चंद, मन्नान रावत, सेक्टर अध्यक्ष राजेंद्र कुमार, ओमप्रकाश, पूर्व प्रधान प्रतिनिधि नीरज कुमार, समाजसेवी हसीन राणा, रईस मलिक ,अनुज कुमार,डॉ.अमन कुमार, डॉ विनय कुमार, सुलेखचंद, अजय कुमार, शेर सिंह नेता, रणजीत सिंह बनवाल, राजीव कुमार बनवाल आदि उपस्थित रहे।

नानौता। क्षेत्र में धूमधाम से संत रविदास जयंती मनाई गई प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सैनी के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहे। नानौता ब्लाक के मित्तरगढ़, शेखूपुरा, आभा, छिछरोली, औलरा, सिरसली, टिकरोल आदि गांवों में संत रविदास जयंती के अवसर पर मुख्यातिथि चैयरमेन पति व वरिष्ठ आसपा नेता अफजाल खान ने संत रविदास महाराज के जीवन पर प्रकाश डाला उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलकर ही जीवन उन्नतिशील हो सकता है। इस अवसर पर पूर्व उप प्रमुख शमशेर खघन, राशिद खान बरसा, एडवोकेट विनेश कुमार, सुनहरा, कृष्ण कुमार, राजपाल, विजय कुमार, अनुज सैनी, पप्पू डीलर, राज सिंह माजरा, इमरान खान, रवि कुमार आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे

हिन्दुत्व एक जीवन पद्धति: अरविंद

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर मनिहारान। विराट हिंदू सम्मेलन के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग कार्यवाह अरविंद ने अपने उद्बोधन में संघ की 100 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर प्रकाश डालते हुए उसके सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान को विस्तार से बताया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महर्षि डॉक्टर राजेश योगी, संस्थापक आरोग्य रिसर्च फाउंडेशन नोएडा ने हिंदुत्व की विशेषताओं, वर्तमान समय की चुनौतियों एवं उनके समाधान पर सारगर्भित उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व जीवन पद्धति है, जो समाज को एकजुट रखने का कार्य करती है। कार्यक्रम में पावन सानिध्य लोकतंत्र सेनानी आचार्य राजेंद्र अटल का रहा। उन्होंने अपने वक्तव्य में पांच परिवर्तन एवं पर्यावरण संरक्षण के विषय पर विस्तार से विचार रखे और प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखने का संदेश दिया। बहन कुमारी संतोष दीदी ने शांति, सद्भाव और सकारात्मक सोच का संदेश दिया, मधुर नेहरा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का मंच संच. ालन योगाचार्य नवनीत एवं नगर कार्यवाहक जयदीप द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का किया आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

देवबन्द। नगर की मदीना कालोनी एवं गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सभा में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन हुआ। इनमें क्षेत्र के लोगों ने आंख, बी.पी. व शुगर की जांच की जांच कराई साथ ही चिकित्सकों ने सर्दी के मौसम में होने वाली बीमारियों से बचाव के उपाय सुझाए।

मदीना कॉलोनी में स्थित काजमी यूनानी हर्बल क्लिनिक द्वारा लगाए गए निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का उद्घाटन जामिया तिब्बिया देवबंद के सचिव डा अनवर सईद ने किया। चिकित्सक डा. कमर काजमी ने सभी से अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने का आह्वान किया। डा. फैसल, डा. लक्ष्य, डा. तालिब आदि मौजूद रहे। **उधर,** रेलवे रोड स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सभा में आईआईएचटी पैरामेडिकल कॉलेज द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इसमें नगर क्षेत्र के 65 लोगों की आंख, बी.पी. व शुगर की जांच की गई। शिविर में डा. सतनाम सिंह ने स्वास्थ्य सम्बंधी व डा.अक्षय ने आंखों की जांच की। गुरूद्वारा कमेटी की ओर से डा. कुलदीप राणा एवं चिकित्सकों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कालेज प्रबंधक डा. कुलदीप राणा ने कहा कि स्वास्थ्य से बड़ा कोई धन नहीं है। इस तरह के आयोजन असहाय व जरूरतमंद लोगों के लिए बेहद लाभदायक होते हैं। गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान सेठ कुलदीप कुमार ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। इस दौरान सतीश गिरधर, श्याम लाल भारती आदि शामिल रहे।

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की

शाह टाइम्स ब्यूरो

देवबन्द। संत शिरोमणि गुरु रविदास का 649वां जन्मोत्सव नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम के साथ मनाया गया। क्षेत्र के कई गांवों में बैंडबाजों और सुंदर झांकियों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस प्रशासन तैनात रहा।

गुरु रविदास युवा समाज विकास समिति रविदास मार्ग जाटव नगर स्थित रविदास मंदिर में हवन पूजा एवं भोग भंडारे का अयोजन हुआ। समाज के लोगों ने संत गुरु रविदास के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। पूर्व सभासद राजकुमार जाटव ने कहा कि गुरु रविदास जी ने समानता, प्रेम, सत्य और भाईचारे का संदेश दिया। समाज के लोगों को उनके दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। अध्यक्ष बाबूराम, मास्टर यशपाल सिह, प्रवीण जाटव, उमेश जाटव, नितिन जाटव, वेदप्रकाश जाटव, विक्की निगम, सुशील जाटव, दलीप जाटव, कुलदीप, मुकेश बौद्ध आदि मौजूद रहे। वहीं, गांव चंदेना कोली, घ्याना, बेगमपुर, गंगदासपुर व साखन कलां समेत अन्य गांवों में शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में शामिल झांकियां देखने के लिए गांव की गलियों और छतों पर लोगों की भीड़ जमा रही। लोगों ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस बल तैनात रहा।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में हुआ हिंदू सम्मेलन

देवबन्द। हिंदू समाज की बंधुता, परस्पर प्रेम, सहयोग एवं स्वाभिमान को राष्ट्रीय स्वंयसेवक के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने बांग्लादेश में हिंदू समाज पर हो रहे अत्याचार की निंदा की गई। साथ ही वक्ताओं ने कहा कि अगर हम किसी चुनौती और किसी भी वक्त के सामने बिखरे तो हमे बांटने का षड्यंत्र कामयाब हो जाएगा।

शिक्षक नगर स्थित शिव पार्क में आयोजित हिंदू सम्मेलन में मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय ध्यान गुरु स्वामी दीपांकर महाराज ने कहा कि जहां भी धर्म, सनातन और देश की एकता की बात होगी वहां हिंदू एक होगा। उन्होनें कहा कि भारत की धरती का केंद्र हिंदू है। चुनौतियों और संघर्ष का सामना करने के लिए एकजूट होना होगा। कहा कि हम कभी जातियों के नाम पर कभी नहीं बंटने का संक्ल्प लेकर जाएंगे। कहा कि हमे आपस में संवाद कर एक होना होगा। उन्होंने मातृत्व शक्ति से आह्वान किया कि वह घर को बांधकर रखें। क्योंकि वह ही भगवति है और कल्पना चावला है। इसलिए हमे हिंदू होने पर गर्व होना चाहिए। इस दौरान हिंदू समाज को गर्व से कहो हम हिंदू है और हिंदुस्तान हमारा है आदि नारे लगा उत्साह बढ़ाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नवीन मास्टर और संचालन धर्मेश ने किया। इस दौरान विभाग प्रचारक आशूतोष, जिला प्रमुख अरविंद, पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग, विकास, विनय और गजराज राणा सहित बड़ी संख्या में लोग प्रस्तुत रहे। वहीं रेलवे रोड स्थित देवबंद सहकारी गन्ना विकास समिति में भी आयोजित हिंदू सम्मेलन में सामाजिक समरसता, एकता, संस्कृति और पंच परिवर्तना विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम को पंचदशनाम जूना अखाड़ा हरिद्वार से हंसानंद सरस्वती महाराज, संघ के प्रांत सह संपर्क प्रमुख मेरठ प्रांत वेदपाल, जिला प्रचारक अरविंद ने संबोधित किया। सम्मेलन की अध्यक्षता दीपक गुप्ता और संचालन अभिनव गुप्ता ने किया। इस दौरान लाजपत और गुरु गोविंद सिंह बस्ती के लोग आदि शामिल रहे।

एक नजर

हंगामा लोक समिति ने किया सम्मानित

धामपुर। हंगामा लोक सामाजिक साहित्य समिति के संरक्षक डॉ. जितेन्द्र कौशिक, निर्मला कौशिक, राजेन्द्र शर्मा, शशिबाला शर्मा व संस्था की संस्थापिका राखी कौशिक, उपासना कौशिक द्वारा संत शिरोमणि स्वामी रविदास जी की 649 वी जयंती के अवसर पर गुरु रविदास एवं बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर धर्मशाला नौरंगाबाद के अध्यक्ष सन्तराम सिंह, उपाध्यक्ष अक्षय कुमार, सचिव रविन्द्र कुमार, कोषाध्यक्ष फूल सिंह, चन्द्रपाल सिंह को सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया। शोभायात्रा का समिति द्वारा पुष्पवर्षा व प्रसाद वितरण कर भव्य स्वागत किया गया। समिति के सदस्यों द्वारा स्वामी रविदास जी के मंदिर में दीप प्रज्ज्वलित भी किया गया।

झाकियां और अखाड़े रहे आकर्षण का केंद्र

नांगल सोती। रविदास जयंती के जुलूस का शुभारंभ रविदास धर्मशाला जीतपुर से बड़ी धूमधाम और बैंडबाजो के साथ किया गया। जिसके बाद जुलूस को नांगल, जीतपुर और खानपुर के अनेकों मौहल्लों से निकाला गया। जुलूस में शामिल झांकियां और अखाड़े गाजे बाजे के साथ जुलूस में चार चांद लगा रहे थे। अखाड़े में खिलाड़ी करतब दिखाते चल रहे थे। इस दौरान आजाद समाज पार्टी नेता भीमसेन हल्दिया ने सन्त रविदास के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके विचार आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने समाज को समरसता, सहिष्णुता और भाइचारे का संदेश दिया। उनका मानना था कि मन चंगा तो कठौती में गंगा। सन्त रविदास ने समाज मे फैली कुरीतियों और छुआछूत और भेदभाव का जमकर विरोध किया। आज भी हमें उनसे समाज मे फैली कुरीतियों के विरुद्ध लड़ने की ताकत मिलती है। इस मौके पर छोटेलाल, नरपाल सिंह, नंदकिशोर, पीतम सिंह, वेदपाल सिंह, प्रमोद कुमार, करतार सिंह, मुकेश कुमार, महेंद्र सिंह, मुन्नू सिंह, राजपाल सिंह, वीर सिंह काले सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

आरजेपी में रविदास जयंती का आयोजन

बिजनौर। राजा ज्वाला प्रसाद आर्य इंटर कॉलेज में प्रबंधक उदयन वीरा के निर्देश पर प्रधानाचार्य कैप्टन बिशन लाल की अध्यक्षता एवं चंद्रहास सिंह के संचालन में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य कैप्टन बिशन लाल ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी ने अपने दोहों के जरिए समाज से भेद-भाव को दूर करने का बीड़ा उठाया था। संत रविदास ने लोगों को मन की ताकत को समझाते हुए अपने दोहों के जरिए जो सीख दी उसी के कारण समाज उन्नति की ओर अग्रसर हुआ। उप प्रधानाचार्य गयूर आसिफ ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रविदास जी ने अपनी वाणी से समाज में सामाजिक परिवर्तन करने का जो कार्य किया हमें उसे आगे बढ़ाना है। जय राम सिंह ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास जी ने मन चंगा तो कठौती में गंगा जैसी अमर सूक्ति देकर समाज को आत्म संतुष्टि के महत्व को समझाया। जिला विज्ञान समन्वयक सुधांशु वत्स ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी ने विषम परिस्थितियों में समाज को सार्थक दिशा देने का कार्य किया है। मनोज कुमार यादव ने कहा कि हमें संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के द्वारा दिए गए संदेश को हमे अपने जीवन में अनुसरण करते हुए उनके पद चिन्हों पर चलने की आवश्यकता है। इस अवसर पर एसपी गंगवार, बालेश कुमार, बृजेश कुमार, प्रधान लिपिक राजेंद्र कुमार, नरेंद्र कुमार, विनोद कुमार यादव, अतुल कुमार रस्तोगी, भूपेंद्र पाल, जयप्रकाश, भोलानाथ, अनुराग भारद्वाज, दयानंद शर्मा आदि ने संत जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

हवन में आहुति के साथ गौ कथा का समापन

नजीबाबाद। गीता भवन मंदिर में एक माह से चल रही माघ महात्म्य गौ कथा का समापन विधिवत रूप से हवन में पूर्ण आहुति देकर किया गया। पूर्णाहुति के लिए मंदिर में जन सैलाब उमड़ा। श्रद्धालुओं ने सभी की सुख शांति की कामना की। इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभोज का आनंद लिया। कथावाचक पंडित भोला शंकर शास्त्री जी ने बताया कि आज माघ पूर्णिमा है, शुक्र उदय व शुभ पुष्य नक्षत्र रहेगा। प्रत्येक पूर्णिमा का महत्व है, लेकिन माघी पूर्णिमा विशिष्ट है। धर्मशास्त्रों के अनुसार इस दिन स्नान, ध्यान व दान से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं, मोक्ष मार्ग प्रशस्त होता है। जप, हवन व पुण्यकर्म से अनंत फल व नवग्रह दोष शमन होता है। मान्यता है कि माघी पूर्णिमा रात्रि चंद्रमा की अमृतमयी किरणें जल में तत्व संचार करती हैं, जो कष्ट निवारक व आरोग्यदायक है। इस अवसर पर पंडित हर्षवर्धन बूटी, राकेश गर्ग एडवोकेट, सुनील महाजन, डॉ. जौहर, जितेंद्र पोपली आदि रहे।

ओपन जिम और खेल मैदान में जलभराव

लाखों की लागत से बना था जिम ग्रामीणों में रोष

शाह टाइम्स संवाददाता

धामपुर। क्षेत्र के गांव सुहागपुर में युवाओं और बुजुर्गों के स्वास्थ्य लाभ के लिए बनाया गया ओपन जिम और खेल मैदान आज बदहाली का शिकार हो गया है। वर्ष 2022 में मनरेगा, राज्य वित्त एवं केंद्र वित्त से लगभग 15 लाख रुपये की लागत से निर्मित यह पार्क और ओपन जिम महज दो दिन की हल्की बारिश में ही पानी से भर गया, जिससे इसका उपयोग पूरी तरह ठप हो गया है। स्थिति यह है कि जहां कभी बच्चों के खेलने, युवाओं के व्यायाम करने और बुजुर्गों के टहलने की व्यवस्था होनी थी, वहां आज घुटनों तक पानी भरा हुआ है।

ग्रामीणों के अनुसार सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत बनाए गए इस ओपन जिम का उद्देश्य गांव के युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली से जोड़ना और नशे जैसी बुराइयों से दूर रखना था। लेकिन जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण यह योजना शुरू होने से पहले ही दम तोड़ती नजर आ रही है। ओपन जिम के उपकरण पानी में डूबे हुए हैं और मैदान पूरी तरह दलदल में तब्दील हो चुका है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस भूमि पर ओपन जिम और खेल मैदान का निर्माण कराया गया, वह पहले से ही निचली और जलभराव वाली थी। इसके बावजूद बिना भराव और जल निकासी की पुख्ता व्यवस्था किए निर्माण करा दिया गया। परिणामस्वरूप थोड़ी सी बारिश में ही पूरा परिसर पानी से भर गया। ग्रामीणों का आरोप है कि लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद योजना का कोई लाभ उन्हें नहीं मिल पा रहा है।

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि लंबे समय से जलभराव रहने के कारण अब यह स्थान असामाजिक तत्वों की गतिविधियों का केंद्र बनता जा रहा है। जहां कभी योग और व्यायाम होना था, वहां अब नशीले पदार्थों के अवशेष मिलने की बात भी सामने आ रही है, जिससे गांव का माहौल प्रभावित हो रहा है।

मजेदार लेकिन दुखद पहलू यह है कि इस ओपन जिम के स्वागत द्वार पर देश की प्रसिद्ध महिला धावक और 'उड़न परी' के नाम से मशहूर पीटी उषा के नाम का बोर्ड लगा हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि जहां दौड़ और फिटनेस को बढ़ावा देने का सपना देखा गया था, वहां आज पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।

इस संबंध में ग्राम प्रधानपति से संपर्क करने का प्रयास किया गया। मगर उनका मोबाइल नोट रीचेबल आया। ग्रामीणों ने मांग की है कि जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया जाए और जल निकासी व भराव की स्थायी व्यवस्था कर इस ओपन जिम को उपयोग योग्य बनाया जाए, ताकि सरकारी धन का सही उपयोग हो सके।

मुदस्सिर जमा खान का कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा

शाह टाइम्स संवाददाता

किरतपुर। कांग्रेस पार्टी से मुदस्सिर जमा खान के इस्तीफे ने नगर की राजनीति में जबरदस्त खलबली मचा दी है। तीन पीढ़ियों से कांग्रेस की जमीनी राजनीति से जुड़े परिवार का यह फैसला न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि आने वाले राजनीतिक समीकरणों की ओर भी इशारा कर रहा है।

मुदस्सिर जमा खान का परिवार दशकों से कांग्रेस पार्टी के साथ खड़ा रहा है। उनके दादा ने पूरी जिंदगी कांग्रेस पार्टी में रहकर समाजसेवा और संगठन को मजबूत करने का कार्य किया, जबकि उनके पिता मुबशिर जमा खान का आज भी कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में शुमार हैं और खुद मुदस्सिर जमा खान ने भी कांग्रेस पार्टी में रहकर विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया और संगठनात्मक जिम्मेदारियों को निभाया। ऐसे में उनका पार्टी से इस्तीफा देना कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। हालांकि इस्तीफे के पीछे की वास्तविक परिस्थितियों को लेकर उन्होंने सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं कहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आने वाले दिनों में मुदस्सिर जमा खान आसपा या फिर आरएलडी का दामन थाम सकते हैं। कुल मिलाकर, कांग्रेस की मजबूत मानी जाने वाली पारिवारिक विरासत का इस तरह टूटना किरतपुर की राजनीति में नए मोड़ और नए समीकरणों की शुरुआत माना जा रहा है।

सीएचसी में कर्मचारी का विदाई समारोह

शाह टाइम्स संवाददाता

नगीना। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सफाई कर्मचारी की सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर तैनात नाम राजीव कुमार स्वीपर स्टाफ पद से रिटायर हुए।

अस्पताल परिसर में आयोजित समारोह में राजेश कुमार को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा उन्हें विभाग की ओर से चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विशाल दिवाकर द्वारा 12 लाख रुपये का ग्रेजुटी का चेक दिया गया। इस मौके पर सेवानिवृत्त कर्मचारी ने अपने कार्यकाल के अनुभव और यादें साझा कीं। उन्होंने साथी कर्मचारियों और अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रभारी डॉ. विशाल दिवाकर, डॉ. माज शमसी, डॉ. उज्ज्वल, अनमोल सिंह, प्यारे लाल, मग्न रावत, अरुण कुमार, पीयूष कुमार, हितेश त्रिपाठी, संजीव कुमार, गौरव राजपूत, सनाउल हक, पूजा विश्नोई, पंकज वर्मा, अभय कुमार, सुनील कुमार एपीओ, अभिनय एडवोकेट, कपिल कुमार, नीरज बिश्नोई, राज कुशवाहा, अनूप बाल्मीकि, मनोज बाल्मीकि समेत अन्य अधिकारी-कर्मचारी व गणमान्य मौजूद रहे। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त कर्मचारी को उनके नए जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वे अपने अनुभव का लाभ समाज को देते रहेंगे।

आरएसएम में विराट हिंदू सम्मेलन

देवी-देवताओं के हाथों में शास्त्र और शस्त्र दोनों होते हैं : साध्वी मैत्री

शाह टाइम्स संवाददाता

धामपुर। आरएसएस के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में शिवाजी बस्ती के लोगों ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

एसबीडी महिला महाविद्यालय में देर शाम कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोगों ने प्रतिभाग किया। सम्मेलन में श्रीमद् हनुमत भक्ति प्रचार मंडल द्वारा सात बार सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। साहिबजादा बाबा अजित सिंह दल द्वारा गतका का प्रदर्शन किया गया, जिसमें शस्त्रों का हैरत अंगेज प्रदर्शन कर सभी को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर किया गया। सरदार गुरुचरण सिंह ने बताया कि गुरु गोविंद सिंह द्वारा बनाए गए सिख पंथ को बनाकर मार्शल आर्ट्स को सीखकर हिंदू समाज की रक्षा करने का संदेश दिया गया है और शास्त्र एवं शस्त्र दोनों को नियमित अभ्यास करने का भी संदेश दिया है। जिससे हिंदू समाज की रक्षा की जा सके। आरएसएस के प्रांत प्रचारक अनिल कुमार ने संघ की 100 वर्ष की यात्रा का विस्तार से वर्णन किया। आरएसएस के प्रांत बौद्धिक प्रमुख सुनील कुमार ने संघ की पंच परिवर्तन का संदेश हिंदू समाज को दिया। बताया कि सनातन धर्म एवं हिंदू संस्कृति लाखों वर्ष पुरानी है, जिसे हमारे पूर्वजों ने त्याग बलिदान देकर सुरक्षित बनाए रखा है। अब हम सब हिंदू समाज को भी आरएसएस के साथ मिलकर हिंदू समाज की रक्षा के करने के लिए आगे आना होगा।

हिंदू सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में साध्वी मैत्री दीदी ने महिलाओं से अपने बच्चों को संस्कारवान बनाने का आह्वान किया और कहा कि धार्मिक कार्यक्रम में अपने बच्चों को साथ में लाकर हिंदू संस्कृति की शिक्षा देनी चाहिए, तभी हमारे बच्चे संस्कारवान बनेंगे और हिंदू समाज की रक्षा कर सकेंगे। हमारे सभी देवी देवताओं के हाथों में शास्त्र और शस्त्र दोनों होते हैं इसलिए हमें इन दोनों को अपने घरों में रखना चाहिए।

हिंदू सम्मेलन में अमित कुमार नगर प्रचारक, क्रांति कुमार विभाग प्रचारक, पीयूष शर्मा, अनिल ग्रोवर, आलोक कुमार, राहुल, चरण गोयल, अभय गोयल, प्राचार्या पूनम चौहान, व्यवस्थापिका रेनू गोयल, यश दुआ, अनिल के गोयल, अनुपम कुमार, उदित जैन, पुरुषोत्तम अग्रवाल, जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह बॉबी, सुभाष चौहान एवं हिंदू समाज के प्रबुद्ध लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरदार गुरु चरण सिंह द्वारा की गई और संचालन अर्चना कुंतल एवं आजाद चौहान एडवोकेट द्वारा किया गया।

एस.पी. कान्वेंट स्कूल के विद्यार्थियों का शैक्षिक टूर

शाह टाइम्स संवाददाता

चांदपुर। एसपी कान्वेंट सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं को ग्राम धीवरपुरा ब्लॉक जलीलपुर स्थित विदुरभूमि एग्रो नामक काजू फैक्ट्री का एक शैक्षिक टूर कराया गया।

इस दौरान विद्यालय प्रबंधन की ग्राम धीवरपुरा में स्थित विदूर भूमि एग्रो नामक काजू की फैक्ट्री का एक शैक्षिक टूर कराते हुए बच्चों को जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस इंडस्ट्रियल टूर पर बच्चों को यह बताया गया कि आप जो अपने घर में काजू खाते हैं, उसका कच्चा माल विदेश से यहां लाकर मशीनों की सहायता से कैसे तैयार किया जाता है। प्रबंधक अनंत अग्रवाल ने बताया कि विदेश से आने वाले काजू के कच्चे माल को पेड़ों से प्राप्त किया जाता है तथा इसको भारत लाकर फैक्ट्री में मशीनों के द्वारा कई अलग-अलग प्रक्रिया द्वारा काजू को खाये जाने के योग्य बनाया जाता है। छात्रों ने फैक्ट्री का अच्छे से भ्रमण किया और काजू से मिलने वाली सभी जानकारी प्राप्त की। सभी बच्चों ने अंत में फैक्ट्री में तैयार किया हुआ काजू भी खाया व इस टूर का पूरा आनंद उठाया।

नि:शुल्क बहरापन जांच शिविर का आयोजन आज

मुजफ्फरनगर। 2 फरवरी सोमवार को वरिष्ठ नागरिक हेतु एक विशाल बहरापन जांच एवं परामर्श हेतु एक निशुल्क शिविर का आयोजन तनेजा हॉस्पिटल रेलवे रोड, मुजफ्फरनगर पर प्रात: 11:00 बजे से 02:00 बजे तक लगाया जाएगा।

डॉ. तनेजा ने बताया कि श्रवन शक्ति बहरापन वृद्धावस्था में याददास्त डिमेंशिया का मुख्य कारण है। भारत सरकार के आंकड़ो के अनुसार 65 वर्ष कि आयु पर 33 प्रतिशत में तथा 75 वर्ष कि आयु में 48 प्रतिशत को बहरापन हो जाता है जो नसों के प्रभावित होने के फलस्वरूप श्रवण यन्त्र भी अच्छा काम नहीं करता है। डॉ. तनेजा ने बताया कि बहरापन का बचाव आवश्यक है। बहरापन, ब्लड प्रेशर गुर्दा रोग और हृदय रोगियों में अधिकता से पाया जाता है। समय रहते इसे ग्रीवा चक्र चालन, उन्मुक्त मुद्रा, त्राटक, भ्रामरी प्राणायाम गंडूष तथा औषधियों से बढ़ते बहरापन को नियंत्रित किया जा सकता है। डॉ. तनेजा जो वरिष्ठ नाक, कान व गला रोग विशेषज्ञ डा. एवं भ्रामरी प्राणायाम है ने बताया कि शिविर में दिखाए रोगियों को 14 दिन तक निशुल्क परामर्श प्रदान किया जाएगा।

विदर्भ ने उत्तर प्रदेश को चार विकेट से हराया

नागपुर, वार्ता। अमन मोखाड़े (83) और दानिश मालेवर (54) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत विदर्भ ने रविवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए मुकाबले के चौथे दिन उत्तर प्रदेश को चार विकेट से हराया। यहां विदर्भ ने कल 91 रन पर चार विकेट से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में 173 के स्कोर पर अमन मोखाड़े के रुप में विदर्भ का पांचवां विकेट गिरा। उन्हें शिवम शर्मा ने आर्यन के हाथों कैच आउट कराया। अमन मोखाड़े ने 150 गेंदों में 10 चौके लगाते हुए 83 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। मुकाबला जीतने के बेहद करीब विदर्भ को ध्रुव जुरेल ने दानिश मालेवर को विकेटकीपर आदित्य शर्मा के हाथों कैच आउट करा दिया। इसी ओवर की दूसरी गेंद पर नचिकेत भूटे ने छक्का लगाकर विदर्भ को चार विकेट से जीत दिला दी। उत्तर प्रदेश के लिए शिवम शर्मा ने चार विकेट लिए।

देविका सिंहाग ने थाईलैंड मास्टर्स में जीता अपना पहला सुपर 300 खिताब

● **देविका सिंहाग ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया और फाइनल में मलेशियाई खिलाड़ी गोह जिन वेई को हराया**

बैंकॉक, वार्ता। भारत की देविका सिंहाग ने बड़े मंच पर शानदार तरीके से अपनी मौजूदगी दर्ज कराई, उन्होंने थाईलैंड मास्टर्स 2026 में अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 खिताब जीता। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया और फाइनल में मलेशिया की गोह जिन वेई को हराया। 20 साल की देविका ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी गेम नहीं हारा और मजबूत अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के खिलाफ लगातार शानदार प्रदर्शन किया। उनका सबसे यादगार पल क्वार्टर फाइनल में आया, जहां उन्होंने टॉप सीड सुपाणिडा कैथोंग को हराया, जिससे खिताब की ओर उनके शानदार सफर की शुरुआत हुई।

फाइनल में, देविका ने मलेशिया की गोह के खिलाफ पूरा कंट्रोल बनाए रखा, जो यूथ ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट और दो बार की जूनियर वर्ल्ड चैंपियन हैं। भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम 21-8 से जीता, जिसमें उन्होंने अपने तेज अटैक और कोर्ट कवरेज का शानदार प्रदर्शन किया। दूसरे गेम में वह 6-3 से आगे थीं, जब गोह को रिटायर होना पड़ा, जिससे देविका ने आसानी से खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ, देविका सुपर 300 महिला सिगल्स खिताब जीतने वाली सिर्फ तीसरी भारतीय महिला बन गई हैं, और वह पीवी सिधु और सायना नेहवाल जैसी दिग्गज खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो गई हैं।

विश्व कप के लिए पूरी टीम तैयार: सूर्या

● **भारत ने कीवियों के खिलाफ सीरीज में 4-1 से शानदार जीत हासिल की, जिससे आने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप के लिए उनकी तैयारी पूरी हो गई**

तिरुवनंतपुरम, वार्ता। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज में 4-1 से शानदार जीत हासिल की, जिससे आने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप के लिए उनकी तैयारी पूरी हो गई।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की वेबसाइट के मुताबिक, श्रीलंका के साथ टूर्नामेंट के को-होस्ट भारत, पूरी सीरीज में ब्लैक कैप्स को हर डिपार्टमेंट में हराकर वर्ल्ड कप में अपनी तरफ से मोमेंटम के साथ उतर रहा है। भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव, जो पहली बार किसी आईसीसी इवेंट में टीम की कप्तानी करेंगे, ने अपने पर्सनल फॉर्म और टीम के ओवरऑल परफॉर्मेंस दोनों पर खुशी जताई, साथ ही अच्छे नतीजों के बावजूद सीखने की अहमियत पर जोर दिया।

पांचवें टी-20 में भारत की जीत में 63 रन बनाने के बाद प्लेयर ऑफ द सीरीज बने सूर्यकुमार ने कहा कि हम खुश हैं। जब आप किसी टीम की कप्तानी कर रहे हों तो रन बनाना हमेशा अच्छा होता है, आप मिसाल बनकर लीड करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि एक टीम के तौर पर, चीजें बहुत अच्छी चल रही हैं। लेकिन जब हम जीतते हैं, तो हम उससे सीखने और अगले गेम या सीरीज में सुधार करने की भी कोशिश करते हैं। सूर्यकुमार ने कहा कि इस सीरीज ने 7 फरवरी से शुरू होने वाले ग्लोबल टूर्नामेंट से पहले कीमती तैयारी का मौका दिया। उन्होंने कहा कि ए पांच गेम टी-20 वर्ल्ड कप कैंपेन शुरू करने से पहले अच्छी तैयारी थे। लड़के और मैं बहुत उत्साहित हैं। भारत का टॉप ऑर्डर सीरीज का एक बड़ा आकर्षण था, जिसमें सूर्यकुमार के साथ ईशान किशन और अभिषेक शर्मा ने जबरदस्त शुरुआत दी। किशन ने 43 गेंदों पर 103 रन बनाकर सीरीज के सबसे शानदार प्रदर्शनों में से एक किया, जिससे भारत अपने तीसरे सबसे बड़े टी-20 टोटल तक पहुंचा। सूर्यकुमार ने कहा कि हम हमेशा जानते थे कि ईशान क्या कर सकता है। ष्हम चाहते थे कि वह उसी तरह बैटिंग करे, अपनी पहचान न बदले, चाहे वह ओपनिंग करे या नहीं।

उन्होंने आगे कहा कि टॉप पर किशन और शर्मा के आक्रामक रवैए ने मिडिल ऑर्डर और फिनिशर्स पर दबाव कम किया। टी-20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से शुरू होने वाला है, जिसमें भारत का लक्ष्य टूर्नामेंट से पहले के अपने अच्छे फॉर्म को ग्लोबल स्टेज पर सफलता में बदलना है।

अवैध एक्शन के लिए अमेरिका की खिलाड़ी को किया सस्पेंड

काठमांडू, वार्ता। अमेरिका की सीम बॉलर इसानी वाघेला को इंटरनेशनल क्रिकेट में बॉलिग करने से सस्पेंड कर दिया गया है, क्योंकि आईसीसी इवेंट पैनल ने पुष्टि की है कि वह अवैध बॉलिग एक्शन का इस्तेमाल करती हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की वेबसाइट के अनुसार, यह फैसला मैच अधिकारियों की एक रिपोर्ट के बाद लिया गया, जब नेपाल में हो रहे आईसीसी महिला टी-20 वर्ल्ड कप क्वालिफायर 2026 में आयरलैंड के खिलाफ अमेरिका के मैच के दौरान वाघेला को देखा गया था। आईसीसी के अनुसार, इवेंट पैनल ने वाघेला के अगले मैच के बॉलिग एक्शन के मैच फुटेज की समीक्षा की और निष्कर्ष निक. ाला कि यह बॉलिग एक्शन को नियंत्रित करने वाले नियमों का पालन नहीं करता है। नतीजतन, उन्हें आईसीसी नियमों के अनुच्छेद 6-7 के तहत तत्काल प्रभाव से इंटरनेशनल क्रिकेट में बॉलिग करने से सस्पेंड कर दिया गया है। यह सस्पेंशन तब तक रहेगा जब तक वाघेला अपने बॉलिग एक्शन का फिर से मूल्यांकन नहीं करवा लेतीं और उन्हें बिना किसी अवैध एक्शन के बॉलिग करने की अनुमति नहीं मिल जाती।

नवाचार को बढ़ावा देने के लिए खेलों से संबंधित एक समर्पित पहल का प्रस्ताव

खेल क्षेत्र रोजगार के बहुत सारे साधन, कौशल और नौकरियों के अवसर प्रदान करता है

नई दिल्ली, वार्ता। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने आज संसद में केंद्रीय बजट 2026-27 पेश करते हुए कहा कि उच्च गुणवत्तापूर्ण, किफायती खेल सामान के लिए भारत के वैश्विक केंद्र के रूप में उभरकर सामने आने की क्षमता का लाभ उठाने के लिए खेलों के सामान से संबंधित एक पहल का देश में शुभारंभ किया जाएगा।

खेलों से संबंधित सामान पर की गई घोषणा तीन कर्तव्यों के पहले कर्तव्य पर केंद्रित है, जो इस वर्ष के बजट के स्तंभों का निर्माण करती हैं, अर्थात आर्थिक वृद्धि को गति देना और उसको बनाए रखना, उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता को बेहतर करना और उथल-पुथल वाले वैश्विक डायनेमिक्स के प्रति लचीलेपन का निर्माण करना। खेलों के सामान से संबंधित इस पहल का उद्देश्य उपकरण डिजाइन और सामग्री विज्ञान दोनों में विनिर्माण, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना है। केंद्रीय बजट ने एक और महत्वपूर्ण प्रस्ताव किया है, जो देश के खेलों से संबंधित इकोसिस्टम को मजबूत करेगा। अपने बजट भाषण में श्रीमती निर्मला सीतारमण ने कहा कि खेल क्षेत्र रोजगार के बहुत सारे साधन, कौशल और नौकरियों के अवसर प्रदान करता है। खेलो इंडिया कार्यक्रम के द्वारा खेलों से जुड़ी प्रतिभाओं के व्यवस्थित बढ़ावा देने को और आगे ले जाने के लिए मैं खेलो इंडिया मिशन के शुभारंभ का प्रस्ताव करती हूं, जो अगले एक दशक में खेल क्षेत्र का कायाकल्प कर देगा। यह कदम बजट में रेखांकित किए गए दूसरे कर्तव्य के अनुरूप है, अर्थात देश के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना और उनकी क्षमताओं को विकसित करना, ताकि वे भारत की समृद्धि के मार्ग में मजबूत भागीदार बन सकें। जैसा कि केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, खेलो इंडिया मिशन निम्नलिखित को सुगम बनाएगा। एक एकीकृत प्रतिभा विकास मार्ग, जो बुनियादी, इंटरमीडियट और एलीट स्तर पर प्रशिक्षण केंद्रों द्वारा समर्थित होगा।

विश्व कप से पहले दो अभ्यास मैच खेलेंगे तिलक

● **रणजी ट्रॉफी के दौरान लगी चोट के बाद अंडकोष की सर्जरी कराने के चलते वे लगभग वे एक महीने से मैदान से बाहर थे**

मुंबई, वार्ता। भारत के बल्लेबाज तिलक वर्मा को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से खेलने की मंजूरी मिल गई है और वह 2026 टी-20 विश्व कप से पहले दो अभ्यास मैच खेलेंगे। जनवरी की शुरुआत में रणजी ट्रॉफी के दौरान लगी चोट के बाद अंडकोष की सर्जरी कराने के चलते वे लगभग एक महीने से मैदान से बाहर थे। तिलक पहले 2 फरवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ इंडिया ए टीम की ओर से खेलेंगे और इसके बाद 4 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के अभ्यास मैच में हिस्सा लेंगे। भारत का 2026 टी-20 विश्व कप में पहला मैच 7 फरवरी को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ है। तिलक न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में नहीं खेल पाए और उनकी गैरमौजूदगी में भारत ने लगभग सभी मैचों में नंबर तीन पर इशान किशन को खिलाया। सर्जरी के बाद तिलक सीओई में रिकवरी कर रहे थे और बीसीसीआई के एक बयान में 26 जनवरी को कहा गया था कि वे अपनी रिहैबिलिटेशन में लगातार प्रगति कर रहे हैं। ऑलराउंडर सुंदर भी इस सीरीज से बाहर रहे और आने वाले दिनों में उनका फटिनेस टेस्ट होने की उम्मीद है। रियान पराग कंधे की चोट के कारण लगभग दो महीने से नहीं खेले हैं और वे भी टी-20 विश्व कप से पहले इंडिया ए के दो अभ्यास मैच खेलेंगे। इनमें से दूसरा मैच 6 फरवरी को बेंगलुरु स्थित सीओई में नामीबिया के खिलाफ होगा। भारत 2026 टी-20 विश्व कप में ग्रुप ए में है और 7 फरवरी को मुंबई में अमेरिका, 12 फरवरी को दिल्ली में नाम. ीबिया, 15 फरवरी को कोलंबो में पाक और 18 फरवरी को अहमदाबाद में नीदरलैंड्स के खिलाफ उनका मुक़ाबला है।

कृष्णा मेनन ने अपना ही शॉट पुट रिकॉर्ड तोड़ा

● **कृष्णा जयशंकर मेनन ने 6.63 मी. थ्रो के साथ खिताब जीता और अपने पिछले 16.03 मी. के रिकॉर्ड को बेहतर बनाया, जो उन्होंने पिछले साल अल्बुकर्क में किया था**

अमेरिका, वार्ता। भारत की कृष्णा जयशंकर मेनन ने शनिवार को न्यू मैक्सिको टीम ओपन 2026 एथलेटिक्स मीट में महिलाओं के इंडोर शॉट पुट स्पर्धा में अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड बेहतर करते हुए खिताब अपने नाम किया। पूर्व भारतीय बास्केटबॉल खिलाड़ी प्रसन्ना और जयशंकर मेनन की बेटी कृष्णा ने 16.63 मीटर थ्रो के साथ खिताब जीता और अपने पिछले 16.03 मीटर के रिकॉर्ड को बेहतर बनाया, जो उन्होंने पिछले साल अल्बुकर्क में ही हासिल किया था। हन्ना रिचर्डसन (15.94 मीटर) और एलेशा लेन (14.52 मीटर) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। नियमों के अनुसार, नेशनल रिकॉर्ड को एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) से मंजूरी मिलनी शेष है।

इस महीने की शुरुआत में नेवादा इंटरनेशनल जीतने के बाद इस साल अपनी दूसरी मीट में हिस्सा लेते हुए, कृष्णा ने 15.99 मीटर के प्रयास के साथ शाम का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अपने दूसरे थ्रो में हासिल किया। उन्होंने प्रतियोगिता की शुरुआत 14.45 मीटर के सामान्य थ्रो से की, जिसे उन्होंने अपने दूसरे थ्रो में सुधार कर 16-63 मीटर कर दिया। अपने तीसरे प्रयास में फाउल करने के बाद, कृष्णा ने 14.82 मीटर और 14.92 मीटर दर्ज किया और अपने आखिरी थ्रो में फिर से फाउल कर दिया। 23 साल की कृष्णा पिछले साल माउंटेन वेस्ट इंडोर ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप में 16.03 मीटर के प्रयास के साथ महिलाओं के इंडोर शॉट पुट में 16 मीटर का आंकड़ा पार करने वाली पहली भारतीय एथलीट बनीं और उन्होंने पूर्णिमा राव राणे के पिछले 15.54 मीटर के रिकॉर्ड को तोड़ा।

पुड्डुचेरी ने राजस्थान को पांच विकेट से हराया

पुड्डुचेरी, वार्ता। जसवंत श्रीराम (57) और अजय रोहेरा (नाबाद 49) की शानदार पारियों की बदौलत पुड्डुचेरी ने रविवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले के चौथे दिन राजस्थान को पांच विकेट से हरा दिया। यहां पुड्डुचेरी ने कल के दो विकेट पर 51 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में मो. हत चांगरा ने पुनीत दाते (25) को आउटकर राजस्थान को तीसरी सफलता दिलाई। 31वें ओवर में अजय सिंह ने जसवंत श्रीराम को आउटकर पुड्डुचेरी को चौथा झटका दिया। जसवंत श्रीराम ने 87 गेंदों में सात चौके लगाते हुए 57 रनों की पारी खेली। राममूर्ति राघवन (छह) रन बनाकर मोहित चांगरा का शिकार बने। पुड्डुचेरी ने 44-1 ओवर में पांच विकेट पर 172 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। राजस्थान के लिए मोहित चांगरा ने चार विकेट लिए। अजय सिंह ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

आयरलैंड ने थाईलैंड को हराकर 2026 महिला टी-20 विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया

● **आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 121 रन बनाए, जबकि थाईलैंड सिर्फ 59 रन पर सिमट गई**

नेपाल, वार्ता। अर्लीन केली (चार विकेट), लारा मैकब्राइड (तीन विकेट) के बेहतरीन गेंदबा. जी प्रदर्शन की बदौलत आयरलैंड की महिला टीम ने रविवार को थाईलैंड पर 62 रनों से जीत दर्ज की। इसी के साथ वह 2026 महिला टी-20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली तीसरी टीम बन गई है। जून-जुलाई में इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले इस बड़े टूर्नामेंट में वह बंगलादेश और नीदरलैंड्स के साथ शामिल हो गई है। यहां क्वालिफायर के आखिरी दिन थाईलैंड के खिलाफ खेलते हुए, आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 121 रन बनाए। थाईलैंड का टूर्नामेंट में बल्ले से सबसे खराब दिन रहा और आयरलैंड के गेंदबा. जी आक्रमण के आगे उसकी पूरी टीम 16-1 ओवर में सिर्फ 59 रन पर सिमट गई। आयरलैंड को 62 रनों से जीत दर्ज की। गैबी लुईस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, आयरलैंड की टॉप तीन बल्लेबाजों एमी हंटर (15 गेंदों में 24), लुईस (30 गेंदों में 25), और ओर्ला प्रेंडरगास्ट (22 गेंदों में 24) सभी ने अच्छी शुरुआत की और दसवें ओवर के आखिर तक आयरलैंड का स्कोर 71 रन था। 12वें ओवर तक उसके तीनों अनुभवी बल्लेबाज आउट हो चुके थे। लुईस लिटिल ने 18 गेंदों में 14 रन बनाए, और जेन मैगुइरे 12 गेंदों में 15 रन बनाकर नाबाद रहीं। थाईलैंड के लिए लेगस्पिनर सुलीपोर्न लाओमी ने 24 रन देकर चार विकेट लिए। सुनीदा चतुरोंगरताना को दो विकेट मिले। इसके बाद 122 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी थाईलैंड के बल्लेबाज आयरलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक नहीं टिक सके। कप्तान नारुएमोल चाईवाई ने सर्वाधिक 22 रन बनाए। उनके अलावा नन्नापत कोंचारोएनकाई 15 रन बनाकर आउट हुईं। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 26 रनों की साझेदारी हुई। शेष नौ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। आयरलैंड के लिए अर्लीन केली ने चार ओवर में सात रन देकर चार विकेट झटके, जबकि ऑफस्पिनर लारा मैकब्राइड ने छह रन देकर तीन विकेट लिए एमी मैगुइरे को दो विकेट मिले। ओरला ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

माया को मुंबई ओपन के मुख्य ड्रा के लिए वाइल्ड कार्ड

● **माया राजेश्वरन ने पिछले सीजन में अपना ब्रेकआउट टूर्नामेंट खेला था, जिसमें उन्होंने अपने से कई ज्यादा रैंक वाली खिलाड़ियों को हराया था**

मुंबई, वार्ता। 16 साल की सेंसेशन माया राजेश्वरन रेवती एल एंड टी मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125के सीरीज में वाइल्ड कार्ड के तौर पर मेन ड्रॉ में वापसी कर रही हैं। यह टूर्नामेंट 2 से 8 फरवरी, 2026 तक मुंबई में महाराष्ट्र स्टेट लॉन टेनिस एसोसिएशन में होगा।

माया ने पिछले सीजन में अपना ब्रेकआउट टूर्नामेंट खेला था, जिसमें उन्होंने क्वालिफायर से लेकर मेन ड्रॉ सेमीफाइनल तक कई ज्यादा रैंक वाली इंटरनेशनल खिलाड़ियों को हराया था। उन्हें आखिर में चैंपियन बनी जिल टीचमैन ने बाहर कर दिया था। अपने दूसरे एडिशन में, माया मेन ड्रॉ के पहले राउंड में थाईलैंड की पांचवीं सीड लानलाना तारारुडी से भिड़ेंगी, क्योंकि वह पिछले साल टूर्नामेंट में अपने शानदार प्रदर्शन को आगे बढ़ाना चाहती हैं। मुंबई ओपन के 2025 एडिशन में अपने शानदार प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए माया ने कहा कि 2025 मुंबई ओपन मेरे ब्रेकआउट टूर्नामेंट में से एक था और मुझे घरेलू दर्शकों के सामने खेलने का चैलेंज बहुत पसंद आया।

2025 मेरे लिए एक अच्छा साल था क्योंकि मैंने बहुत यात्रा की, कई टूर्नामेंट में हिस्सा लिया और कई ज्यादा रैंक वाली खिलाड़ियों के साथ खेला, जिससे मुझे कीमती अनुभव मिला। यह पहली बार था जब मैंने लगातार टूर्नामेंट खेले, जिससे मुझे वर्कलोड मैनेजमेंट को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली। पिछले एडिशन के शानदार प्रदर्शन के बाद, माया से काफी उम्मीदें हैं, लेकिन वह इससे परेशान नहीं दिखतीं।

फाइनल में हरियाणा से भिड़ेंगी दिल्ली

● **दिल्ली दंगल वॉरियर्स ने खेले गए रोमांचक सेमीफाइनल में महाराष्ट्र केसरी को 5-4 से हराकर प्रो रेसलिंग लीग के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली**

नोएडा, वार्ता। दिल्ली दंगल वॉरियर्स ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए रोमांचक सेमीफाइनल 2 में महाराष्ट्र केसरी को कड़े मुकाबले में 5-4 से हराकर प्रो रेसलिग लीग 2026 के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। बाउट दर बाउट उतार-चढ़ाव से भरे इस मुकाबले में दिल्ली ने दबाव में संयम दिखाते हुए जीत दर्ज की और खिताबी मुकाबले में हरियाणा थंडर्स से टक्कर तय की। 57 किग्रा पुरुष वर्ग में शानदार वापसी जीत के लिए शुभम कौशिक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि 57 किग्रा महिला वर्ग में दबदबा दिखाने वाली मनीषा भनवाला को फाइटर ऑफ द मैच का सम्मान मिला।

62 किग्रा महिला मुकाबले में अंजली के दम पर दिल्ली ने शानदार शुरुआत की। दुदोवा बिल्याना झिवकोवा के खिलाफ संयमित और सटीक प्रदर्शन करते हुए अंजली ने टेकडाउन, पुश-आउट और पावर मिनट में निर्णायक चार अंकों की चाल के साथ 12-4 से जीत दर्ज कर दिल्ली को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके जवाब में 57 किग्रा महिला वर्ग में महाराष्ट्र की मनीषा भनवाला ने कार्ला गोडिनेज गोंजालेज पर एकतरफा दबदबा बनाते हुए लगातार टेकडाउन- टर्न संयोजनों से 15-0 की टेक्निकल सुपीरियॉरिटी से जीत दर्ज कर स्कोर बराबर कर दिया। हेवीवेट मुकाबले में महाराष्ट्र का पलड़ा भारी रहा, जहां कप्तान रॉबर्ट बारान ने अपना अपराजेय अभियान जारी रखा। शुरुआती एक्टिविटी प्वाइंट गंवाने के बाद बारान ने दूसरे पीरियड में, खासकर पावर मिनट में, टेकडाउन और एक्सपोजर के जरिए रौनक को 11-1 से हराकर महाराष्ट्र को बढ़त दिलाई। 53 किग्रा महिला वर्ग में निशु भनवाला ने सारिका के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में बढ़त को और मजबूत किया। पहले पीरियड की मजबूत शुरुआत के बाद, दूसरे पीरियड में सारिका की जोरदार वापसी के बावजूद महाराष्ट्र ने 7-6 की करीबी जीत के साथ स्कोर 3-1 कर लिया। हार के दबाव में दिल्ली को 57 किग्रा पुरुष वर्ग में शुभम कौशिक के रूप में जीवनदान मिला। घुटने की तकलीफ के बावजूद शुभम ने पावर मिनट में टूर्नामेंट के यादगार पलों में से एक रचते हुए चार अंकों के एक्सपोजर और उसके बाद चार अंकों के टेकडाउन से 11-10 की नाटकीय जीत हासिल की और दिल्ली को मुकाबले में बनाए रखा। 76 किग्रा महिला मुकाबले में यूरा. ेपीय चैंपियन अनस्तासिया अल्पएएवा ने हर्षिता मोर के खिलाफ अनुभव का बेहतरीन नमूना पेश किया। शुरुआती अंक गंवाने के बाद अल्पएएवा ने तेज टेकडाउन और पुश-आउट के जरिए नियंत्रण हासिल किया और 7-5 की जीत के साथ सेमीफाइनल को 3-3 की बराबरी पर ला दिया। इसके बाद 86 किग्रा पुरुष वर्ग में वाफाएईपौर हादी बख्तियार ने अमित के खिलाफ कड़े मुकाबले में 11-9 से जीत दर्ज कर दिल्ली को फिर बढ़त दिलाई। पावर मिनट में लगातार दो टेकडाउन निर्णायक साबित हुए।

जूनियर पुरुष स्कीट टी2 ट्रायल्स में पंजाब का क्लीन स्वीप

नई दिल्ली, वार्ता। डा. कर्णी सिंह शूटिग रेंज में आयोजित शॉटगन राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स 1 एवं 2 के अंतर्गत जूनियर पुरुष स्कीट टी2 फाइनल में पंजाब के निशानेबाजों ने पोडियम पर पूरी तरह कब्जा जमाया। हरविराज सिंह, हरजीज सिंह अटवाल और गुरफतेह सिंह संधू ने क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहते हुए शानदार प्रदर्शन किया। वहीं सीनियर वर्ग में अनंतजीत सिंह नरूका ने 36 का परफेक्ट स्कोर कर ट्रायल 2 फाइनल जीता, जबकि महिला वर्ग में यशस्वी राठौड़ ने केवल एक निशाना चूकते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। कड़े मुकाबले वाले सीनियर पुरुष फाइनल में, क्वालिफिकेशन में 120 के स्कोर के साथ शीर्ष पर रहने वाले अनंतजीत सिंह नरूका ने फाइनल में 36 में से 36 निशाने साधे। ज्योतिरादित्य सिंह सिसोदिया ने भी 34वें टारगेट तक परफेक्ट स्कोर बनाए रखा, लेकिन आखरिी से पहले वाला निशाना चूक गए और 35/36 के साथ दूसरे स्थान पर रहे। अभय सिंह सेखों ने 30 हिट्स के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले क्वालिफिकेशन में भवतेड़ा 120 के स्कोर के साथ अनंतजीत के बाद दूसरे स्थान पर रहे। ज्योतिरादित्य ने 119 के साथ तीसरा स्थान पाया।

डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब ने सम्मानित की विभुतियां

समाज को दिशा देने के लिए संकल्पित लक्ष्य निर्धारित कर पत्रकारिता होनी चाहिएः योग गुरु भारत भूषण

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। योग गुरु पदम श्री भारत भूषण ने कहा कि समाज को दिशा देने के लिए संकल्पित लक्ष्य निर्धारित कर पत्रकारिता होनी चाहिए, ताकि पत्रकार राष्ट्र के एक सजग प्रहरी होने की भूमिका का दायित्व निभा सके। इस अवसर पर समाज की विभिन्न विभूतियां को सम्मानित किया गया और सूफियाना अंदाज में डॉक्टर अमन सूफी अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रोताओं को अपने आवाज के जादू में बांधे रखा।

जीपीओ रोड स्थित एक होटल की सभागार में डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब द्वारा विशेष उपलब्धि हासिल करने वाली विभूतियां को सम्मानित करने के लिए आयोजित सम्मान समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि योग गुरु पदम श्री भारत भूषण, मां शाकंभरी विश्वविद्यालय की उपकुलपति विमला वाई, डीआईजी /वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आशीष तिवारी, एनआरआई अजय गुप्ता, डीपीसी के चेयरमैन जावेद साबरी, जिलाध्यक्ष सुरेंद्र चौहान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि पदम श्री भारत भूषण ने कहा कि राष्ट्र विकास की गुत्थी गहराती जा रही है और पत्रकारों का काम मीन मिक निकलना नहीं होता बल्कि उसे काम को सपृन करना होता है इसीलिए पत्रकारिता को समाज का चौथा स्तंभ कहा गया है। उन्होंने महाभारत काल का स्मरण करते हुए कहा कि उसे युग में सोशल मीडिया नहीं थी लेकिन उसके बावजूद भी संजय ने अपनी दिव्य दृष्टि से महाभारत युद्ध का आंखों देखा हाल बताया। उन्होंने कहा कि आजादी के पश्चात गणेश शंकर विद्यार्थी जैसी पत्रकारिता करनी होगी जो राष्ट्र की उन्नति और विकास में अपनी सहभागिता निभा सके।

सम्मान समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में मां शाकंभरी विश्वविद्यालय की उपकुलपति विमला बाई, विकास के क्षेत्र में मेयर डॉक्टर अजय सिंह,

कानून व्यवस्था के क्षेत्र में डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आशीष तिवारी , खेल के क्षेत्र में रिया वर्मा एवं अनीशा, चिकित्सा क्षेत्र में डॉ प्रवीण शर्मा, कैटरिंग के क्षेत्र में नौशाद खान, वुड कार्विंग के क्षेत्र में औसाफ गुड्डू को मुख्य अतिथि पदम श्री भारत भूषण, डीपीसी के चेयरमैन जावेद साबरी, एनआरआई अजय गुप्ता, जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र चौहान, विधायक देवेन्द निम, आशू मलिक ,पूर्व सांसद हाजी फजलुर रहमान, मनोज सिंघल, डीपीसी के संयोजक अबूबकर शिब्ली, कुमार योगेश, डॉक्टर शाहिद जुबेरी ने संयुक्त रूप से स्मृति चिन्ह, प्रशस्तिपत्र एंव शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम मैं गीत संगीत की महफिल सजाते हुए बठिंडा जीकेयू विश्वविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर अमन सूफी ने अपने सूफियाना अंदाज में एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देते हुए श्रोताओं को अपने आवाज के जादू में ऐसा बांधा की देर रात तक प्रस्तुतियों पर झूमते रहे और दाद देकर उनकी हौसला अफजाई की।

इस अवसर पर विधायक आशु मलिक, नगर विधायक राजीव गुम्बर, रामपुर मनिहारान विधायक देवेंद्र निम, नकुड विधायक मुकेश चौधरी, बेहट विधायक उमर अली खान, जलालाबाद विधायक अशरफ अली, पूर्व सांसद हाजी फजलुर रहमान, पूर्व विधायक सुरेंद्र कपिल, ठाकुर वीरेंद्र सिंह, पार्षद हाजी फजलुर रहमान, अहमद मलिक, दिग्विजय चौहान, मनोज प्रजापति, फहद सलीम, नदीम अहमद, नूर आलम, फराज अंसारी, इंडियन हर्ब्स के निदेशक सुधाकर अग्रवाल, आईआईए पूर्व अध्यक्ष अनूप खन्ना, भाजपा नेता के एल अरोड़ा, डॉक्टर कलीम अहमद, डाक्टर पीडी गर्ग, डॉक्टर राजीव त्यागी, डॉक्टर करण सिंह, डॉ जयपाल चंद, ठाकुर तेजवीर सिंह, सहारनपुर क्लब के सचिव हेमंत जोशी, कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष मुजफ्फर अली, महानगर अध्यक्ष मनीष त्यागी, सत्येंद्र पाल सिंह बिट्टू, पंजाबी समाज के अध्यक्ष गोपाल कृष्ण अरोड़ा, पाली कालड़ा, रवि सैनी , परमिंदर सिंह अकरम सैफी, साहिल खान, नकुड तस्लीम रहमान, वसीम कुरेशी, गुलाम रब्बानी, डीपीसी के कुमार योगेश, डॉक्टर शाहिद जुबेरी, दीपक अरोड़ा, मनोज मिड्ढा, सुरेश कुमार, अर्पित मिड्ढा, जकरिया खान, जोगेंद्र कल्याण, जैद खान, राव शमीम, सोनू राणा फहीम उस्मानी, नौशाद उस्मानी, मुशर्रफ उस्मानी, मोइनुद्दीन सिद्दीकी, आबाद अली शेख, सुनील चौधरी, मनसब अली परवेज, अरविंद टेबक, सुरेंद्र अरोड़ा, अर्शी शमीम, एहसान परवेज, मयंक चौधरी, नौशाद खान, रेहान खान, सलाउद्दीन, मोहम्मद खालिद, फुरकान मलिक, इमरान मलिक, डॉक्टर दिलशाद मलिक, अधिवक्ता शाहनवाज खान आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन राकेश शर्मा ने किया।

ग्लोकल विश्वविद्यालय का एनएसएस शिविर शुरू

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। ग्लोकल विश्व. विद्यालय अतिरिक्त प्रतिकुलाधिपति सैयद निजामुद्दीन और कुलसचिव प्रोफेसर शिवानी तिवारी की प्रेरणा तथा डॉ. शोभा त्रिपाठी एवं जमीरुल इस्लाम के निर्देशन में फैजाबाद ग्राम सभा में राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय शिविर प्रारंभ हुआ।

शिविर के प्रथम दिवस आरिफपुर ग्राम को छात्रों ने अपना कार्य स्थल बनाया। यहां पर छात्रों ने पहले पंचायत भवन की सफाई की और फिर घर-घर जाकर शिक्षा, स्वास्थ्य और धूम्रपान निषेध के लिए लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि समाजसेवी मुस्तफा सिद्दीकी ने भी छात्रों के साथ जाकर लोगों को जागरूक किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि समाज सेवा केवल सहायता करना नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को जीवित रखना है। जब हम नि:स्वार्थ भाव से दूसरों के दु:ख-दर्द को अपना समझते हैं, तब एक बेहतर समाज की नींव पड़ती है। उन्होने कहा कि समाज सेवा हमें अहंकार से ऊपर उठकर करुणा, सहयोग और समर्पण

का मार्ग दिखाती है। छोटे-छोटे प्रयास-जैसे किसी जरूरतमंद का हाथ थाम लेना, शिक्षा और स्वच्छता के लिए आगे आना या पर्यावरण की रक्षा करना भी बड़े बदलाव ला सकते हैं। सच्ची समाज सेवा वही है, जिसमें हम बिना किसी अपेक्षा के मानवता के कल्याण के लिए सतत प्रयास करते रहें।

इस शिविर में छात्रों को एक अलग अनुभव प्राप्त हुआ। ग्रामवासी शिक्षा, स्वास्थ्य आदि के लिए बिल्कुल जागरूक नहीं है छात्रों ने यह आवश्यकता बताई कि यहां पर अभी बहुत काम करना पड़ेगा। यह समस्त शिविर ग्राम प्रधान इनायत अली के सहयोग से संपन्न हुआ । राष्ट्रीय सेवा योजना के मूल उद्देश्य-समाज, प्रकृति और मानव कल्याण के प्रति संवे. दनशील नागरिक तैयार करनाख्रको सार्थक रूप से पूर्ण करना है, ग्लोकल विश्वविद्यालय इस दिशा में पूर्ण रूप से सजग है।

अंत में डॉक्टर शोभा त्रिपाठी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया और स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

बजट ऊंची दुकान फीका पकवानः बेनीवाल

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। बसपा के नेशनल कोर्डिनेटर रणधीर सिंह बेनीवाल ने कहा कि आज केंद्र सरकार द्वारा लाये गये इस बजट में विभिन्न योजनाओं के वायदे किये गये है, लेकिन सरकार की मंशा साफ न हो तो बजट हमेशा ऊंची दुकान फीकी पकवान साबित होता है। रणधीर बेनीवाल ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर द्वारा बनाये गये सविधान को ध्यान में रखते हुए अगर सरकार इसको साफ-नीयत से लागू करती है तो देश की जनता को फायदा होगा, वरना इस बजट को कोई उद्देश्य नही।

बजट में मूल समस्याओं को पीछे छोड़ाः मुजतबा

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय महासचिव मुजतबा एडवोकेट ने कहा कि बजट में मूल समस्याओं को पीछे छोडा गया है।

मुजतबा मलिक ने कहा कि बजट में युवाओं के लिये कोई रोजगार नीति नहीं है घरेलू बचत लगातार कम हो रही है। इनकम टैक्स छूट की लोगो को आस थी उसके लिये कुछ नहीं है बजट में आम आदमी के लिये कुछ खास नहीं है आम आदमी की कोई फर्क नहीं। उन्होंने कहा कि यह बजट उद्योगपतियो के लिये है और इससे देश में ग्लोबल झटके आयेंगे। बजट में मूल समस्याओं को छोड़ा गया है और महिलाओं के लिये कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि बजट से दिखा है कि भाजपा के ये दावा खोखला है कि भारत विश्व की तीसरी आर्थव्यवस्था बनेगा।

हिफ्ज व नाजरा कुरआन पूरा करने वाले बच्चों की दस्तारबंदी

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। मदरसा दावतुल कुरान में आयोजित कार्यक्रम में हिफ्ज व नाजरा कुरआन पढने वाले बच्चों की दस्तारबंदी की गयी।

चक अबाबकरपुर नौगावा स्थित मदरसे में मोलाना मुफ्ती अताऊरहमान, उस्ताद अलमहाद. ुल इस्लामी मानक मऊ मौलाना असजद व मोलाना आमिर मानक मऊ ने जलसे को खिताब किया। इस वर्ष एक बच्चे ने कलाम पाक हिफज किया सात बच्चों और दो बच्चियों ने नाजरा किया जिनकी दसतार बन्दी मोलाना आमिर मोलाना नासिर के द्वारा की गयी। जलसे की सदारत मोलान डाक्टर मो अरशद अलीग व संच. ालन कारी मो नौशाद ने किया। प्रोग्राम में कारी मो आबिद पुर्व प्रधान अब्दुल वहीद प्रधान मो असलम हाफिज रहेमतुल्ला समस्त स्टाफ मदरसा प्रधान मो इकराम ग्राम पंचायत बेगपुर नोगावा प्रधान मो दिलशाद आदि मौजूद रहे।

मेडिग्राम ने मनाया दस वर्ष पूरे होने का उत्सव

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। मेडिग्राम हॉस्पिटल द सुपर स्पेशलियटी ने आज मानवता की सेवा में अपने 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक विशेष सिंहवलोकन समारोह का सफल आयोजन कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का उत्सव मनाया।

पाइनवुड स्कूल ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में अन्तर्राष्ट्रीय योग गुरु पद्मश्री भारत भूषणजी, राज्यमंत्री कुंवर बृजेश सिंह, राज्यमंत्री जसवंत सैनी, शहर विधायक राजीव गुम्बर, बेहट विधायक उमर अली खान, विधायक देवेन्द्र निम, एमएलसी शाहनवाज खान, जिलाध्यक्ष भाजपा महेंद्र सिंह सैनी, महानगर अध्यक्ष शीतल बिश्नोई, पूर्व नगर अध्यक्ष राकेश जैन तथा हेमंत अरोड़ा विशेष रूप से उपस्थित रहे। अप्रवासी भारतीय उद्योगपति अजय गुप्ता की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया।

इसके अतिरिक्त आईएमए अध्यक्ष डॉ. प्रवीन शर्मा, पूर्व अध्यक्ष डॉ. नरेश नौसरन, शिव कुमार गौड़, सुधाकर अग्रवाल एवं मुकेश मेहता, अपर नगर आयुक्त प्रदीप यादव, प्रमोद सदाना, गौरव चोपड़ा तथा मुख्य अभियंता निर्माण सुरेश चंद्र भी समारोह में शामिल हुए।

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण मेडिग्राम हॉस्पिटल की दस वर्षीय यात्रा को दर्शाने वाली एक विशेष रूप से तैयार की गई स्मृति वीडियो फिल्म रही। इस फिल्म में अस्पताल के विकास को एक सशक्त प्रतीक के माध्यम से प्रस्तुत किया गया-एक रुद्राक्ष वृक्ष, जिसे दस वर्ष पूर्व अस्पताल परिसर में तत्कालीन केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री, डॉ. हर्ष वर्धन द्वारा रोपा गया था।

आज वही रुद्राक्ष वृक्ष एक विशाल, सुदृढ़ एवं समृद्ध स्वरूप धारण कर चुका है, जो मेडिग्राम हॉस्पिटल की चिकित्सा सेवाओं, क्लिनिकल क्षमताओं और रोगी-सेवा में निरंतर विस्तार का सजीव प्रतीक बन गया है। यह दृश्यात्मक प्रस्तुति मेडिग्राम के एक विश्वसनीय सुपर स्पेशियलिटी स्वास्थ्य संस्थान के रूप में विकसित होने की यात्रा को प्रभावी ढंग से दर्शाती है। इस अवसर पर मेडिग्राम हॉस्पिटल के निदेशको ने चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों, सहयोगियों और क्षेत्रवासियों के प्रति उनके निरंतर विश्वास एवं सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

जैन कालेज में 15 पदों के लिए 19 नामांकन दाखिल

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। जम्बू विद्यालय जैन कॉलेज कमेटी , प्रद्युम्न नगर की प्रबन्ध समिति के चुनाव-2026 के अंतर्गत शनिवार को नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। कुल 15 पदों के सापेक्ष 19 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र प्रस्तुत किए, जिन्हें जांच के उपरांत स्वीकृत कर लिया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय प्रशासन एवं चुनाव प्रक्रिया से जुड़े अनेक अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे, जिनमें डॉ. प्रदीप कुमार जैन (कार्यालय अधीक्षक), सौरभ जैन (बर्सर), वासुदेव (लेखाकार), रोशन लाल, राकेश कुमार, सुशील कुमार, संजय कुमार सैनी, विशाल कुमार, प्रवीण कुमार, योगेन्द्र कुमार, विनोद कुमार एवं अमित कुमार प्रमुख रहे। चुनाव अधिकारियों के अनुसार आगामी चरण में नामांकन सूची का प्रकाशन, आपत्ति निस्तारण तथा 8 फरवरी 2026 को नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

खामोशी, मजबूरी या फिर कुछ और पहल करेगा कौन ?

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। पिछले कुछ वर्षों से यह स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है कि समाचार पत्रों का स्तर और उनका प्रभाव लगातार गिरता जा रहा है। इसका कारण केवल बदलता समय या डिजिटल युग नहीं है, बल्कि कुछ नीतिगत निर्णय और जिम्मेदार लोगों की चुप्पी भी उतनी ही दोषी है।

एक और जहां सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव ने पाठकों की आदतों को बदला है, तो दूसरी और सरकारी नीतियों ने समाचार पत्र उद्योग की आर्थिक रीढ़ को ही कमजोर करने का काम किया है। यह किसी से छिपा नहीं है कि अधिकांश समाचार पत्रों का अस्तित्व सरकारी विभागों से मिलने वाले विज्ञापनों पर ही टिका होता है। छोटे और मझोले समाचार पत्रों के लिए तो यह विज्ञापन जीवन. रेखा के समान हैं। किंतु वर्तमान समय में सरकार द्वारा सरकारी विभागों को जेम पोर्टल के माध्यम से ही सूचनाएं और विज्ञापन जारी करने का दबाव बनाया जा रहा है। परिणामस्वरूप, परंपरागत समाचार पत्रों से सरकारी विज्ञापन लगातार कम होते जा रहे हैं। इस स्थिति ने समाचार पत्र जगत को गहरे संकट में डाल दिया है। छपाई, वितरण, कर्मचारियों के वेतन और समाचार संकलन की गुणवत्ता,हर स्तर पर इसका सीधा असर दिखाई देने लगा है। इसके बावजूद आश्चर्य की बात यह है कि समाचार पत्रों के कर्ताधर्ता और उनके संगठन पूरी तरह खामोश नजर आ रहे हैं। न तो सरकार से संवाद की कोई ठोस पहल दिखाई

■ नीतिगत निर्णय और जिम्मेदार लोगों की चुप्पी भी जिम्मेदार

दे रही है और न ही किसी सामूहिक आंदोलन या समाधान की रणनीति, विचारणीय प्रश्न यह है कि जब समाचार पत्र लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहलाते हैं, तो फिर उनके अस्तित्व पर मंडरा रहे इस संकट पर संगठन के पदाधिकारी मौन क्यों साधे हुए हैं? समाचार पत्रों में उच्च पदों पर बैठे लोगों का दायित्व केवल प्रबंधन तक सीमित नहीं है, बल्कि पत्रकारिता के भविष्य की रक्षा करना भी उनकी नैतिक जिम्मेदारी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि समाचार पत्र संगठनों के पदाधिकारी सरकार से सीधे और स्पष्ट शब्दों में संवाद करें। सरकार से यह अनुरोध किया जाना चाहिए कि जेम पोर्टल के साथ-साथ समाचार पत्रों में भी सूचनाएं और विज्ञापन जारी किए जाएं। डिजिटल माध्यम अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं,किंतु प्रिंट मीडिया की भूमिका को नजरअंदाज करना लो. कतांत्रिक व्यवस्था के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए,तो वह दिन दूर नहीं जब अनेक समाचार पत्र इतिहास के पन्नों में सिमट जाएंगे। इसलिए अब चुप्पी नहीं, संवाद जरूरी है; अब प्रतीक्षा नहीं, पहल जरूरी है, ताकि समाचार पत्रों का वजूद, उनकी स्वतंत्रता और उनकी गरिमा बनी रह सके।

''ये चमत्कार तो होने से रहा, वो वफादार तो होने से रहा''

रहनुमा ट्रस्ट की ओर से जनमंच में हुआ 'जश्न-ए-जम्हूरियत' मुशायरे एवं कवि सम्मेलन का आयोजन, देर रात तक चला मुशायरा

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार की रात जनमंच सभागार में रहनुमा ट्रस्ट की ओर से एक राष्ट्रीय मुशायरा एवं कवि सम्मेलन 'जश्न-ए-जम्हूरियत' नाम से आयोजित किया गया। मुशायरे की शुरुआत पूर्व सांसद हाजी फजलुर्रहमान, हाफिज उस्मान, रहनुमा ट्रस्ट के चेयरमैन सूफी साबिर अली उस्मानी, फैसल शहीद उस्मानी, अंतर्राष्ट्रीय शायर फराज फानी, शायर बिलाल सहारनपुरी व डॉ. वीरेन्द्र आजम, लताफत उस्मानी और राखी चौधरी द्वारा शमा रोशन के साथ हुई।

हिन्दुस्तान के मशहूर शायर अकील नोमानी की अध्यक्षता और चंडीगढ़ के युवा शायर हमजा बिलाल के संचालन में आयोजित मुशायरे और कवि सम्मेलन में ट्रस्ट की ओर से सभी कवियों और शायरों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। सबसे पहले सहारनपुर के मरहूम शायर साहिल फरीदी व ताहिर फराज को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। रात करीब डेढ़ बजे तक चला आयोजन उस समय अपनी पूरी ऊंचाइयों पर पहुंच गया जब हिन्दुस्तान की मशहूर शायरा शबीना अदीब ने अपना कलाम पढ़ा। उन्हें पूरी शिद्दत से सुनते हुए भरपूर दाद मिली। उनका ये शेर देखिए-'' मुझे समझा नहीं कोई मैं वो खुद्दार प्यासी हूं/समंदर की जिसे गहराईयां आवाज देती हैं।'' बिलाल सहारनपुरी को जोरदार तालियों के बीच बार-बार सुना गया। उनके

कलाम की बानगी देखिए-''छोटे लोगों से उलझते नहीं वह लोग कभी/ जिनकी आंखों में बडेध ख्वाब हुआ करते हैं।''

सदारत कर रहे अकील नोमानी ने जमकर वाहवाही लूटी। उनका अंदाज देखिए-''ये चमत्कार तो होने से रहा/वो वफादार तो होने से रहा।'' महेंद्र कुमार सानी ने भी खूब वाहवाही बटोरी। उनका शेर देखिए-''वही उदास सी आंखे उदास चेहरा है/ये लग रहा है कि पहले भी तुझे कहीं देखा है।'' शायर फराज फानी को पूरे अदब के साथ सुना गया, उन्हें खूब दाद मिली। उनकी बानगी देखिए-'' दिन रात जल रहा है जो रोशन चराग सा/ कितना वो बुझ गया कोई जानता नही।'' इसी कड़ी में डॉ. वीरेन्द्र आजम को भी भूरपूर सराहना मिली। उन्होंने देश के हालात को कुछ यूं बयान किया-''चाकू, तमंचे और तलवारे, शहर-शहर सब राहों पर/बाबा, गांधी और भगतसिंह बेबस है चौराहों पर।'' इसके अलावा अरशद नदीम किरतपुरी, इल्मा हाशमी, अमीर इमाम, हमजा बिलाल, इकबाल युसूफ, हाशिम फिरोजाबादी, सलमान शहीद उस्मानी आदि शायरों ने भी अपना कलाम पेश किया और वाहवाही बटोरी। श्रोताओं ने सभी कलाम पर वजन के हिसाब से दाद दी। इस अवसर पर रहनुमा ट्रस्ट के ओर से सूचना व वक्फ चेयरमैन हाफिज उस्मान, पूर्व सांसद हाजी फजलुर्रहमान, प्रो.सतीश चंद्र, सैयद सलमान, साबिर अली खां, सैयद तारिक अब्दुल्ला, सैयद राशिद, अनवर खां वारसी, रविंद्र कुमार सोनू ,इ. बंटी सिंह समाजसेवी हाजी मुहम्मद औसाफ गुड्डू, पत्रकार हाजी अबूबकर शिब्ली, पार्षद फहाद सलीम, पूर्व अध्यक्ष फैजानउर रहमान, उर्वशी अग्रवाल, प्रवीन गौतम, व्यवसायी आबिद नजर आदि गणमान्य लोगों को शाल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिह्नन भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में सांसद पुत्र हमजा मसूद पूर्व जिलाध्यक्ष चौधरी मुजफ्फर, पत्रकार सुरेंद्र चौहान, हाजी तस्लीम, अनवार सिद्दीकी एडवोकेट. अवनींद्र कमल सहित बड़ी संख्या में श्रोता मौजूद रहे। संयोजक मोहम्मद ताहा ने सभी मेहमानों का आभार व्यक्त किया।

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

आम आदमी खाली

रविवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में 2026-27 का बजट पेश किया। इस बजट में सभी विभागों को कुछ न कुछ देने की कोशिश की गई है, लेकिन आज की दुनिया के हालात देखते हुए विशेषकर सिंदूर ऑपरेशन से सबक लेते हुए सरकार ने अपना रक्षा बजट बढ़ाया है, जोकि स्वाभाविक भी है। अपने 85 मिनट के भाषण में वित्त मंत्री ने जहां जियो पॉलिटिक्स और चुनौतियों की बात कही, वहीं देश का रक्षा बजट 6 लाख 81 करोड़ से बढ़ाकर 7 लाख 85 हजार करोड़ रुपये करने की बात कही। इस तरह डिफेंस बजट में 15.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। बजट को ध्यान से देखने पर आम आदमी के हिस्से में कुछ आता दिखाई नहीं दे रहा है। खेती और पशुपालन आय और रोजगार के मौके बढ़ाने के थोड़ा जरूर फोकस किया गया। नारियल प्रोत्साहन योजना से करीब 3 करोड़ लोगों को जोड़ा जाएगा। मछली पालन को बढ़ावा लेने के लिए 500 तालाबों और सरोवरों का विकास किया जाएगा। इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया। हां इतना जरूर है कि रिवाइज्ड रिटर्न फाइल करने के लिए 3 महीने से ज्यादा का समय देने की बात कही गई है। इस तरह अब व्यापारी 31 दिसंबर के बदले 31 मार्च तक रिवाज्ड रिटर्न फाइल कर सकते हैं। कैंसर की 17 दवाओं से आयात शुल्क हटाया गया है, जो अभी तक 5 फीसदी लगता था। 15 हजार सेकेंडरी स्कूलों और 500 कॉलेजों में कंटेंट क्रिएटर्स लैब बनाए जाने की बात भी बजट में कही गई है। करीब 800 जिलो में लड़कियों के लिए हॉस्टल बनेंगे, हर जिले में यह हॉस्टल होगा। बजट में तीन आयुर्वेदिक एम्स बनाने का भी लक्ष्य रखा गया है। सात जिलों में हाईस्पीड ट्रेन भी दौड़ेंगी। जाहिर है इससे महानगरों के बीच की दूरी घटेगी। इससे देश की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। वित्त मंत्री के अनुसार 2025-26 में राज्य कोषीय घाटा 4.4 फीसदी रहा और अगले साल 2026-27 के लिए इसे और घटाकर 4.3 फीसदी करने का लक्ष्य है। बता दें कि राजकोषीय घाटे का मतलब सरकार की कमाई और खर्च के बीच का अंतर है। 2025-26 में सरकारों की कुल कमाई 34 लाख करोड़ रही। इसमें 26.7 लाख करोड़ टैक्स से आए और कुल खर्च 49.6 लाख करोड़ रहा। 26-27 के लिए सरकार ने 36.5 लाख करोड़ की कुल कमाई का अनुमान लगाया है, जिसमें टैक्स से 28.7 लाख करोड़ आएंगे और 53.5 लाख करोड़ कुल खर्च रहने का अनुमान है। इससे साफ है कि खर्च कमाई से ज्यादा है, इसलिए सरकार ने बाजार से 11.7 लाख करोड़ उधार लेने की बात कही है। शराब, सिगरेट महंगी होंगी। जमीनी स्तर पर इस बजट का क्या प्रभाव पड़ता है, यह तो आने वाले वक्त में ही पता चलेगा, लेकिन यह बजट लुभावना बजट कतई नहीं है और सरकार वास्तविकता को स्वीकार करती दिखाई देती है। जहां तक बात विपक्ष की है वह इसे रूखा बजट बता रहा है।

पूंजीवादी सोच से प्रभावित बजट

संसद में पेश किए गए बजट में योजनाओं, परियोजनाओं और वादों के नाम भले ही बड़े हों, लेकिन असली कसौटी यह है कि उनका लाभ जमीन स्तर पर आम लोगों तक कितना पहुंचता है, सर्वसमाज के हित में केवल बातें करना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें सही नीयत के साथ अमल में लाना भी उतना ही जरूरी है, केंद्र सरकार का बजट सत्ताधारी बहुजन समाज पार्टी के नजरिए से नहीं, बल्कि पूंजीवादी सोच से प्रभावित प्रतीत होता है, जिसमें बड़े उद्योगपतियों और धनाढ्य वर्ग को प्राथमिकता मिलती दिखती है, जबकि गरीब, दलित और बहुजन समाज की अपेक्षाएं पीछे छूट जाती हैं, सरकार की नीति और नीयत का आकलन इस बात से होना चाहिए कि वास्तव में गरीबों और वं. चतों के जीवन में कितना सकारात्मक बदलाव आया है।

-सुश्री मायावती, अध्यक्ष, बहुजन समाज पार्टी

बजट 2026-27: लोकलुभावन वादों से दूर, राहत और मायूसी का मिश्रण

योगेश कुमार गोयल

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 को एक ओर जहां सरकार के घटक दलों द्वारा विकसित भारत का बजट और बदलते भारत की राजनीतिक-आर्थिक प्राथमिकताओं तथा सरकार की दीर्घकालिक सोच का आईना बताया गया है, वहीं विपक्ष द्वारा इसे पूरी तरह दिशाहीन बजट करार दिया गया है। वैसे निर्मला सीतारमण ने लगातार नौवीं बार बजट पेश कर संसदीय इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। सवाल यह नहीं है कि बजट कितना बड़ा है या कितने नए आंकड़े पेश किए गए हैं बल्कि यह है कि क्या यह बजट महंगाई से जूझ रहे आम नागरिक के वर्तमान को कुछ राहत देता है और भविष्य के लिए भरोसेमंद आधार तैयार करता है? बजट के तमाम महत्वपूर्ण प्रावधानों का आकलन किया जाए तो यह बजट विकास, निवेश, बुनियादी ढ़ांचे, डिजिटल अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भर भारत की स्पष्ट झलक तो दिखाता है लेकिन इसके साथ ही इसमें कई ऐसे खाली स्थान भी हैं, जो आम आदमी और विशेषकर किसान, निम्न आय वर्ग और असंगठित क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए निराशा पैदा करते हैं। सरकार ने इस बार तात्कालिक लोकलुभावन उपायों से दूरी बनाते हुए दीर्घकालिक क्षमता निर्माण पर जोर दिया है। यह . ष्टिकोण आर्थिक रूप से समझदारी भरा हो सकता है लेकिन लोकतंत्र में बजट का मूल्यांकन केवल भविष्य के सपनों से नहीं, वर्तमान की चुनौतियों से भी होता है।

शिक्षा और रोजगार को जोड़ने वाला 'एजुक. ेशन-टू-एम्प्लॉयमेंट' मॉडल सरकार की उस सोच को सामने लाता है, जो कक्षा और कार्यस्थल के बीच की खाई को पाटने का दावा करती है। पहली नौकरी पाने वाले युवाओं के लिए 15,000 रूपए का डीबीटी बोनस और एक करोड़ इंटर्नशिप की घोषणा निश्चित रूप से आकर्षक लगती है। यह कदम युवाओं को औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ने और उन्हें सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने की दिशा में सकारात्मक है। लेकिन यहां भी सबसे बड़ा प्रश्न क्रियान्वयन का है। क्या यह इंटर्नशिप वास्तविक कौशल और स्थाई रोजगार की ओर ले जाएंगी या फिर यह योजना सस्ते श्रम तक सीमित रह जाएगी? भारत पहले भी कई बार योजनाओं के आकर्षक नाम और बड़े लक्ष्यों के बावजूद जमीनी स्तर पर कमजोर क्रियान्वयन का अनुभव कर चुका है। 'स्किल इंडिया 2.0' के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और मशीन लर्निंग जैसी उभरती तकनीकों को क्षेत्रीय भाषाओं में सिखाने की योजना डिजिटल डिवाइड को कम करने की दिशा में अहम कदम है। ग्रामीण और अर्ध-शहरी युवाओं के लिए यह तकनीकी दुनिया में प्रवेश का द्वार खोल सकता है लेकिन प्रशिक्षकों की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता और उद्योग-सहयोग के बिना यह पहल भी सीमित असर तक सिमट सकती है। शिक्षा बजट को लगभग 1.35 लाख करोड़ रूपए तक बढ़ाने का प्रस्ताव सराहनीय है लेकिन बढ़ती छात्र संख्या, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और शोध की जरूरतों के सामने यह राशि अपर्याप्त प्रतीत होती है। मध्यम वर्ग के लिए यह बजट राहत और मायूसी का मिश्रण है। आयकर दरों में तो कोई बदलाव नहीं हुआ है लेकिन आयकर प्रणाली को सरल बनाने की दिशा में घोषणा अवश्य की गई है। सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है, कर व्यवस्था को जटिल छूटों के जाल से निकालकर सरल और पारदर्शी बनाना, ताकि उपभोग बढ़े और अर्थव्यवस्था में मांग का संचार हो। यह दृष्टिकोण आर्थिक सुस्ती के दौर में उपयोगी हो सकता है।

सरकार ने कुछ चुनिंदा वस्तुओं और क्षेत्रों में कर कटौती कर राहत देने की कोशिश की है। कैंसर और मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों की दवाओं का सस्ता होना निसंदेह करोड़ों परिवारों के लिए जीवनरक्षक कदम है। मोबाइल फोन, ईवी बैटरी और सौर पैनलों पर रियायतें हरित ऊर्जा और डिजिटल इंडिया को गति देने के साथ-साथ तकनीक को आम आदमी की पहुंच में लाने का प्रयास हैं। जूते, कपड़े और कुछ घरेलू उपकरणों के सस्ते होने से मध्यमवर्गीय खपत में हल्की तेजी आ सकती है लेकिन दूसरी ओर शराब, खनिज और स्क्रैप पर बढ़े शुल्क से उत्पादन लागत बढ़ने और अंतत: उपभोक्ता कीमतों पर असर पड़ने की आशंका भी बनी हुई है। सबसे बड़ा झटका शेयर बाजार में देखने को मिला। फ्यूचर एंड ऑप्शन ट्रेडिंग पर बढ़े टैक्स ने खुदरा निवेशकों की धारणा को कमजोर किया और बजट के दौरान बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। इससे यह संदेश गया कि सरकार सट्टात्मक गतिविधियों पर सख्ती चाहती है लेकिन इसके दुष्परिणाम अल्पकाल में निवेशकों और बाजार की स्थिरता पर पड़े। यह बजट महंगाई और निवेश के मोर्चे पर एक तरह का विरोधाभास प्रस्तुत करता है, एक ओर खपत बढ़ाने की कोशिश, दूसरी ओर निवेश भावना को झटका। इंफ्रास्ट्रक्चर पर रु. 12.2 लाख करोड़ का पूंजीगत व्यय सरकार की विकास रणनीति का सबसे मजबूत स्तंभ है। सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, जिनमें मुंबई- पुणे और दिल्ली-वाराणसी जैसे मार्ग शामिल हैं, भारत की कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय विकास की तस्वीर बदल सकते हैं। बेहतर परिवहन से उद्योग, लॉजिस्टिक्स, पर्यटन और रियल एस्टेट को नई गति मिल सकती है। टियर-2 और टियर-3 शहरों पर फोकस शहरीकरण के असंतुलन को सुधारने की दिशा में सही कदम है। हालांकि, बुनियादी ढ़ांचे पर खर्च का लाभ आम आदमी तक पहुंचने में समय लगता है और तात्कालिक रूप से निर्माण सामग्री की कीमतों में बढ़ोतरी महंगाई का दबाव बढ़ा सकती है। एमएसएमई और व्यापार जगत के लिए बजट में नई संजीवनी दिखाई देती है। 10,000 करोड़ रूपए का एसएमई ग्रोथ फंड छोटे उद्यमों को पूंजी की कमी से उबार सकता है। महिलाओं के लिए मुद्रा लोन की सीमा बढ़ाकर 20 लाख रुपये करना महिला उद्यमिता को वास्तविक आर्थिक ताकत देने की दिशा में अहम कदम है। टेक्निकल टेक्सटाइल पर विशेष फोकस भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में मजबूत स्थान दिला सकता है और 'मेक इन इंडिया' को व्यावहारिक आधार दे सकता है।

डिजिटल अर्थव्यवस्था के संदर्भ में यह बजट ऐतिहासिक कहा जा सकता है क्योंकि पहली बार कंटेंट क्रिएटर्स और क्रिएटिव इकोनॉमी को औपचारिक मान्यता दी गई है। 'रील' और 'रियल' इकोनॉमी के बीच की दीवार लगभग गिर चुकी है। डिजिटल कंटेंट, गेमिंग, एनीमेशन और एजुकेशनल प्लेटफॉर्म को एमएसएमई जैसा दर्जा मिलने से युवाओं के लिए स्वरोजगार के नए अवसर खुल सकते हैं। हालांकि बौद्धिक संपदा संरक्षण, आय की स्थिरता और नियमन जैसे सवाल भविष्य की बड़ी चुनौतियां बने रहेंगे। स्वास्थ्य और तकनीक के मोर्चे पर 'बायो-फार्मा 2.0' और सेमीकंडक्टर मिशन पर जोर भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक सोच को दर्शाता है। दवा परीक्षण और अनुसंधान के लिए 1,000 टेस्टिंग साइट्स का नेटवर्क दवाओं की लागत कम कर सकता है। सेमीकंडक्टर निर्माण में आत्मनिर्भरता भारत को वैश्विक तकनीकी आपूर्ति श्रृंखला में मजबूत बनाएगी।

रक्षा बजट में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है लेकिन नई नीतिगत घोषणाओं के अभाव में बाजार की अपेक्षाएं पूरी नहीं हो सकी। इस पूरे बजट की सबसे बड़ी कमी किसानों को लेकर किसी ठोस और नई घोषणा का न होना है। कृषि क्षेत्र अभी भी महंगाई, लागत और आय की अनिश्चितता से जूझ रहा है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किए बिना समग्र विकास अधूरा रहेगा, यह सच्चाई इस बजट में अपेक्षाकृत कम झलकती है। कुल मिलाकर, बजट 2026-27 संतुलित प्रयास माना जा सकता है। यह न तो लोकलुभावन है और न ही कठोर सुधारवादी। सरकार ने भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए दिशा स्पष्ट की है लेकिन महंगाई, रोजमर्रा का खर्च और आय की सुरक्षा जैसी आम आदमी की तात्कालिक चिंताओं पर सीधी राहत सीमित है। यह बजट आम नागरिक को तुरंत सुकून देने के बजाय धैर्य रखने की सलाह देता है। आने वाले समय में इसका मूल्यांकन इस बात से होगा कि इसके वादे कितनी पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ जमीन पर उतरते हैं। अब असली परीक्षा बजट भाषण की नहीं बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन की है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पक्षियों की विलुप्ति का चौंकाने वाला आंकड़ा

स्थिति को समझने में सबसे बड़ी चुनौती पक्षियों का हल्का वजन और खोखली हड्डियां हैं जिनके कारण उनके अवशेषों का जीवाश्म के रूप में भलीभांति संरक्षण नहीं होता है। इसलिए पक्षी विलुप्ति के अधिकांश विश्लेषण लिखित रिकॉर्ड के आधार पर किए गए हैं जो पिछले 500 वर्षों से ही उपलब्ध हैं।

हाल ही में नेचर कम्युनिकेशंस पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन ने पिछले 1,26,000 वर्षों में मानव गतिविधियों के कारण पक्षियों की विलुप्ति के चौंकाने वाले आंकड़े उजागर किए हैं। पूर्व में किए गए अनुमानों से आगे जाकर इस शोध ने लगभग 1500 पक्षी प्रजातियों के विलुप्त होने के पीछे मनुष्यों को दोषी पाया है। यह आंकड़ा पूर्व अनुमानित संख्या से दुगना है जो पक्षियों की जैव विविधता पर मानव गति. विधियों के गहरे प्रभाव का संकेत देता है।

सदियों से जमीनें साफ करके, शिकार और बाहरी प्रजातियों को नए इलाकों में पहुंचाने जैसे मानवीय कारकों की वजह से पक्षियों की विलुप्ति होती रही है। यह प्रभाव विशेष रूप से द्वीपों जैसे अलग-थलग पारिस्थितिक तंत्रों में विनाशकारी रहा है और पक्षियों की 90 प्रतिशत ज्ञात विलुप्तियां ऐसे ही स्थानों पर होने की संभावना है। स्थिति को समझने में सबसे बड़ी चुनौती पक्षियों का हल्का वजन और खोखली हड्डियां हैं जिनके कारण उनके अवशेषों का जीवाश्म के रूप में भलीभांति संरक्षण नहीं होता है। इसलिए पक्षी विलुप्ति के अधिकांश विश्लेषण लिखित रिकॉर्ड के आधार पर किए गए हैं जो पिछले 500 वर्षों से ही उपलब्ध हैं। इस दिक्कत से निपटने के लिए, यूके सेंटर फॉर इकॉलॉजी एंड हाइड्रोलॉजी के रॉब कुक और उनकी टीम ने 1488 द्वीपों में दस्तावेजीकृत विलुप्तियों, जीवाश्म रिकॉर्ड और अनुमानित अनदेखी विलुप्तियों के अनुमानों को जोड़कर कुल विलुप्तियों का एक व्यापक मॉडल तैयार किया। अनदेखी विलुप्तियों का अनुमान लगाने के लिए उन्होंने द्वीप के आकार, जलवायु और अलग-थलग होने की स्थिति जैसे कारकों के आधार पर प्रजातियों की समृद्धता का आकलन किया। उनका निष्कर्ष है कि मानवीय गतिविधियों के कारण प्लायस्टोसीन युग के अंतिम दौर के बाद से वैश्विक स्तर पर लगभग 12 प्रतिशत पक्षी प्रजातियां विलुप्त हुई हैं। अध्ययनकर्ताओं का मत है कि इनमें से आधे से अधिक पक्षियों को तो इंसानों ने देखा भी नहीं होगा और न ही उनके जीवाश्म बच पाए होंगे। इस विलुप्ति में विशेष रूप से प्रशांत क्षेत्र के हवाई द्वीप, मार्केसस द्वीप और न्यूजीलैंड को सबसे अधिक खामियाजा भुगतना पड़ा जहां विलुप्त पक्षियों का लगभग दो-तिहाई हिस्सा केंद्रित था। अध्ययन से पता चलता है कि महाविलुप्ति की शुरुआत लगभग 700 वर्ष पूर्व हुई जब इन द्वीपों पर मनुष्यों का आगमन हुआ। इसके नतीजे में विलुप्त होने की दर में 80 गुना वृद्धि हुई। शोध के यह परिणाम नीति निर्माताओं और संरक्षणवादियों के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। कार्लस्टेड विश्व. विद्यालय के फोल्मर बोकमा के अनुसार इन नुकसानों को समझकर अधिक प्रभावी जैव विविधता लक्ष्य निर्धारित किए जा सकते हैं। एडिलेड विश्वविद्यालय के जेमी वुड का कहना है कि इस अध्ययन ने दर्शाया है कि पक्षियों की विलुप्ति के अनुमान कम लगाए गए थे और वास्तविक स्थिति शायद इस अध्ययन के आकलन से भी ज्यादा भयावह है।

-स्रोत फीचर्स

तो इन्हें सताता है देश की बदनामी का डर

तनवीर जाफरी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भारतीय जनता पार्टी के नेता व समर्थक अक्सर यह आरोप लगाते रहते हैं कि वे विदेशी की धरती पर भारतीय राजनीति, संस्थानों चुनाव आयोग, न्यायपालिका या भारतीय मीडिया व सरकार की आलोचना करके देश की छवि को खराब करते रहते हैं। इतना ही नहीं बल्कि भाजपा इसे देश-विरोधी या भारत को बदनाम करने की साजिश तक बताती है। सवाल यह है कि आखिर किन बातों से देश की बदनामी होती है और बदनामी और नेकनामी का पैमाना है क्या? याद कीजिए जब राहुल गांधी ने 2023 में कैंब्रिज यूनिवर्सिटी (यू के) में कहा कि भारत में विपक्ष को दबाया जा रहा है और चीन का खतरा समझा नहीं जा रहा है। इसमें राहुल ने क्या गलत कहा था ? परन्तु भाजपा ने राहुल के इस सच्चाई भरे वक्तव्य को ष्भारत को बदनाम करनाष बताया था। इसी तरह जब 2023 में कोलंबिया की एक यूनिवर्सिटी में राहुल ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र पर हमला हो रहा है और कुछ बड़े व्यापारियों का अर्थव्यवस्था पर कब्जा है तब भी भाजपा ने इसे राहुल द्वारा विदेशी धरती पर भारत को बदनाम करना बताया था। अभी कुछ समय पूर्व ही जब राहुल गांधी ने बर्लिन में चुनाव आयोग पर सवाल उठाए और कहा कि हरियाणा चुनाव में धांधली हुई उस समय भी भाजपा ने इसे संस्थानों को बदनाम करने की साजिश बताया था। राहुल गांधी के ऐसे आरोपों से भाजपा इतना तिलमिला जाती है कि वह राहुल की आलोचना को एंटी-इंडिया फोर्सेज से जोड़कर कांग्रेस को कमजोर करने की कोशिश करने लगती है। यहां तक कि कुछ भाजपा नेता इसे चाइना की तारीफ या विदेशी हस्तक्षेप को आमंत्रित करने तक के रूप में परिभाषित कर देते हैं। भाजपाई कहते हैं कि इससे भारत की ग्लोबल इमेज खराब होती है

इस विषय पर कांग्रेस व राहुल गांधी का कहना है कि वे सिर्फ सच्चाई बोलते हैं,और आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है। लिहाजा राहुल भाजपा के आरोपों को खारिज करते हुए कहते हैं कि चीन जैसे मुद्दों पर तो मोदी खुद ही विदेश में भारत को बदनाम करते हैं। कुछ का मत है कि राहुल विदेश में कुछ नया नहीं कहते,वे भारत में भी यही कहते हैं। कांग्रेस के अनुसार समस्या चुनावी प्रक्रिया में है, न कि आलोचना में। कांग्रेस इसे साइलेंट करने की कोशिश बताती है और सच भी है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक नेता प्राय: विदेश में अपनी सरकार की आलोचना करते हैं और यह श्फ्री स्पीचश का हिस्सा माना जाता है। इससे देश की बदनामी नहीं होती, बल्कि इससे किसी भी देश के लोकतान्त्रिक मूल्य नजर आते हैं। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह भी कि ऐसे भी कोई प्रमाण नहीं है कि विदेश में की गई राहुल की बातों से भारत की अर्थव्यवस्था, निवेश या कूटनीति पर कभी कोई नकारात्मक प्रभाव पड़ा हो। सरकार खुद ही तो बताती रहती है कि भारत की जी डी पी ग्रोथ और ग्लोबल रैंकिंग मजबूत बनी हुई है?

इसी तरह राहुल गांधी व कांग्रेस के कई नेता नरेंद्र मोदी पर भी यह आरोप लगा चुके हैं कि वे विदेशी धरती पर भारत या पिछले 70 वर्षों के शासन की आलोचना कर देश को बदनाम करते हैं। नरेंद्र मोदी ने 2014 से 2023 के दौरान देश विदेश में कई बार यह दोहराया कि पिछले 70 सालों में भारत में कुछ खास नहीं हुआ, पहले लोग भारत में जन्म लेना दुर्भाग्य मानते थे, या 70 साल में विकास नहीं हुआ। इसी तरह मोदी ने 2022 में रूस में एक कार्यक्रम में भारत के पिछड़ापन, गरीबी या पिछली सरकारों की कमियों पर बात की थी। अमेरिका, यूके या अन्य देशों में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए मोदी ने अक्सर पूर्व सरकारों की कमजोर विदेश नीति, उनके घोटालों या उस दौर में विकास की कमी पर जोर दिया है। कांग्रेस भी मोदी की इन बातों को भारत की बदनामी बताती है। कांग्रेस के अनुसार, मोदी ने कम से कम 4-5 बार विदेश में ऐसा कहा कि कांग्रेस शासन में ष्भारत को दुनिया ने गंभीरता से नहीं लियाष या षपिछले शासकों ने देश को कमजोर बनायाष आदि । कांग्रेस इसे भारत और भारतीयों खास तौर से पिछली पीढ़ियों का अपमान मानती है, क्योंकि यह कांग्रेस के शासन काल को नकारात्मक रूप से पेश करता है। राहुल गांधी ने 2023 में लंदन में कहा भी था कि मोदी खुद विदेश में भारत को बदनाम करते हैं, क्योंकि वे हर भारतीय, उनके माता-पिता और दादा-दादी का अपमान करते हैं।

ऐसे में यह समझना भी जरूरी है कि दरअसल सत्ता व विपक्ष के उपरोक्त आरा. ेपों प्रत्यारोपों से ही देश की बदनामी होती है या फिर इसतरह के आरोप प्रत्यारोप ही एक दूसरे नेताओं व उनके दलों को नीचा दिखाने व उन्हें जनता में बदनाम करने जैसा एक षडड्ंत्र मात्र है ? या फिर वास्तव में जनता को इस तरह की बहस में उलझाकर उन वास्तविक समस्याओं व विषयों पर पर्दा डालने का प्रयास है जिससे हकीकत में देश की बदनामी होती है ? क्या गलत कहते है राहुल गांधी कि चुनाव आयोग संदिग्ध है ? वे चुनाव आयोग सामने कितने सबूत पेश कर चुके जिनका कोई जवाब नहीं आया ? क्या देश के अनेक महत्वपूर्ण संस्थानों व संसाधनों पर अडानी का कब्जा नहीं होता जा रहा ? क्या सरकारी संस्थाओं का दुरूपयोग विपक्ष को परेशान करने के लिए नहीं किया जा रहा ? जब देश में मॉब लिंचिंग होती है तो क्या देश की बदनामी नहीं होती ? देश में सत्तारूढ़ दल की ओर से मंत्री व मुख्यमंत्री स्तर के लोग खुले आम साम्प्रदायिकता फैलाने वाली बातें कर ओछी राजनीति करते हैं तो क्या देश की बदनामी नहीं होती? देश की राजनीति को संविधान से अलग हटकर सांप्रदायिकता के रंग में चलाने के प्रयास क्या देश की बदनामी का कारण नहीं ? कितने लुटेरे जिनमें अधिकांश गुजराती,देश की अरबों रूपए लूटकर विदेशों में बैठे हैं क्या यह बदनामी की वजह नहीं ? देश के सर्वोच्च धर्माधिकारी शंकराचार्य जी को व उनके सहयोगियों को संगम तट पर मारा पीटा गया क्या वह देश की बदनामी की वजह नहीं ? नकली डिग्री धारक लोग सत्ता में सर्वोच्च पदों पर बैठे हों,यह बदनामी की बात नहीं ? संसद विधानसभा व मंत्रिमंडल में भ्रष्ट,बलात्कारियों व अन्य अपराधियों का शामिल होना क्या बदनामी की बात नहीं ? गांधी के हत्यारों का महिमामंडन क्या देश की बदनामी नहीं ? सत्ता द्वारा बलात्कारियों व अपराधियों को संरक्षण क्या बदनामी की वजह नहीं ? बड़ा आश्चर्य है कि देश की बदनामी इबारत लिखने वालों को ही देश की बदनामी का डर सताता रहता है ?

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

इटली। मिलान शहर में 2026 शीतकालीन ओलंपिक से पहले ICE विरोध प्रदर्शन में भाग लेते लोग।

ऑनलाइन धोखाधड़ी मामले में 36 भारतीय सहित 2000 से अधिक विदेशी नागरिक गिरफ्तार

नोम पेन्ह। कंबोडिया में ऑनलाइन धोखाधड़ी के खिलाफ नवीनतम कार्रवाई के दौरान कुल 2044 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें 36 भारतीय भी शामिल हैं। यह जानकारी कंबोडियाई गृह मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने रविवार को दी। शनिवार को दक्षिणपूर्वी स्वे रींग प्रांत के बावेत शहर में 22 इमारतों वाले एक कैसिनो पर छापेमारी के दौरान आठ अलग-अलग देशों के संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। कम्पूचिया न्यूज के अनुसार, गिरफ्तार हुए कुल 2044 विदेशी नागरिकों में 1792 चीनी, 177 वियतनामी, 179 म्यांमारी, 30 नेपाली, पांच ताइवानी, एक मलेशियाई, दो लाओसी, 36 भारतीय और एक मैक्सिकन नागरिक हैं।

बलूचिस्तान में 145 बलूच लड़ाके मारे गए

पाक के गृह मंत्री मोहसिन नकवी व सेना ने कहा: इन हमलों को भारत का समर्थन मिला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में हुए एक के बाद एक बड़े आतंकी हमलों के बाद सुरक्षा बलों ने करीब 40 घंटे चले ऑपरेशन में 145 बलूच लड़ाकों को मार गिराया। यह जानकारी प्रांत के मुख्यमंत्री ने रविवार को दी। उन्होंने बताया कि इस हिंसा में 17 सुरक्षाकर्मी और 31 आम नागरिकों की जान गई। इससे पहले, एसोसिएटेड प्रेस ने पाकिस्तानी सेना के हवाले से बताया था कि आतंकियों ने बलूचिस्तान में आत्मघाती हमले और गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 33 लोगों की मौत हुई।

इसके बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए 92 लड़ाकों को मार गिराया। अधिकारियों के मुताबिक, यह बलूचिस्तान में दशकों में पहली बार हुआ है जब एक ही दिन में इतनी बड़ी संख्या में आतंकी मारे गए। इन हमलों की जिम्मेदारी प्रतिबंधित संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ली है। पाकिस्तान के गृह

- इस हिंसा में 17 सुरक्षाकर्मी व 31 आम नागरिकों की जान गई
- आतंकियों ने बलूचिस्तान में आत्मघाती हमले और गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 33 लोगों की मौत हुई

मंत्री मोहसिन नकवी और सेना ने कहा कि इन हमलों को भारत का समर्थन मिला है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इन आरोपों को पूरी तरह बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान बार-बार ऐसे निराधार आरोप लगाकर अपने देश की अंदरूनी नाकामियों से ध्यान हटाने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा कि हर हिंसक घटना के बाद बिना सबूत के आरोप लगाना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। भारत ने कहा कि पाकिस्तान को ऐसे निरर्थक दावे दोहराने के बजाय अपने ही लोगों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं और मांगों पर ध्यान देना चाहिए, खासकर उस क्षेत्र में जहां हालात गंभीर बने हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि पाकिस्तान का दमन, क्रूरता और मानवाधिकार उल्लंघन का रिकार्ड दुनिया से छिपा नहीं है।

पाकिस्तान में सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान में 92 आतंकवादियों को मार गिराया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने शनिवार को देश के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में 92 आतंकवादियों को मार गिराया और 'आतंकवादियों के बुरे इरादे को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया है।' सेना ने एक बयान में यह जानकारी दी है। बयान में कहा गया है कि आतंकवादियों ने कल पूरे प्रांत में कई आतंकवादी गतिविधियां कीं, और कहा कि हमलों का मकसद 'स्थानीय लोगों के जीवन और बलूचिस्तान के विकास में रुकावट डालना' था। सेना ने कहा कि ग्वादर और खारान जिलों में 18 निर्दोष नागरिक 15 सैनिक मारे गए। बयान में आगे कहा गया कि पिछले दो दिनों में इन सफल अभियानों के साथ, बलूचिस्तान में चल रहे अभियानों में मारे गए आतंकवादियों की कुल संख्या 133 हो गई है, और इनमें से 41 शुक्रवार को प्रांत में मारे गए। बयान में कहा गया है कि इन इलाकों में लगातार आतंक रोधी अभियान चलाए जा रहे हैं, और इन आतंकवादी कामों को अंजाम देने वालों और उन्हें मदद देने वालों को सज़ा दी जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

थाईलैंड में आम चुनाव के लिए मतदान शुरू

बैंकॉक। थाईलैंड में आम चुनाव के लिए पूर्व मतदान रविवार को सुबह आठ बजे शुरू हुआ। इस प्रक्रिया में 20 लाख से जयादा पात्र मतदाता हिस्सा ले रहे हैं, जो आठ फरवरी को आधिकारिक मतदान के दिन अपना वोट नहीं डाल पाएंगे। इस मतदान में हिस्सा लेने वाले मतदाताओं को मतदान केन्द्र पर दो बैलेट पेपर दिए गए है जिनमें एक प्रतिनिधि सभा सदस्य को चुनने के लिए और दूसरा अपनी पसंदीदा राजनीति दल को वोट देने के लिए। मतदान आज शाम 5 बजे समाप्त होगा और आठ फरवरी के बाद सभी मतपत्रों की गिनती एक साथ की जाएगी।

आइवरी कोस्ट में सड़क हादसे में 14 लोगों की मौत

अबिजान। आइवरी कोस्ट में शनिवार को एक सड़क हादसे में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 21 अन्य घायल हो गए। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। परिवहन मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह हादसा सुबह करीब पांच बजे कबाडूगू इलाके में हुआ और इसमें एक ट्रक शामिल था जो अनाज ले जा रहा था और जिसमें अवैध रूप से 69 यात्री सवार थे। परिवहन मंत्री अमादौ कोन ने कबाडूगू क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के अधिकारियों को हादसे की शुरुआती जानकारी इकट्ठा करने के लिए तुरंत मौके पर जाने का निर्देश दिया है।

अमेरिका के लुइसियाना में गोलीबारी से पांच लोग घायल

न्यूयॉर्क। अमेरिका में लुइसियाना राज्य के क्लिटन में शनिवार को 'मार्डी ग्रास इन द कंट्री' परेड के दौरान हुई गोल. ीबारी में पांच लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक यह घटना क्लिटन में पूर्वी फेलिसियाना पैरिश कोर्टहाउस के बाहर हुई। पूर्वी फेलिसियाना पैरिश के शेरिफ जेफ ट्रैविस ने स्थानीय समाचार आउटलेट डब्ल्यूएएफबी को बताया कि घायलों में एक छह साल का बच्चा भी शामिल है। ट्रैविस ने कहा कि तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है।

ईरान नहीं, वेनेजुएला का तेल खरीदेगा भारत

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का दावा: भारत ने वेनेजुएला से तेल खरीदने का सौदा कर लिया, चीन को भी डील करने के लिए कहा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि भारत अब ईरान से कच्चा तेल खरीदने के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। उन्होंने दावा किया है कि भारत ने वेनेजुएला से तेल खरीदने का सौदा कर लिया है। यह बयान ट्रम्प ने वाशिंगटन डीसी से एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात. चीत के दौरान दिया। हालांकि, भारत सरकार की ओर से इस पर अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। ट्रम्प ने कहा कि हमने पहले ही एक डील कर ली है। भारत वेनेजुएला से तेल खरीदेगा, ईरान से नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के साथ इस सौदे का कांसेप्ट तय हो चुका है।

ट्रम्प के मुताबिक, चीन भी अगर चाहे तो वेनेजुएला से तेल खरीद सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 जनवरी को वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज से टेलीफोन पर बातचीत की थी। इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर सहमति जताई थी। मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर बताया था कि दोनों देशों ने साझेदारी को और गहरा करने और आने वाले वर्षों में संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के साझा विजन के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया है। अमे. रिका ने 2019 में वेनेजुएला पर बहुत कड़े आर्थिक प्रतिबंध (सेंक्शंस) लगा दिए थे, अमेरिका ने सेकेंडरी सेंक्शंस भी लगा दिए, यानी जो भी देश या कंपनी वेनेजुएला से तेल खरीदती है, उसे अमेरिकी बाजार में व्यापार करने या बैंकिंग सुविधाओं से रोक दिया जा सकता था। इस वजह से कई देशों ने वेनेजुएला का तेल खरीदना बंद कर दिया। भारत भी वेनेजुएला से बहुत ज्यादा तेल खरीदता था। कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है कि तब भारत अपने कुल तेल आयात का लगभग 6 प्रतिशत वेनेजुएला से लेता था। वेनेजुएला पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज (ओपीईसी) का सदस्य है। उसके पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है, लेकिन वह वैश्विक सप्लाई का करीब 1 प्रतिशत ही देता है। अमेरिका ने कुछ समय के लिए (2023-2024 में) वेनेजुएला पर आंशिक रूप से सेंक्शंस ढीले किए, जिससे भारत ने फिर से वेनेजुएला से तेल खरीदा। 2024 में भारत का आयात औसतन 63000 से 1 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया। इसके बाद 2025 में वेनेजुएला से भारत का तेल आयात बढ़कर करीब 1.41 अरब डालर तक पहुंच गया, लेकिन मई 2025 में अमेरिका ने एक बार फिर से वेनेजुएला के तेल पर सख्ती बढ़ा दी। इसके बाद 2026 की शुरुआत में वेनेजुएला से भारत का क्रूड आयात सिर्फ 0. 3 प्रतिशत रह गया। रायटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक भारत की बड़ी निजी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वेनेजुएला से फिर से कच्चा तेल खरीदने के लिए अमेरिका से मंजूरी लेने की कोशिश शुरू कर दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि पश्चिमी देश भारत पर रूस से तेल आयात कम करने का दबाव बना रहे हैं और रिलायंस अपने लिए वैकल्पिक तेल सप्लाई सुरक्षित करना चाहती है। सूत्रों के मुताबिक रिलायंस के प्रतिनिधि इस मंजूरी के लिए अमेरिका के यूएस स्टेट डिपार्टमेंट और यूएस ट्रेजरी डिपार्टमेंट से बातचीत कर रहे हैं। इस पूरे मामले पर रिलायंस इंडस्ट्रीज ने रायटर्स की ओर से भेजे गए ईमेल का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। रिलायंस ने पहले भी अमेरिका से लाइसेंस लेकर वेनेजुएला से तेल खरीदा था। कंपनी के पास दुनिया का सबसे बड़ा रिफाइनरी काम्प्लेक्स है। यह गुजरात में स्थित है और इसकी कुल क्षमता लगभग 14 लाख बैरल प्रतिदिन है। 2025 के पहले चार महीनों में वेनेजुएला की कंपनी च्वटै। ने रिलायंस को चार जहाजों से तेल भेजा था, जो रोजाना करीब 63000 बैरल के बराबर था, लेकिन मार्च-अप्रैल 2025 में अमेरिका ने ज्यादातर लाइसेंस सस्पेंड कर दिए और वेनेजुएला से तेल खरीदने वाले देशों पर टैरिफ की धमकी दी, जिसके बाद मई 2025 में रिलायंस का आखिरी वेनेजुएलन तेल का जहाज भारत पहुंचा था।

- ट्रम्प ने कहा: हमने पहले ही एक डील कर ली है, भारत वेनेजुएला से तेल खरीदेगा, ईरान से नहीं
- अमेरिका ने 2019 में वेनेजुएला पर बहुत कड़े आर्थिक प्रतिबंध (सेंक्शंस) लगा दिए थे

ईरान अमेरिका के साथ कर रहा है बातचीत: ट्रम्प

वॉशिंगटन। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है। ट्रम्प ने शनिवार को फॉक्स न्यूज़ से कहा कि योजना यह है कि (ईरान) हमसे बात कर रहा है, और हम देखेंगे कि क्या हम कुछ कर सकते हैं। नहीं तो, हम देखेंगे कि क्या होता है। उन्होंने आगे कहा कि पिछली बार जब उन्होंने बातचीत की थी, तो हमें उनके परमाणु हथियार हटाने पड़े थे। यह काम नहीं आया, आप जानते हैं। फिर हमने इसे एक अलग तरीके से हटाया, और हम देखेंगे कि क्या होता है। ट्रम्प ने कहा कि हमारा एक बड़ा बेड़ा वहां जा रहा है, जो वेनेजुएला में हमारे बेड़े से भी बड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के साथ बातचीत करते समय अमेरिका खाड़ी के साथियों के साथ सैन्य योजना साझा नहीं कर सकता। ट्रम्प ने एक सवाल के जवाब में कहा कि हम उन्हें योजना नहीं बता सकते। अगर मैंने उन्हें योजना बताई, तो यह लगभग उतना ही बुरा होगा जितना आपको योजना बताना असल में, यह और भी बुरा हो सकता है।

अमेरिका में मूल निवासियों के शोषण के इतिहास को मिटाने की कोशिश

लॉस एंजिल्स। अमेरिका के एरिजोना राज्य में स्थित ग्रैंड कैन्यन नेशनल पार्क से ऐतिहा. सिक प्रदर्शनी के उन हिस्सों को हटा दिया गया है, जिनमें बताया गया था कि कैसे इस पार्क को बनाने के लिए 'आदिवासी समुदायों को उनकी जमीनों से बेदखल किया गया था।' अमे. रिका अखबार वाशिगटन पोस्ट के अनुसार, यह एक सुनियोजित अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत अमेरिका के पश्चिमी हिस्से के कम से कम 18 राष्ट्रीय उद्यान प्रभावित हैं।

इनमें मोंटाना, टेक्सास, कोलोराडो, यूटा और व्योमिग के स्थल शामिल हैं। वाशिगंटन पोस्ट की रिपोर्ट में बताया गया है कि सरकारी दस्तावेजों से पता चलता है कि पार्क के कर्मचारियों ने उन संदर्भों को भी हटा दिया, जिसमें 'अमेरिका के मूल निवासियों के दुख, कष्ट और नुकसान' का उल्लेख किया गया था। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मार्च 2025 में एक कार्यकारी आदेश जारी किया था, जिसमें एजेंसियों को उस सामग्री को खत्म करने का निर्देश दिया गया था जो 'अनुचित रूप से अमे. रिकियों को नीचा दिखाती है'। आदेश में इसके बजाय 'अमेरिकी लोगों की उपलब्धियों और प्रगति की महानता' पर ध्यान केंद्रित करने को कहा गया था। अमेरिकी इतिहासकारों के दो प्रमुख संगठनों अमेरिकन हिस्टोरिकल एसोसिएशन और ऑर्गनाइजेशन ऑफ अमेरिकन हिस्टोरियंस ने कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर होने के बाद एक संयुक्त बयान जारी कर प्रशासन की नीतियों को 'ऐतिहासिक रिकॉर्ड के महत्वपूर्ण हिस्सों को विकृत करने, हेरफेर करने और मिटाने का एक व्यवस्थित अभियान' बताया था। बयान में कहा गया था कि हालिया निर्देश ऐतिहासिक अनुसंधान, ऐतिहासिक सटीकता और अमेरिकियों के वास्तविक अनुभवों के बजाय संकीर्ण विच. ारधारा को कपटपूर्ण तरीके से प्राथमिकता देते हैं। एक गैर-लाभकारी समूह नेशनल पार्क्स कंजर्वेशन एसोसिएशन के अनुसार, धन की कटौती ने देश भर में 200 से अधिक 'ट्राइबल हिस्टोरिक प्रिजर्वेशन' अधिका. रियों के काम को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। ये अधिकारी जनजातियों को उनके विरासत स्थलों की रक्षा करने और उनके इतिहास के सटीक चित्रण को सुनिश्चित करने में मदद करते हैं।

- सरकारी दस्तावेजों से पता चलता है कि पार्क के कर्मचारियों ने उन संदर्भों को भी हटा दिया

सत्ता सरकारों के हाथ से निजी तकनीकी कंपनियों के हाथों में जा रही है: गुटेरेस

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बढ़ते वैश्विक तनाव के बीच शांति, न्याय और सतत विकास के लिए नये प्रयासों का आह्वान किया है। गुटेरेस ने यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि दुनिया 'शायद हमारे समय के सबसे बड़े सत्ता हस्तांतरण' से गुजर रही है।

सत्ता सरकारों से निजी तकनीकी कंपनियों के हाथों में जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी, जब व्यवहार, चुनाव, बाजार और यहां तक कि संघर्षों को आकार देने वाली तकनीकें बिना किसी सुरक्षा घेरे के काम करती हैं, तो प्रतिक्रिया नवाचार नहीं, बल्कि अस्थिरता होती है। महासचिव ने अपने कार्यकाल के अंतिम वर्ष यानि 2026 की प्राथमिकताओं की रूपरेखा पेश करते हुए कहा कि 2026 अभी से निरंतर आश्चर्य और उथल-पुथल वाले वर्ष के रूप में आकार ले रहा है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक बदलाव के समय में वह उन सिद्धांतों की ओर लौटते हैं, जो बताते हैं कि ताकतें कैसे काम करती हैं। इसमें न्यूटन का तीसरा नियम भी है, जो कहता है कि हर क्रिया की एक समान और विप. रीत प्रतिक्रिया होती है। गुटेरेस ने कहा कि इस वर्ष की शुरुआत में, हम ऐसी कार्रवाइयों को चुनने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं जो ठोस और सकारात्मक प्रतिक्रियाएं उत्पन्न करें। हमारे संकटपूर्ण समय में शांति, न्याय, जिम्मेदारी और प्रगति की प्रतिक्रियाएं।

- 2026 अभी से निरंतर आश्चर्य और उथल-पुथल वाले वर्ष के रूप में आकार ले रहा

तुर्की के अंताल्या में बस दुर्घटना में 8 लोगों की मौत, 26 घायल

अंकारा। तुर्की के अंताल्या शहर में एक बस पलटने से आठ लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए। टीआरटी हैबर टीवी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यात्री बस टेकिरदाग से अंताल्या जा रही थी, तभी आज सुबह एक तीव्र मोड़ पर बस चालक ने नियंत्रण खो दिया और बस खाई में पलट गई। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि बस अंताल्या-इस्पार्टा राजमार्ग पर ग्रीन. विच मीन टाइम के अनुसार लगभग साढ़े सात बजे पलटी और खाई में जा गिरी। कई लोगों की मौत और घायल होने की खबरें हैं। टीआरटी हैबर की रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटना के समय लोग बस के अंदर और नीचे फंसे हुए थे। चिकित्सा दल और आपातकालीन सेवाएं घटनास्थल पर काम कर रही है।

चीनी जेट बेचकर कर्जा चुका रहा पाकिस्तान

जेएफ-17 फाइटर जेट्स की सऊदी अरब, लीबिया जैसे देशों से डीलिंग की, हर साल 50 जेट बन रहे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान अपना कर्जा चुकाने के लिए चीन के फाइटर जेट्स की अन्य देशों के साथ डीलिंग कर रहा है। उसने नाइजीरिया, अजरबैजान, लीबिया, सऊदी अरब, मोरक्को, इंडोनेशिया, इथियोपिया और सूडान जैसे देशों को ये जेट्स बेचे हैं।

जिन देशों को जेट्स दिए गए हैं उनमें से 8 मुस्लिम देश हैं। इस्लामाबाद के कामरा में चीन सरकार का चेंडु एयरक्राफ्ट कार्पोरेशन और पाकिस्तान एयरोनाटिकल काम्पलेक्स जाइंट वेंचर प्रोडक्शन कर रहे हैं। ये प्रोडक्शन यूनिट पूरी तरह से चीन ही आपरेट कर रहा है। चीन के लगभग 500 एयरोनाटिकल इंजी. नियर यहां पर नियुक्त हैं। कामरा यूनिट से हर साल लगभग 50 जे सीरीज फाइटर जेट का प्रोडक्शन किया जा रहा है। पाकिस्तान ने सऊदी अरब को चीन के जेट बेच कर 18 हजार करोड़ रुपये का कर्ज भी चुका दिया। इससे बार्टर डील कहा जा रहा है। पाक पर सऊदी का लगभग 70 हजार करोड़ रुपये का कर्ज है। चीन के फाइटर जेट बेचने को आलवेज ब्रदर डील का नाम दिया गया है। लगभग 200 करोड़ रुपये के एक जे सीरीज के फाइटर जेट को बेचने का लगभग 80 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा चीन के हिस्से में जाता है। वर्ल्ड आर्म्स मार्केट में बैटल रेडी ब्रांडिंग बेहद जरूरी होती है। चीन ने 47 साल से किसी देश के साथ युद्ध नहीं लड़ा है। ऐसे में पाक चीन के हथियारों की बैटल रेडीनेस खरीदारों को बता रहा है। पाक इसके लिए भारत और अफगानिस्तान के खिलाफ इन हथियारों के इस्तेमाल को पेश करता है। पाक ने चीन के अलावा तुर्किये के साथ भी हथियार बनाने के प्लान पर काम शुरू कर दिया है। तुर्किये के कामीकाजी (आत्मघाती) ड्रोन की संयुक्त यूनिट अगले साल लाहौर के पास लगाने का समझौता हुआ है। पाकिस्तान ने हर साल लगभग 200 ड्रोन प्रोडक्शन का लक्ष्य रखा है। ये एक्सपोर्ट भी किए जाएंगे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज ने विदेशी कर्ज पर देश की बढ़ती निर्भरता को लेकर नाराजगी जताई है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, शहबाज ने शुक्रवार को माना कि देश की बदहाल आर्थिक स्थिति के कारण उन्हें बार-बार विदेशी दौरों पर जाकर कर्ज मांगना पड़ा। शहबाज ने कहा: कर्ज लेना हमारे आत्मसम्मान पर बहुत बड़ा बोझ है। कई बार हमें काम्प्रोमाइज करना पड़ता है। कई बार हम उनकी शर्तों को 'ना' भी नहीं कह पाते।

- नाइजीरिया अजरबैजान, लीबिया सऊदी अरब मोरक्को, इंडोनेशिया इथियोपिया और सूडान जैसे देशों को ये जेट्स बेचे हैं

रूसी लड़कियों से संबध नहीं बनाए: बिल गेट्स

यौन बीमारी के दावे को गलत बताया, कहा: एपस्टीन फाइल्स में लगे आरोप पूरी तरह झूठे

वाशिंगटन। माइक्रोसाफ्ट के को-फाउंडर और अरबपति बिल गेट्स ने रूसी लड़िकयों से संबंध बनाने और यौन बीमारी होने के आरोपों को खारिज कर दिया है। यौन अपराधी जेफी एपस्टीन से जुड़ी फाइलों में दावा किया गया है कि बिल गेट्स के रूसी लड़िकयों के साथ यौन संबंध थे और इसके बाद उन्हें यौन रोग (एसटीडी) हुआ। गेट्स के प्रवक्ता ने इन आरोपों को पूरी तरह बेतुका और झूठा बताया। उन्होंने कहा कि ये दावे गेट्स को फंसाने और बदनाम करने की कोशिश हैं।

प्रवक्ता के मुताबिक, इन दस्तावेजों से सिर्फ इतना पता चलता है कि जेफी एपस्टीन इस बात से नाराज था कि बिल गेट्स ने उससे दूरी बना ली थी। इसी वजह से वह गेट्स की छवि खराब करने की कोशिश कर रहा था। अमेरिकी न्याय विभाग ने 30 जनवरी को जेफी एपस्टीन जांच से जुड़े करीब 30 लाख पन्नों के दस्तावेज, 2000 वीडियो और 1.8 लाख तस्वीरें सार्वजनिक की हैं। नई फाइल्स में जेफी एपस्टीन (बाएं) और बिल गेट्स (दाएं) की एक मुलाकात की एक नई तस्वीर सामने आई। हालांकि यह साफ नहीं है कि यह कब ली गई थी। रिलीज हुई फाइल्स में एपस्टीन ने एक मेल में दावा किया कि यौन रोग होने के बाद बिल गेट्स ने उससे एंटीबायोटिक दवाएं मांगी थी, ताकि वह ये दवाएं चुपचाप अपनी पूर्व पत्नी मेलिंडा गेट्स को दे सकें। एपस्टीन ने एक ईमेल में गेट्स पर आरोप लगाया था कि उन्होंने अपनी छवि बचाने के लिए छह साल पुरानी दोस्ती को तोड़ दिया। साल 2021 में बिल गेट्स ने सीएनएन से कहा था कि एपस्टीन से मिलना उनकी बहुत बड़ी गलती थी। उन्होंने बताया था कि वे एपस्टीन से इसलिए मिले थे, ताकि वह गेट्स फाउंडेशन को दान दे सके। बिल गेट्स और एपस्टीन की दोस्ती को उनकी पूर्व पत्नी मेलिंडा फ्रेंच गेट्स से तलाक की एक बड़ी वजह भी माना जाता है। बिल गेट्स पहले कह चुके हैं कि उन्हें एपस्टीन के साथ अपने संबंधों पर पछतावा है। हालांकि उन्होंने किसी भी तरह की गलत गतिविधियों से इनकार किया है। 2019 में उन्होंने कहा था कि उनका एपस्टीन के साथ कोई कारोबारी या व्यक्तिगत संबंध नहीं था और वे कभी किसी पार्टी या निजी कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। न्यूयार्क टाइम्स और वाल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि गेट्स ने 2011 से 2013 के बीच एपस्टीन से कई बार मुलाकात की। इनमें न्यूयार्क स्थित उसके घर पर देर रात तक रुकना और निजी विमान से यात्रा करना भी शामिल रहा। बिल और मेलिंडा गेट्स की शादी 1994 में हुई थी। दोनों का 2021 में तलाक हो गया था। मेलिंडा ने बाद में कहा था कि गेट्स के अफेयर्स और एपस्टीन से संबंध उनके तलाक की बड़ी वजह बने।

- अमेरिकी न्याय विभाग ने 30 जनवरी को जेफी एपस्टीन जांच से जुड़े करीब 30 लाख पन्नों के दस्तावेज, 2000 वीडियो और 1.8 लाख तस्वीरें सार्वजनिक की हैं